रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, बुधवार 21 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 02, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 133

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर हत्याकांड

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.5	36.1
जमशेदपुर	35.1	25.0
डालटनगंज	34.4	25.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

देरी, लापरवाही और फिर लीपापोती...

सुप्रीम कोर्ट ने ममता सरकार, पुलिस व अस्पताल प्रबंधन को लगाई फटकार

ट्रेनी डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट का संज्ञान, कहा- मेडिकल कॉलेज में जैसी बर्बरता हुई, उससे पूरा देश हिल गया

सीबीआई से कल तक स्टेटस रिपोर्ट मांगी

सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता दुष्कर्म और हत्या मामले में स्वत : संज्ञान लेते हुए मंगलवार को सुनवाई की . सीजेई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने ममता बनर्जी सरकार से लेकर पुलिस और अस्पताल प्रशासन पर सवाल उठाते हुए फटकार लगाई . पीठ ने सुनवाई की लाइव स्ट्रीमिंग की और सीबीआई से गुरुवार तक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कहा . यानी सीबीआई को अपनी जांच और आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भीड़ के हमले की जांच की प्रगति पर 22 अगस्त तक स्टेटस रिपोर्ट अदालत को सौंपना होगा . पीठ ने कार्यस्थल पर डॉक्टरों की सुरक्षा पर विचार करने के लिए नेशनल टास्क फोर्स का गठन किया है, जो कि सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देश भर में अपनाए जाने वाले तौर-तरीकों से अदालत को अवगत कराएगा .

एजेंसी। नयी दिल्ली

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना को सुप्रीम कोर्ट ने भयावह बताया. मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए शीर्ष अदालत ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान कहा कि यह घटना देश भर में चिकित्सकों की सुरक्षा के संबंध में व्यवस्थागत मुद्दे को उठाती है. अदालत ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में देरी को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार भी लगायी.

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों को पीठ ने कहा कि अगर महिलाएं काम पर नहीं जा पा रही हैं और काम करने की स्थितियां सुरक्षित नहीं हैं, तो हम उन्हें समानता से वंचित कर रहे हैं. पीठ में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे. सुप्रीम कोर्ट ने बलात्कार-हत्या मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में देरी को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार से पूछा कि अस्पताल के पदाधिकारी क्या कर रहे थे? पीठ ने कहा कि ऐसा लगता है कि अपराध का पता सुबह-सुबह ही चल गया था, लेकिन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने इसे आत्महत्या बताने की कोशिश की.

कोलकाता कांड की सुनवाई करती सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पीठ.

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी और सवाल

- मेडिकल कॉलेज में जैसी बर्बरता हुई, उससे पूरा देश हिल गया है .
- **पीड़िता का नाम और तस्वीरें जाहिर कर उसकी गरिमा के साथ खिलवाड़ हुआ .**
- एफआईआर दर्ज होने में देरी क्यों हुई?
- **शव सौंपने के तीन घंटे 45 मिनट बाद एफआईआर क्यों?**
- माता पिता नहीं थे, तो अस्पताल प्रबंधन की जिम्मेदारी थी कि एफआईआर दर्ज कराएं?
- **पुलिस ने क्राइम सीन को प्रोटेक्ट क्यों नहीं किया?**
- क्राइम सीन पर हजारों लोगों को क्यों आने दिया?
- **क्या पीड़िता के माता पिता को देर से सूचना दी गई?**
- पीड़िता के माता पिता को शव सौंपने में देरी क्यों की गई?
- **प्रिंसिपल को दूसरे कॉलेज में ज्वाइन क्यों कराया गया?**

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने चिंता जताई

- हम डॉक्टरों, खास कर युवा और महिला डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं .
- **हम पीड़िता की पहचान उजागर होने को लेकर चिंतित हैं .**
- पीड़िता की तस्वीर और पोस्टमार्टम के बाद उसकी बॉडी दिखाना चिंताजनक है .
- **पीड़िता की तस्वीर और नाम सोशल मीडिया पर प्रसारित होना चिंतनीय है .**

हजारों लोगों की भीड़ अस्पताल में कैसे घुसी?

पीठ ने कोलकाता पुलिस को भी फटकार लगायी और पूछा कि हजारों लोगों की भीड़ आरजी कर मेडिकल कॉलेज में कैसे घुसी? अदालत ने सरकार से पूछा कि जब आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के प्राचार्य का आचरण जांच के घेरे में है, तो उन्हें तुरंत किसी दूसरे कॉलेज में कैसे नियुक्त कर दिया गया? कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार को प्रदर्शनकारियों पर बल का प्रयोग नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह राष्ट्रीय संशुद्धि का वक्त है. अदालत ने कहा कि ज्यादातर युवा डॉक्टर 36 घंटे काम करते हैं और कार्य स्थल पर सुरक्षित स्थितियां सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनाने की जरूरत है. सुप्रीम कोर्ट ने प्रदर्शनरत चिकित्सकों से काम पर लौटने की अपील करते हुए कहा कि उनकी चिंता को बहुत गंभीरता से लिया जा रहा है.

अदालत ने टास्क फोर्स गठित किया

सुप्रीम कोर्ट ने चिकित्सकों और स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा तथा सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को नौ सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन किया है. यह टास्क फोर्स तीन सप्ताह के भीतर अपनी अंतरिम रिपोर्ट और दो महीने के भीतर अंतिम रिपोर्ट अदालत को सौंपेगा. सीजेआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि महिला चिकित्सकों की रक्षा करना राष्ट्रीय हित का मामला है. जमीनी स्तर पर चीजें बदलने के लिए देश एक और दुष्कर्म की घटना का इंतजार नहीं कर सकता. अदालत ने कहा कि चिकित्सा पेशेवरों की सुरक्षा के लिए कानून हैं, लेकिन इसे बेहतर बनाने की जरूरत है.

टास्क फोर्स में कौन-कौन होंगे?

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित टास्क फोर्स में सर्जन वाइस एडमिरल आरके सरीन, एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल गैस्ट्रोलॉजी के प्रबंध निदेशक डॉ डी नागेश्वर रेड्डी, एम्स दिल्ली के निदेशक डॉ एम श्रीनिवास, निमहंस, बेंगलुरु की डॉ प्रतिमा मूर्ति, एम्स जोधपुर के डॉ. गोवर्धन दत्त पुरी, गंगाराम हॉस्पिटल के डॉ सौमित्र रावत, एम्स, दिल्ली की प्रो अनीता सक्सेना, मुंबई मेडिकल कॉलेज की प्रो डॉ पल्लवी सैपले, जेजे ग्रुप अस्पताल और पारस हॉस्पिटल, गुरुग्राम की चेयरपर्सन न्यूरोलॉजी डॉ पद्मा श्रीवास्तव शामिल हैं. केंद्र सरकार के कैबिनेट सचिव और गृह सचिव पदेन सदस्य होंगे.

दुष्कर्म के 32 साल पुराने मामले में छह को उम्रकैद

एजेंसी। जयपुर

अजमेर की एक विशेष अदालत ने 1992 के बहुचर्चित ब्लैकमेल व दुष्कर्म कांड में छह शेष आरोपियों को दोषी करार देते हुए मंगलवार को उम्र कैद की सजा सुनाई. इस बहुचर्चित कांड में अजमेर शहर की 100 से अधिक लड़कियों का यौन शोषण किया गया था. अभियोजन पक्ष के वकील वीरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की सुनवाई पॉक्सो कोर्ट में हो रही थी. न्यायाधीश रंजन सिंह ने छह आरोपियों को अपराध में शामिल होने का दोषी ठहराया और फैसला सुनाया. अदालत ने नफीस चिश्ती, नसीम उर्फ टार्जन, सलीम चिश्ती, इकबाल भाटी, सोहेल गनी और सैयद जमीर हुसैन सहित प्रत्येक आरोपी पर पांच-पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया. उल्लेखनीय है कि 1992 के इस बहुचर्चित प्रकरण में लड़कियों की अश्लील तस्वीरें खींच कर उन्हें ब्लैकमेल किया गया था. पुलिस के अनुसार इन तस्वीरों को सार्वजनिक करने की धमकी देकर 100 से अधिक लड़कियों का यौन शोषण किया गया. मामले में अजमेर के एक मशहूर निजी स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं को फार्म हाउस में बुलाया जाता था जहां उनके साथ दुष्कर्म किया जाता.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,500
चांदी (किलो)	87,000

ब्रीफ खबरें

कश्मीर में पहले चरण के चुनाव की अधिसूचना जारी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को अधिसूचना जारी कर दी. यहां पहले चरण में 24 सीटों पर 18 सितंबर को मतदान होगा. अधिसूचना जारी होने के साथ ही प्रत्याशियों के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है. पहले चरण के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 27 अगस्त है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 28 अगस्त को होगी.नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 30 अगस्त है.

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 27 तक बढ़ी

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले के सिलसिले में सीबीआई द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के एक मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत की अवधि मंगलवार को 27 अगस्त तक बढ़ा दी. विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने आप के नेता केजरीवाल की न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर, उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत के समक्ष पेश किए जाने के बाद उनकी हिरासत अवधि 27 अगस्त तक बढ़ा दी.

एमपी में सड़क हादसा सात लोगों की मौत

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में मंगलवार सुबह एक ऑटो-रिक्शा सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया. इस हादसे से एक वर्षीय बच्चे समेत सात लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य लोग घायल हो गए. यह दुर्घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र में उस समय हुई, जब ऑटो-रिक्शा सुबह करीब पांच बजे खजुराहो-झांसी राजमार्ग पर बागेश्वर की ओर जा रहा था. एसपी अगम जैन ने बताया कि ऑटो-रिक्शा में 13 लोग सवार थे.

बदलापुर प्रदर्शन: 10 ट्रेनों का मार्ग बदला

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक स्कूल में दो बच्चियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न की घटना को लेकर बदलापुर स्टेशन पर रेल रोको प्रदर्शन की वजह से लंबी दूरी की 10 ट्रेन के मार्ग में बदलाव किया गया है. मध्य रेलवे ने यह जानकारी दी.

बैकफुट पर चंपाई सोरेन! कहा- गुरुजी मेरे लिए भगवान से बढ़ कर

दिल्ली में किसी भाजपा नेता से मुलाकात नहीं हुई

कौशल आनंद। रांची

डैमेज कंट्रोल पॉलिसी के तहत चंपाई के करीबी विधायक हेमंत से मिले

झारखंड की सियासी फिजा में तीन दिनों से जारी राजनीतिक उठापठक और उहापोह से अब पर्दा उठता नजर आ रहा है. पूर्व सीएम एवं मंत्री चंपाई सोरेन द्वारा मंगलवार को दिया गया बयान गौर करने लायक है. चंपाई ने दिल्ली में मीडिया द्वारा पूछे गये सवाल के जवाब में उन्होंने कहा है कि दिल्ली में किसी भी भाजपा नेता से उनकी मुलाकात नहीं हुई. हम अपने निजी काम से दिल्ली आये थे.

जब चंपाई सोरेन से उनके एक्स पर डाले गये पोस्ट के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मुझे पोस्ट करना नहीं आता, उसके लिए लड़का रखे हुए हैं. हां, अपमान हुआ था, लेकिन वो दर्द मेरा निजी है. लेकिन, कभी किसी विधायक को पार्टी छोड़ने या तोड़ने को नहीं कहा. ऐसा करने की मैं सोच भी नहीं सकता. इसके साथ ही चंपाई ने कहा कि शिबू सोरेन मेरे लिए भगवान से बढ़ कर हैं. उनके बारे में किसी के मुंह से कुछ भी गलत नहीं सुन सकता. वहीं, भाजपा ज्वाइन करने के सवाल पर कहा कि कौन ये सब अफवाह फैला रहा है, हमको नहीं पता है. चंपाई के इस बयान से तो यही प्रतीत हो रहा है कि वह बैकफुट पर आ गए हैं, लेकिन फिलहाल, आगे कोई खेल बाकी है या नहीं, यह देखने वाली बात होगी.

दिल्ली में मीडिया से रू-ब-रू पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन.

अभी देखिए आगे क्या-क्या होता है : लोबिन

इस पूरे प्रकरण को हवा देने वाले झामुमो के निष्कासित एवं विधानसभा की सदस्यता खो चुके पूर्व विधायक लोबिन हेंब्रम ने कहा कि हां हमने कहा था कि हमलोग जाएंगे, मगर अभी चंपाई दा से बातचीत नहीं हो पायी है. बातचीत होने के बाद ही कुछ कह पाएंगे. खुद के भाजपा में जाने के सवाल पर लोबिन ने कहा कि अभी देखिए आगे क्या-क्या होता है.

हेमंत से मिले रामदास, मोहंती, कालिंदी व सरदार, लंबी वार्ता हुई

इधर मंगलवार को तेजी से बदलते राजनीतिक घटनाक्रम के बीच चंपाई सोरेन के करीबी घाटशिला विधायक रामदास सोरेन, बहरागोड़ा विधायक समीर मोहंती, जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी और पोटका विधायक संजीव सरदार रांची स्थित मुख्यमंत्री निवास में सीएम हेमंत सोरेन से मिले. इनके बीच करीब दो घंटे से अधिक समय तक वार्ता हुई. विधायकों ने दोपहर का भोजन भी मुख्यमंत्री आवास पर सीएम हेमंत के साथ ही किया.

विधायकों ने कहा- झामुमो से बाहर जाने का सवाल ही नहीं

मुख्यमंत्री निवास से वार्ता के बाद विधायकों ने एक स्वर में कहा कि झामुमो से बाहर जाने का सवाल ही नहीं उठाता है. विधायक समीर मोहंती ने कहा कि हम मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ है. उनके अलावा झामुमो के अन्य तीन विधायकों की भी सीएम के साथ बातचीत हुई. उन्होंने कहा कि मेरी कभी भी भाजपा के साथ जाने की बात नहीं हुई थी. चंपाई सोरेन कहां जा रहे हैं, क्या कर रहे हैं, यह उनका निजी फैसला है. मुझे इससे कुछ लेना देना नहीं है. वहीं, रामदास सोरेन ने कहा कि वह अपने क्षेत्र की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने आए थे. उन्होंने भी कहा कि झामुमो से बाहर जाने का सवाल ही नहीं उठाता है.

मोदी व राहुल ने राजीव गांधी को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. मोदी ने ''एक्स'' पर एक पोस्ट में कहा, उनकी जयंती को सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जाता है. वहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती के अवसर पर कहा कि वह उन सपनों को पूरा करेंगे, जो उनके पिता ने भारत के लिए देखे थे. उन्होंने वीर भूमि जाकर राजीव गांधी की समाधि पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए.

भारत बंद आज, झामुमो कांग्रेस व राजद का समर्थन

विशेष संवाददाता। रांची

- एसटी-एससी आरक्षण में क्रीमी लेयर का हो रहा विरोध

आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति द्वारा एसटी-एससी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के खिलाफ बुधवार को भारत बंद का ऐलान किया गया है. बंदी सुबह छह बजे से रात्रि आठ बजे तक रहेगी.

मालूम हो विगत दिनों सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को एसटी-एससी आरक्षण में क्रीमी लेयर बनाने को कहा था. इस फैसले के खिलाफ देशभर में कई राजनीतिक दल, सामाजिक संगठनों एवं बहुसंख्यक समाज लोगों के बीच आक्रोश है. भारत बंद का झारखंड में भी विभिन्न राजनीतिक दलों एवं संगठनों ने समर्थन किया है. झामुमो ने भारत बंद का सक्रिय रूप से समर्थन देने का निर्णय लिया है. पार्टी महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का निर्णय एसटी-एससी वर्ग के उत्थान एवं मजबूती के मार्ग में बाधक है. उन्होंने पार्टी के केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों, जिला अध्यक्ष, जिला सचिवों एवं जिला संयोजकों को निर्देश दिया है कि बंद में शामिल होकर सक्रिय रूप से इसका समर्थन करें. राजद और कांग्रेस ने भी बंद का समर्थन किया है. प्रदेश राजद महासचिव कैलाश यादव ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर भारत बंद के समर्थन का फैसला लिया गया है.

कंज्यूमर आईडी से मोबाइल नंबर टैग करा लें

जरूरी खबर

विशेष संवाददाता। रांची

- एक सितंबर से लगे स्मार्ट मीटर होने शुरू हो जाएंगे प्री-पेड
- जेबीवीएनएल ने व्हाट्स ऐप नंबर 9431135503 जारी किया

जेबीवीएनएल ने रांची शहरी उपभोक्ताओं के लिए एडवाइजरी जारी की है. कहा गया कि रांची शहर में लगे स्मार्ट मीटर एक सितंबर से प्री-पेड मोड पर काम करना शुरू करे देंगे. यानी कि इसके बाद आपको बिजली खपत करने के लिए रिचार्ज कराना होगा. इसलिए हर हाल में निजदीकी बिजली कार्यालय में जाकर अपने कंज्यूमर आईडी से अपना मोबाइल नंबर टैग करा लें, ताकि उपभोक्ताओं को जेबीवीएनएल की नई सेवाएं एसएमएम एवं व्हाट्स ऐप की सुविधा का लाभ मिल सके. इतना ही नहीं जेबीवीएनएल के निकटवर्ती बिजली कार्यालय में उपभोक्ता सिक्यूरिटी डिपॉजिट की रसीद को अपडेट भी करा सकते हैं.

इनकी ले सकते हैं मदद : जारी एडवाइजरी में कहा गया कि शहरी क्षेत्र के उपभोक्ता बिजली बिल समेत बिजली संबंधी अन्य जानकारी व्हाट्स ऐप नंबर 9431135503 पर ले सकते हैं. वहीं, जेबीवीएनएल के पास जिन उपभोक्ताओं का रजिस्टर्ड व्हाट्सएप नंबर है, उन्हें व्हाट्स ऐप मैसेज के जरिये इसकी जानकारी दे दी गयी है. किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उपभोक्ता टॉल फ्री नंबर 1912 या 18003456570 या 0651-2710002 पर संपर्क कर सकते हैं.

फैसला कार्मिक राज्यमंत्री ने यूपीएससी को लेटरल एंट्री से संबंधित विज्ञापन रद्द करने का निर्देश दिया

लेटरल एंट्री मामले में सरकार का यू टर्न, विज्ञापन रद्द

- सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए समीक्षा और सुधार की आवश्यकता

एजेंसी। नयी दिल्ली

लेटरल एंट्री के जरिए 45 संयुक्त सचिवों, निदेशकों और उप सचिवों की भर्ती के निर्णय के भारी विरोध के बाद केंद्र सरकार ने यू टर्न ले लिया है. जारी विवाद के बीच सरकार ने मंगलवार को नौकरशाही में लेटरल एंट्री से संबंधित नवीनतम विज्ञापन वापस लेने का यूपीएससी को निर्देश दिया है. यूपीएससी लेटरल एंट्री के जरिए सीधे उन पदों पर उम्मीदवारों की नियुक्ति करता है, जिन पर आईएएस के अधिकारियों की तैनाती होती है. इस व्यवस्था के तहत निजी क्षेत्रों के अलग-अलग पेशे के विशेषज्ञों को विभिन्न मंत्रालयों व विभागों में सीधे संयुक्त सचिव और निदेशक व उप सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है.

केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी की अध्यक्ष प्रीति सूदन को पत्र लिख कर विज्ञापन रद्द करने को कहा, ताकि कमजोर वर्गों को सरकारी सेवाओं में उनका उचित प्रतिनिधित्व मिल सके. उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, इस कदम की समीक्षा और सुधार की आवश्यकता है. यह कदम सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति होगा. बता दें कि यूपीएससी ने 17 अगस्त को लेटरल एंट्री के माध्यम से 45 संयुक्त सचिवों, निदेशकों और उप सचिवों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की थी.

भाजपा की साजिशों को नाकाम करेंगे : राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लेटरल एंट्री से जुड़ा विज्ञापन निरस्त करने संबंधी केंद्र सरकार के फैसले के बाद मंगलवार को कहा कि वह संविधान और आरक्षण व्यवस्था की हर कीमत पर रक्षा करेंगे तथा भाजपा की लेटरल एंट्री जैसी साजिशों को हर हाल में नाकाम करके दिखाएंगे. राहुल ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, मैं एक बार फिर कह रहा हूं - 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को तोड़ कर हम जातिगत गिनती के आधार पर सामाजिक न्याय सुनिश्चित करेंगे.

कांग्रेस ने रिजर्वेशन का ध्यान नहीं रखा था : वैष्णव

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कांग्रेस नेताओं से सवाल किया, 2014 से पहले यूपीए की सरकार में रिजर्वेशन के प्रिंसिपल्स का कोई ध्यान नहीं रखा जाता था. फाइनेंस सेक्रेटरी लेटरल एंट्री से लिए जाते थे. डॉ मनमोहन सिंह, डॉ मोंटेक सिंह अहलूवालिया और उससे पहले डॉ विजय केलकर भी लेटरल एंट्री से ही फाइनेंस सेक्रेटरी बने थे. क्या कांग्रेस ने उस वक्त रिजर्वेशन के प्रिंसिपल का ध्यान रखा था? यूपीएससी में लेटरल एंट्री से ट्रांसपेरेंसी लाई जा रही थी.

ट्राई ने टेलीमार्केटर पर शिकंजा कसा

एक सितंबर से अनधिकृत संदेश सेवा प्रसारण पर रोक

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने मंगलवार को बार-बार कॉल कर परेशान करने वाले टेलीमार्केटर पर रुख सख्त अपनाया और दूरसंचार कंपनियों को मैसेजिंग सेवाओं का दुरुपयोग रोकने और उपभोक्ताओं को फर्जीवाड़े से बचाने के लिए विशेष उपाय करने का निर्देश दिया. दूरसंचार नियामक ने यह कहा कि एक सितंबर से सभी दूरसंचार कंपनियों को यूआरएल, ओटीटी लिंक या उन कॉल बैक नंबर वाले संदेशों के प्रसारण से रोक दिया जाएगा, जिन्हें प्रेषकों ने अधिकृत नहीं किया है.

ट्राई ने अनिवार्य किया है कि एक नवंबर से प्रेषक से लेकर प्राप्तकर्ता तक सभी संदेशों के स्रोत का पता लगाया जा सकेगा. इस क्रम में अपरिभाषित या बेमेल टेलीमार्केटर श्रृंखला वाला कोई भी संदेश अस्वीकार कर दिये जाएंगे. ट्राई का यह कदम इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि नियामक ने दूरसंचार ग्राहकों को प्रचार के लिए कॉल और संदेश भेजने वाले अनधिकृत टेलीमार्केटिंग कंपनियों पर नकेल कसने की दिशा में पहल की है. पिछले सप्ताह ट्राई ने दूरसंचार कंपनियों को स्पैम कॉल करने वाले गैर पंजीकृत टेलीमार्केटर के सभी दूरसंचार संसाधनों का कनेक्शन काटने और दो साल तक के लिए ब्लैक लिस्ट में डालने का निर्देश दिया था. अब ट्राई ने संदेश सेवाओं का दुरुपयोग रोकने और उपभोक्ताओं को धोखाधड़ी के व्यवहार से बचाने के लिए उपायों को लागू करने के निर्देश जारी किए हैं.

ब्रीफ खबरें

शिवराज और हिमंता 25 को आएंगे रांची

रांची। भाजपा के फायरब्रांड नेता सह झारखंड के चुनाव प्रभारी सह केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान 22 अगस्त को रांची आएंगे. वहीं असम के सीएम सह झारखंड भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा 25 अगस्त को रांची आएंगे.

लैंड स्कैम: अमित ने ईडी कोर्ट से मांगी बेल

रांची। सेना के कब्जे वाली जमीन के फर्जी दस्तावेज के सहारे खरीद-बिक्री से जुड़े लैंड स्कैम के आरोपी अमित अग्रवाल ने रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के स्पेशल कोर्ट में जमानत की गुहार लगाई है. ईडी ने इस संबंध में कांड संख्या 01/2023 दर्ज किया है. दरअसल लैंड स्कैम की अब तक की जांच में अमित अग्रवाल, दिलीप घोष, रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, बड़ागाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, कथित रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान व मोहम्मद सद्दाम की गिरफ्तारी हो चुकी है. सभी आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं.

मुन्ना और शाहजादा को उम्र कैद की सजा

रांची। रांची सिविल कोर्ट ने तमजीद अंसारी हत्याकांड के दोषियों मुन्ना बंगाली और मोहम्मद शाहजादा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. इसके साथ ही अदालत ने दोनों दोषियों पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है. अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माने की राशि नहीं देने पर दोषियों को छह महीने की अतिरिक्त कारावास भुगतनी होगी. इस केस का दोषी मुन्ना बंगाली 29 मई 2018 से लगातार जेल में ही है. दरअसल 19 मई 2018 को हिंदपीढ़ी निवासी तमजीद अंसारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. मृतक के बेटे रहमान अंसारी ने हिंदपीढ़ी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी. मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 10 गवाहों को प्रस्तुत किया गया था.

उपाध्यक्ष सॉलोमन ने दिया आश्वासन

रांची। निर्मला कॉलेज डोरंडा में झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष प्राणेश सॉलोमन की अध्यक्षता में बैठक हुई. इसमें अल्पसंख्यक महाविद्यालयों में की विभिन्न समस्याओं को उपाध्यक्ष के समक्ष रखा गया. खास कर अल्पसंख्यक महाविद्यालयों में दाखिले में आ रही समस्या को रखा गया. उन्होंने आश्वासन दिया की समस्याओं का समाधान किया जाएगा. बैठक में संत जेवियर्स कॉलेज, निर्मला कॉलेज, गोस्सनर कॉलेज, अल्बर्ट कॉलेज के शिक्षक आदि शामिल थे.

डीजीपी ने कानून व्यवस्था सहित अपराध नियंत्रण के महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की

अपराधियों-उग्रवादियों के खिलाफ आरोप पत्र शीघ्र समर्पित किए जाएं

सौरभ सिंह। रांची

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने राजधानी रांची समेत राज्यभर में कानून व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए मंगलवार को पुलिस अधिकारियों संग बैठक कर एक-एक मामले की समीक्षा की. डीजीपी ने खास कर अपराध, नक्सल गतिविधियां, वाहनों में आगजनी समेत नौमहत्वपूर्ण बिंदुओं पर समीक्षा की. समीक्षा बैठक में शामिल राज्य भर के जिलों के एसपी, रेंज डीआईजी और जोनल आईजी को डीजीपी ने अपराध और नक्सल गतिविधियों पर अंकुश लगाने का दिशानिर्देश दिया.

लेवी- रंगदारी वसूली को लेकर कितनी संपत्ति का नुकसान पहुंचाया : डीजीपी ने बैठक में जानकारी हासिल की कि एक जनवरी 2024 से अब तक राज्य के विभिन्न जिलों में रंगदारी व लेवी वसूलने के उद्देश्य से अपराधियों और उग्रवादियों द्वारा कितनी संपत्ति का नुकसान किया गया. जिस जिले में इस तरह की घटनाएं हुई हैं, वहां के एसपी ने जानना चाहा कि क्या घटना के पूर्व किसी तरह की लेवी वसूली की मांग फोन या अन्य माध्यम से की गई थी. इस तरह के दर्ज कांड में कितने लोगों को गिरफ्तार किया गया है. दर्ज कांड में कितने अपराधियों और उग्रवादियों के खिलाफ आरोप पत्र समर्पित किया गया है. इनमें से कितने आरोपी फरार हैं और क्या फरार अपराधियों -उग्रवादियों के विरूद्ध वारंट और कुर्की जब्ती की कार्रवाई हुई है या नहीं.

समीक्षा बैठक करते डीजीपी अनुराग गुप्ता.

सभी जिला के एसपी तय करें- हर पुलिसकर्मी वर्दी पर नेम प्लेट लगाएं

डीजीपी ने राज्य के कुख्यात नक्सलियों और अपराधियों पर घोषित पुरस्कार राशि की समीक्षा की. उन्होंने जिले के एसपी से जानना चाहा कि कुख्यात नक्सलियों पर रिवॉर्ड घोषित करने का प्रस्ताव भेजा गया है या नहीं. और नहीं भेजा गया, तो आखिर क्यों. जिले के पुलिसकर्मियों द्वारा वर्दी पहनने व उस पर नेम प्लेट लगाने के बारे में भी जानकारी ली. डीजीपी ने कहा कि सभी एसपी सुनिश्चित करें कि जिले में तैनात सभी पुलिसकर्मी निश्चित रूप से वर्दी पर नेम प्लेट लगाएं. थाना प्रभारी, एसपी के कार्यालय में प्रतिनियुक्त जवान,मुंशी, टाइपिस्ट नियमित रूप से वर्दी के साथ नेम प्लेट लगाएं. आदेश उन क्षेत्रों में लागू नहीं होगी, जहां भीषण नक्सल समस्या है.

महिला थानों की समीक्षा खुद करेंगे

डीजीपी ने कहा, महिला थानों की समीक्षा उनके स्तर से की जाएगी. महिला थाना में महिला थाना प्रभारी की प्रतिनियुक्ति होगी. महिला थाना चलाने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध है या नहीं, यदि नहीं तो क्या कोई वैकल्पिक व्यवस्था की जा सकती है. महिला थाना के लिए हाजत की आवश्यकता नहीं है. महिला थाना में एक ऐसा स्थान उपलब्ध हो, जहां अपराध पीड़ित महिलाएं अपनी शिकायत आसानी से दर्ज करा सकें. महिला थाना में नियमित रूप से महिला अपराध से संबंधित प्राथमिकी दर्ज हो रही या नहीं, इसकी भी डीजीपी ने जानकारी ली.

पूछा, क्या है एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग थाने की स्थिति

डीजीपी ने एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग थाना की समीक्षा की. जानना चाहा कि थाना कारगर रूप से कार्य कर रहा या नहीं. थाने में नियमित रूप से प्राथमिकी दर्ज हो रही या नहीं. डीजीपी ने जिले के एसपी से जानना चाहा कि जिले में साइबर थाना कारगर रूप से कार्य कर रहे हैं या नहीं. डायल 1930 के उपयोग की जानकारी साइबर थाना के अधिकारियों को है या नहीं.

छह शहरों में ट्रैफिक व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी ली

रांची, धनबाद, बोकारो, जमशेदपुर, देवघर और पलामू जिले की ट्रैफिक व्यवस्था की भी डीजीपी ने समीक्षा की. उन्होंने जिले के एसपी से जानकारी ली कि उनके शहर में ट्रैफिक सिग्नल हैं या नहीं. यदि हैं, तो ट्रैफिक सिग्नल रूप से काम कर रही हैं या नहीं. ट्रैफिक में पर्याप्त जवानों की प्रतिनियुक्ति, ट्रैफिक जवानों को पुलिस ट्रेनिंग देने, कर्मियों द्वारा चालान काटा जा रहा है, तो किस रूप में चालान की वसूली की जा रही है.

ऑनलाइन दर्ज प्राथमिकी पर हुई कार्रवाई का जानकारी ली | डीजीपी ने झारखंड ऑनलाइन प्राथमिकी की समीक्षा की. उन्होंने पूछा कि ऑनलाइन दर्ज प्राथमिकी पर कार्रवाई संबंधित थाना द्वारा नियमित रूप से की जा रही है या नहीं. थानेदार द्वारा इन दिनों में प्राप्त ऑनलाइन शिकायत पर बीएनएसएस के प्रावधान के अनुरूप कार्रवाई की जा रही है या नहीं.

112 पर प्रतिदिन कितनी शिकायतें दर्ज होती हैं : डीजीपी ने डायल 112 की भी समीक्षा की. उन्होंने जानना चाहा कि 112 पर प्रतिदिन कितनी शिकायतें दर्ज होती हैं. रिपोर्ट की समीक्षा किसी अधिकारी द्वारा की जाती है या नहीं. डायल 112 पर आ रही शिकायतों को नियमित रूप से संबंधित पुलिस अधिकारियों तक भेजा जा रहा है या नहीं.

झारखंड के हर जिले के थानों में 83 केस पेंडिंग

संवाददाता। रांची

झारखंड के हर जिले के पुलिस थानों में औसतन 83 केस अनुसंधान के लिए लंबित हैं. झारखंड पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य के 606 थानों में 50,184 केस पेंडिंग हैं. रांची में सबसे अधिक 11,943, धनबाद में 5,110, हजारीबाग में 4,416 और बोकारो में 4,000 केस अनुसंधान के लिए लंबित पड़े हैं. केस पेंडिंग होने के कारण ट्रायल नहीं हो पा रहा है.

जानें किस जिले में अनुसंधान के लिए कितने केस लंबित

रांची	11943	चतरा	1759
खूंटी	437	गिरिडीह	2004
गुमला	700	धनबाद	5110
सिमडेगा	210	बोकारो	4000
लोहरदगा	533	दुमका	1100
चाईबासा	839	गोड्डा	808
सरायकेला	1184	जामताड़ा	544
जमशेदपुर	2700	देवघर	2613
पलामू	2642	साहिबगंज	1539
लातेहार	1030	पाकुड	456
गढ़वा	1770	रेल जमशेदपुर	128
हजारीबाग	4416	रेल धनबाद	361
रामगढ़	809	कुल	50184
कोडरमा	549		

अवैध खनन मामला : पंकज मिश्रा ने फिर जमानत याचिका दाखिल की

संवाददाता। रांची

साहिबगंज में अवैध खनन के जरिये अकूत संपत्ति अर्जित करने के आरोपी पंकज मिश्रा ने रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) कोर्ट से जमानत की गुहार लगायी है. पंकज मिश्रा की याचिका पर 27 अगस्त को सुनवाई होगी. इससे पहले भी पंकज मिश्रा इसी केस में रांची ईडी कोर्ट से बेल मांग चुके हैं, लेकिन कोर्ट ने उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी थी. इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया था. लेकिन वहां से भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली थी. बता दें कि सीएम के तत्कालीन विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा को ईडी ने जुलाई 2022 में गिरफ्तार किया था. जांच के दौरान ईडी पंकज मिश्रा, दाहू यादव और उनके सहयोगियों के 37 बैंक खातों में जमा 11.88 करोड़ भी जब्त कर चुकी है. इतना ही नहीं ईडी ने साहिबगंज, बरहेट, राजमहल, मिर्जा चौकी और बरहरवा में 19 स्थानों पर तलाशी ली थी. इस दौरान कई दस्तावेज और 5.34 करोड़ नकद जब्त की थी.

विस चुनाव का लेकर राजद की विशेष समिति ने बैठक कर बनाई रणनीति

राजद मजबूती से बूथ कमेटी बनाएगा

- द.छो में पांच-छह सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है राजद

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल की विशेष समिति की दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के सभी जिलों की बैठक मंगलवार को रांची जिला राजद अध्यक्ष धर्मेंद्र महतो की अध्यक्षता में हुई. मौके पर विशेष समिति ने रांची, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा तथा खूंटी जिला की ज्वलंत समस्याओं पर विचार विमर्श कर इसे दूर करने के लिए पहल करने की बात कही. कहा गया कि जनसमस्याओं को पार्टी के मैनिफेस्टो जोड़ा जाएगा. सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर राष्ट्रीय जनता दल मजबूती से बूथ कमेटी का गठन करेगा. दक्षिणी छोटानागपुर से राष्ट्रीय जनता दल कम से कम पांच-छह सीट पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है.

राजद नेताओं ने बताया कि राज्य में बॉक्साईट आधारित उद्योग की स्थापना करने, एचईसी को पुनः चालू कराने और आरक्षण का पूर्ण समर्थन का निर्णय लिया गया. कई जिलों में ओबीसी का आरक्षण शून्य कर दिया गया है, जिसका राजद जोरदार विरोध करता है, इसे चुनावी घोषणा पत्र में शामिल किया जायेगा. राष्ट्रीय जनता दल ने एसटी - एससी, ओबीसी आरक्षण को लेकर कल की बंदी का समर्थन देने का निर्णय लिया है. विशेष समिति के संयोजक गिरधारी गोप, सदस्य आबिद अली का स्वागत किया गया.

बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष अनिता यादव, युवा प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव, महासचिव मनोज पांडे, प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार, महासचिव कैलाश यादव, ज्ञानेश्वर यादव, सचिव रामकुमार यादव, अनिल शर्मा, कैसर जहां, महानगर अध्यक्ष कमलेश यादव, शलील अंसारी, मो गफ्फार, अर्जुन यादव, मनोज अग्रवाल, रामभजन सिंह, प्रणव कुमार बब्लू, इम्तियाज हुसैन वारसी, यशवंत यादव, कमलेश कुमार, सूरज कुमार राय, राम प्यारे यादव, निरंजन महतो, दिनेश बारला (जिलाध्यक्ष सिमडेगा), सहजादा अनवर (जिलाध्यक्ष खुटी) समेत कई दल के पदधारियों ने अपने विचार रखे.

बैठक की अध्यक्षता करते रांची जिला राजद अध्यक्ष व अन्य.

आजसू का चूल्हा प्रमुख सम्मेलन: नेतृत्वकर्ता तैयार करना पार्टी का उद्देश्य

सरकार के भाषण और शासन में फर्क : सुदेश

- हमारी पार्टी की एक जवाबदेह राजनीति की तैयारी में जुटी है

संवाददाता। रांची/जुगसलाई

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा है कि राज्य के युवाओं को हर साल पांच लाख नौकरी, स्थानीय, नियोजन और विस्थापन नीति बनाने का वादा करने वाली सरकार ने अपने वादों को भुला कर जनता को ठगा है. इनके भाषण और शासन में फर्क है. चुनाव के समय अपनी कथनी में कई लोकलुभावन वादें करने वाली सरकार की करनी में अंतर जनता देख रही है. राज्य का विकास नहीं अपने परिवार का विकास ही इनकी प्राथमिकता रही है. डेवेलपमेंट जेएमएम के करैक्टर में ही नहीं. वे काटिन में आयोजित जुगसलाई विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह में बोल रहे थे. मौके पर उपस्थित हजारों चूल्हा प्रमुखों ने अपने पद और दायित्व की शपथ ली. इस दौरान जेएमएम समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण की.

शपथ ग्रहण समारोह में आजसू प्रमुख सुदेश महतो व अन्य.

नया नेतृत्व तैयार करना हमारा उद्देश्य

सुदेश ने कहा कि चूल्हा प्रमुख की अवधारणा वोट की राजनीति करने वाले लोगों के समझ से परे है. चूल्हा पर मुख्य रूप में नया नेतृत्व तैयारी करना हमारा उद्देश्य है. एक जवाबदेह राजनीति की तैयारी हमारी है. जुगसलाई के हर परिवार ने झारखंड आंदोलन में अहम भूमिका निभाई थी. पांच साल पहले जनता ने सोचा था कि क्षेत्रीय सरकार आएगी तो उनकी समस्याओं का समाधान करेगी लेकिन उन्होंने जनता की समस्याओं और तकलीफों को और बढ़ाने का काम किया है.

सभी चूल्हा प्रमुखों की भूमिका अहम

पार्टी के प्रधान महासचिव रामचन्द्र सहिस ने कहा कि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन के लिए सभी चूल्हा प्रमुखों की भूमिका अहम है. राज्य समेत जुगसलाई की जनता भी पिछले पांच साल में सरकार द्वारा किए गए कार्यों से त्रस्त है. पार्टी के सभी चूल्हा प्रमुख जुगसलाई को अराजकता के अंधेरे से बाहर निकाल कर विकास के उजियारे की ओर ले जाने का कार्य करेंगे. जुगसलाई की जनता फिर से क्षेत्र को विकास की पटरी पर ले जाने के लिए तैयार है. सरकार की हर वादाख़िलाफियों का जवाब इन्हें जनता अपने मत से देगी.

राज्यपाल ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से की मुलाकात

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की. इस दौरान राज्यपाल ने झारखंड में कृषि के क्षेत्र में विभिन्न संभावनाओं पर चर्चा की. राजभवन ने इसे शिष्टाचार भेंटवार्ता बताया है.

प्रमोशन अधिकार नहीं, लेकिन यह तब मिलता है, जब जूनियर के प्रमोशन पर विचार किया हो : हाईकोर्ट

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने हाल ही में सुनाए अपने एक फैसले में कहा कि पदोन्नति (प्रमोशन) किसी कर्मचारी का जन्मजात अधिकार नहीं है, लेकिन इस पर विचार किये जाने का अधिकार तब जरूर पैदा होता है, जब जूनियर के प्रमोशन पर विचार किया गया हो. दरअसल दया राम (याचिकाकर्ता) ने रिट याचिका दायर कर उनकी सहायक अभियंता पद पर पदोन्नति के लिए समीक्षा करने का निर्देश देने की मांग की थी. याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि पदोन्नति के पात्र होने के बावजूद

उनकी वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) नहीं होने के कारण उनके आवेदन पर विचार नहीं किया गया, जिससे विभागीय पदोन्नति समिति उनके मामले का मूल्यांकन करने से वंचित रह गयी.

सहायक अभियंता की ओर से बहस कर रहे अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि एसीआर को बनाये रखने की जिम्मेदारी राज्य सरकार और संबंधित विभाग की है, कर्मचारी की नहीं. इसलिए उन्हें तब से पदोन्नति दी जानी चाहिए, जिस दिन से उनके कनिष्ठों (जूनियर) को पदोन्नत किया गया था. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपक रौशन के कोर्ट में हुई. सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि यदि कोई अन्य कानूनी बाधा नहीं है, तो याचिकाकर्ता को सहायक अभियंता के पद पर तब से पदोन्नति दी जाए, जिस तिथि को उसके जूनियर को सहायक अभियंता पद पर पदोन्नत किया गया है.

डॉ मेघा राष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद की स्टेट चेयरमैन बनीं

रांची। राष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद ने रांची की लेखिका डॉ मेघा रानी को झारखंड प्रदेश का स्टेट चेयरमैन बनाया है. उनके सामाजिक कार्यों और लेखन प्रतिभा को देखते हुए उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेवारी सौंपी गयी है. इस संबंध में राष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद ने अधिकारिक रूप से चिट्ठी जारी कर दी है. डॉ मेघा की देखरेख में जल्द ही राज्यभर में एक टीम का गठन किया जाएगा, जो राज्य के लोगों के मानवाधिकार की लड़ाई लड़ेंगे और उनके अधिकार का हक दिलाएंगे. इस टीम में 70 से अधिक लोगों का चयन किया जाएगा, जो अलग- अलग क्षेत्र में कार्यरत होंगे. नियुक्ति के बाद डॉ मेघा रानी ने कहा कि झारखंड प्रदेश का स्टेट चेयरमैन बनने के बाद उनकी प्राथमिकता रहेगी कि राज्य के जनता के अधिकारों की सुरक्षा निश्चित करूंगी. इसमें शासन, प्रशासन और मानवाधिकार आयोग से सहयोग की अपेक्षा है. मानवाधिकार से संबंधित राज्य के किसी भी निवासी को जरूरत पड़ेगी, तो हमारी टीम बड़ी मजबूती के साथ काम करेगी. आम नागरिक अपनी समस्याएं और परेशानी बता सकते हैं, इसके लिए जल्द ही टॉल फ्री नंबर जारी किये जाएंगे.

क्लासिफाइड

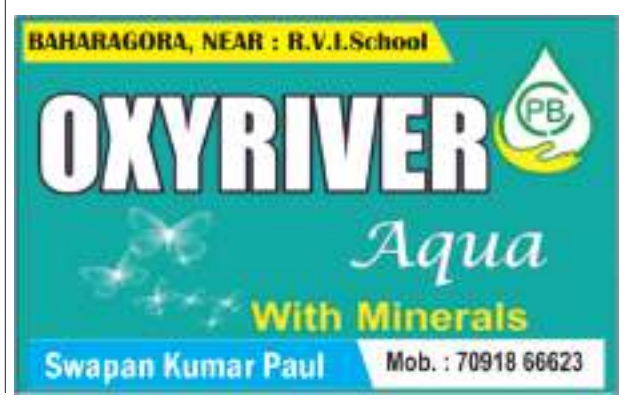

मिला निर्देश | विस चुनाव में हर नेता-कार्यकर्ता को बूथ स्तर पर तैयार करें

नवनियुक्त प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मिले वेणुगोपाल से

विशेष संवाददाता। रांची

झाखंड प्रदेश के नवनियुक्त अध्यक्ष केशव महतो कमलेश मंगलवार को दिल्ली में संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल से मिले. उन्होंने संगठात्मक पहलुओं से उन्हें अवगत कराया. केसी वेणुगोपाल ने उन्हें बधाई दी और कहा कि सबको मिलकर संगठन मजबूत करना है. कांग्रेस पार्टी के नीति सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाना है. आगामी विधानसभा चुनाव में हर नेता, हर कार्यकर्ता को बूथ स्तर तक मजबूती से तैयारी करना है.

झाखंड प्रदेश के नवनियुक्त अध्यक्ष केशव महतो कमलेश व अन्य.

राज्य सरकार की योजनाएं मील का पत्थर साबित होंगी

- संगठन की मजबूती के लिए हर नेता और कार्यकर्ता से संवाद करें

केशव महतो कमलेश ने भरोसा जताते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी झारखंड के जल जंगल जमीन व जनजाति समुदाय समेत सभी वर्गो के अधिकार के प्रति पूर्ण समर्पित है. सरकार द्वारा चलाये जा रहे मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना, सर्वजन पेंशन योजना, 200 यूनिट बिजली मुफ्त, कृषि लोन माफ जैसे योजना आने वाले विधानसभा चुनाव में मील का पत्थर साबित होगा और पार्टी के एक-एक कार्यकर्ताओं एवं नेता का सम्मान में कमी नहीं होगी. संगठन की मजबूती के लिए हर कार्यकर्ता एवं नेताओं से संवाद स्थापित किया जायेगा. चूंकि विधानसभा चुनाव नजदीक है. इसलिए सबों का मिलकर युद्ध स्तर पर कार्य करना है। मुलाकात करने वालों में कृषि विपणन अध्यक्ष रविन्द्र सिंह, मदन मोहन शर्मा शामिल थे.

तापमान
30.6° अधिकतम | 23.0° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 21 अगस्त 2024 ● भाद्रपद कृष्ण पक्ष 02, संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 133 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

प्रस्ताव तैयार : उच्च एवं तकनीकी शिक्षा को पारदर्शी, जवाबदेह एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने की कवायद

झारखंड में स्टेट फैकल्टी डेवलपमेंट अकादमी की होगी स्थापना

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा को पारदर्शी, जवाबदेह और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए झारखंड में स्टेट फैकल्टी डेवलपमेंट अकादमी का गठन किया जाएगा. उच्च शिक्षा विभाग ने इसका प्रस्ताव तैयार कर लिया है. इसके लिए अगले पांच साल तक की योजना बनाई गई है. इस अकादमी के संचालन के लिए अगले पांच साल में अनुमानित खर्च 24 करोड़ 37 लाख 53 हजार 721 रुपये होगा. इस अकादमी के शेयर होल्डर शिक्षा और वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव या सचिव के साथ नौ विश्वविद्यालयों के कुलपति होंगे. इनमें रांची विश्वविद्यालय, कोल्हान विश्वविद्यालय, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, सिदो-कान्हू विश्वविद्यालय, नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय, विनोद बिहारी महतो विश्वविद्यालय, डीएसपीएमयू रांची, जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय और झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के कुलपति शामिल हैं.

अकादमी गठन का उद्देश्य : झारखंड स्थित राजकीय विश्वविद्यालय, निजी विश्वविद्यालय, डीम्ड विश्वविद्यालय, अंगीभूत महाविद्यालय, संबद्ध महाविद्यालय, अभियंत्रण महाविद्यालय पॉलिटेकनिक संस्थान एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मी और पदाधिकारियों का प्राथमिकता के साथ क्षमतावर्द्धन किया जाएगा. संस्थान की मान्यता और स्वायत्तता के लिए यह आवश्यक है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में सकारात्मक नेतृत्व हो. शिक्षण संस्थानों की उत्कृष्टता स्थानीय समुदाय के साथ जुड़ाव, संवैधानिक मूल्यों के मजबूत संरेखण, सामाजिक प्रतिबद्धता, टीमवर्क, विविधता और सकारात्मक दृष्टिकोण पर केंद्रित है. उच्च शिक्षण संस्थानों में मानवीय मूल्यों, नैतिकता, आचार-व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यक्रम तैयार किया जायेगा, जिससे विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों एवं व्यवहारिक आयामों से अवगत कराया जा सके. शिक्षकों को ऐसी शिक्षा पद्धति अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिसके माध्यम से अच्छे, विचारशील, चिंतनशील तथा रचनात्मक व्यक्तित्व का विकास हो.

विवि के शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों का क्षमतावर्द्धन किया जाएगा

- अगले पांच साल के लिए बनाई गई है योजना, 24 .37 करोड़ खर्च होंगे
- वित्त व शिक्षा सचिव के साथ 10 विवि के कुलपति शेयर होल्डर होंगे

अकादमी के ये होंगे प्रमुख काम

- उच्चतर शिक्षण संस्थान में स्टार्ट अप, इंक्यूवेशन सेंटर, इनोवेशन सेंटर, प्रौद्योगिकी विकास केंद्र विकसित करने के लिए प्रशिक्षित एवं प्रोत्साहित किया जायेगा.
- **शिक्षकों को प्रभावी शिक्षण के व्यापक दृष्टिकोण पर क्षमता विकसित किया जाएगा.**
- शिक्षकों को शिक्षा पद्धति में संचार चर्चा, बहस, अनुसंधान को शामिल करने हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा.
- **सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूह के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में अधिक अवसर प्रदान करने हेतु प्रोत्साहित एवं सहयोग प्रदान किया जाएगा.**
- उच्च शिक्षण संस्थानों के सभी शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मियों एवं पदाधिकारियों को दिव्यांग छात्रों के प्रति संवेदनशील बनाने हेतु प्रशिक्षण दिया जाएगा.
- **विद्यार्थियों को इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप एवं प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करने हेतु विभिन्न उद्योग, कंपनी, संस्थानों का सहयोग प्राप्त किया जाएगा.**

ये होंगे अकादमी के नॉलेज पार्टनर

- आइएसएम धनबाद
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी, रांची
- आइआइएम, रांची
- **नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जमशेदपुर**
- नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, नई दिल्ली
- **नेशनल लॉ एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, रांची**
- नेशनल मेटारजिकल लैबोरेट्री, जमशेदपुर
- **नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च, भोपाल, कोलकता, चंढ़ीगढ़ और चेन्नई**
- एटीआई, रांची
- **सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट, रांची**
- डॉ रामदयाल मुंडा शोध संस्थान, रांची
- **बीएयू, रांची**
- बीआईटी, सिंदरी
- **महाराष्ट्र स्टेट फैक्लटी डेवलपमेंट अकादमी**
- बीआईटी मेसरा, रांची
- **एक्सआईएसएस रांची**
- एक्सएलआरआई, जमशेदपुर
- **अमेटी यूनिवर्सिटी**
- उषा मार्टिन यूनिवर्सिटी
- **सरला बिरला यूनिवर्सिटी**
- इक्फाई यूनिवर्सिटी
- **रामकृष्ण मिशन विवेकानंद एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, रांची**
- अध्ययन फाउंडेशन, बेंगलुरु
- **कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस, भुवनेश्वर**
- प्रथम फाउंडेशन, नई दिल्ली
- **रिजनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, रांची**
- टाटा स्टील इंडस्ट्रीज कंस्लटिंग डिविजन, जमशेदपुर
- **इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंट्स ऑफ इंडिया**

ब्रीफ खबरें

सीएम का आज का पलामू कार्यक्रम स्थगित

रांची। भारत बंद के समर्थन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 21 अगस्त को पलामू में होने वाले कार्यक्रम को स्थगित कर दिया है. अब यह कार्यक्रम 22 अगस्त को होगा. इस दिन सीएम पलामू में झारखंड मुख्यमंत्री मईंयां सम्मान योजना की शुरूआत करेंगे. बताते चलें कि आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति ने 21 अगस्त को भारत बंद का आह्वान किया है. इस मामले में पेयजल मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा है कि झामुमो भारत बंद के समर्थन में है. किसी भी वर्ग के साथ अन्याय नहीं होने देना चाहती है.

मंईयां योजना को लेकर आनेवाले कॉल फर्जी हैं

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के संदर्भ में सूचना आ रही है कि कई लाभुकों के मोबाइल नंबर पर योजना को लेकर कॉल आ रहे हैं, जो पूरी तरह से फर्जी हैं. इसलिए योजना के तहत निबंधित बहन-बेटियों से आग्रह है कि योजना के संदर्भ में या राशि हस्तांतरण से संबंधित कॉल आने पर ओटीपी या अपने बैंक खाते से संबंधित जानकारी साझा न करें. झारखंड सरकार इस योजना को लेकर किसी तरह का कॉल नहीं कर रही है.

चडरी तालाब में युवक का शव मिला, शिनाख्त नहीं

रांची। कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित चडरी तालाब में मंगलवार को एक युवक का शव बरामद हुआ. स्थानीय लोगों ने शव देखने के बाद पुलिस को सूचना दी. घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पानी से बाहर निकाला गया. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. देर शाम तक मृतक व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई थी. आशंका जताई जा रही हैं कि नशे की हालत में पानी में गिरने के कारण व्यक्ति की मौत हुई होगी. हालांकि मौत के पीछे की स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है.

नगर विकास मंत्री ने निगम के कार्यों व योजनाओं की समीक्षा की

लंबित योजनाओं को समय पर पूरा करें : हफीजुल हसन

प्रमुख संवाददाता। रांची

नगर विकास मंत्री हफीजुल हसन ने कहा है कि निगम स्तर के सभी लंबित योजनाओं को समय से पूरा करें. धरातल पर योजनाओं को उतारने के लिए तीव्र गति से कार्य करें. रांची नगर निगम सबसे महत्वपूर्ण नगर निगम है, क्योंकि यह राजधानी, रांची शहर की स्वच्छता और विकास पर ध्यान देती है. इसलिए इस निगम के तहत सभी योजनाओं को पूरा करें. वे मंगलवार को रांची नगर निगम के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में बोल रहे थे.

समय पर हो आम लोगों की समस्याओं का निदान : मंत्री ने कहा कि राजधानी रांची के नागरिकों को बेहतर सुविधा किस प्रकार प्रदान की जाए, इसपर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है. शहर में स्वच्छता को प्राथमिकता देनी होगी. बारिश में नालियां जाम न हों, पथ, स्ट्रीट लाइट दुरुस्त रहें. यह सुनिश्चित करें. उन्होंने कहा कि आम लोगों की समस्याओं का निदान त्वरित गति से होना चाहिए.

रांची नगर निगम की लंबित योजनाओं की समीक्षा करते नगर विकास मंत्री हफीजुल हसन व मौजूद पदाधिकारी.

नगर विकास मंत्री ने ये निर्देश दिए

- शहर में ड्रेनेज या जलापूर्ति योजना के दौरान क्षतिग्रस्त हुए सड़कों को समय से दुरुस्त करें.
- **रांची नगर निगम क्षेत्रांतर्गत संचालित सभी वेलनेस सेंटरों का संचालन सुचारू रूप से करें.**
- शहरी क्षेत्र में खराब स्ट्रीट लाइट और हाईमास्ट लाइट की मरम्मत कराएं.
- **झिरी डंप यार्ड के लिगेसी वेस्ट के निस्तारण प्रक्रिया में गति लाएं.**

टीम भावना के साथ काम करें : नगर आयुक्त

नगर आयुक्त संदीप सिंह ने कहा कि कैपिटल सिटी के विकास के लिए सभी पदाधिकारियों को टीम भावना के साथ काम करने की आवश्यकता है. रांची नगर निगम, नागरिकों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है. इसके लिए निगम स्तर के सभी सिविल वर्क्स को समय सीमा के अंतर्गत पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है. बैठक में 15वें वित्त आयोग, टाउन प्लानिंग, पीएमएवाई, लाइट, आईटी, डे-एनयूएलएम, ट्रांसपोर्ट, हेल्थ, इनफोर्समेंट, वाटर सप्लाई, एवं अन्य शाखाओं की भी समीक्षा की गई.

बांग्लादेश कनेक्शन : ओडिशा पुलिस ने कांटा टोली में छापेमारी की

घर से आठ सिम बॉक्स बरामद

संवाददाता। रांची

ओडिशा पुलिस ने सिम बॉक्स मामले में नामकुम थाना क्षेत्र के कांटाटोली में मंगलवार की दोपहर छापेमारी की. यहां एक घर का ताला तोड़ कर वहां से आठ सिम बॉक्स बरामद किये गये हैं. अभियान में ओडिशा पुलिस के साथ रांची पुलिस की टीम भी शामिल रही. बताया जा रहा है कि सिम बॉक्स रैकेट को असदुर जमान नाम का एक बांग्लादेशी नागरिक हैंडल करता है.

ओडिशा में सिम बॉक्स रैकेट का हुआ था भंडाफोड़ : ओडिशा में 16 अगस्त को सिम बॉक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ था. पुलिस ने भुवनेश्वर स्थित एक घर से पांच एक्टिव सिम बॉक्स, दो रिजर्व सिम बॉक्स और 750 से अधिक सिम कार्ड के साथ-साथ राउटर और अन्य उपकरण भी जब्त किये थे. साथ ही पश्चिम बंगाल निवासी और सिम बॉक्स रैकेट के मुख्य आरोपी राजू मंडल को गिरफ्तार किया था. फिलहाल वह पांच दिनों की रिमांड पर है. रैकेट के मुख्य आरोपी ने भुवनेश्वर पुलिस की पूछताछ में उसने कबूल किया है कि वह कटक और रांची सहित कई स्थानों से सिम बॉक्स संचालित कर रहा था. राजू मंडल के ही इनपुट पर कांटाटोली में छापेमारी की गयी.

कांटा टोली में जांच करती रांची व ओडिशा पुलिस टीम और बाहर मौजूद भीड़.

क्या होता है सिम बॉक्स : सिम बॉक्स एक तरह की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है, जिसे सिम बैंक भी कहा जाता है. यह इंटरनेट बेस्ड एक हार्डवेयर डिवाइस है, जिसका इस्तेमाल टेलीकॉम में डायरेक्ट जीएसएम कम्यूनिकेशन को टर्मिनेट करने के लिए किया जाता है. इस डिवाइस में बड़ी संख्या में सिम कार्ड लगे होते हैं, जिससे इंटरनेशनल कॉल को स्थानीय जीएसएम कॉल में कन्वर्ट किया जा सकता है. इससे सामने वाले को लगता है कि स्थानीय मोबाइल नंबर से कॉल आया है. सिम बॉक्स के जरिए कॉल करने पर इंटरनेशनल के बजाय लोकल चार्ज लगते हैं, जिससे टेलीकॉम इंडस्ट्री को करोड़ों रुपये का चूना लगता है.

रातू रोड चौराहे पर बाइक में लगी आग, अफरा-तफरी

रांची। रातू रोड चौराहे पर खड़ी एक बाइक में मंगलवार की दोपहर अचानक आग लग गई. इससे वहां अफरा-तफरी मच गई. मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने पानी से आग बुझाने की काफी कोशिश की, लेकिन आग बुझी नहीं. आखिरकार एक स्कूल बस के ड्राइवर ने सूझबूझ का परिचय देते हुए बस में रखे अग्निशमन यंत्र की मदद से 10 मिनट के भीतर आग पर काबू पा लिया.

रातू रोड में बाइक में लगी आग.

10 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला

रांची। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने मंगलवार देर शाम 10 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया है. आदेश के मुताबिक, गोंदा थाना में पदस्थापित दिनेश कुमार ठाकुर को सिल्ली थानेदार बनाया गया है. केंद्रीय विश्वविद्यालय के टीओपी प्रभारी मनीष कुमार को पंडरा ओपी प्रभारी बनाया गया है.

टाटीसिल्वे थाना में पदस्थापित भवेश कुमार को खरसीदाग ओपी का प्रभारी बनाया गया है. मोरहाबादी टीओपी प्रभारी हीरालाल शाह को अनगड़ा थानेदार बनाया गया है. लालपुर थाना में पदस्थापित विकास कुमार सिंह को दलादली टीओपी प्रभारी बनाया गया है. पुंदाग ओपी में पदस्थापित चंदन कुमार गुप्ता को चान्हो थानेदार बनाया गया है. बेड़ो थाना में पदस्थापित रोशन कुमार को तमाड़ थानेदार बनाया गया है. पंडरा ओपी प्रभारी रामेश्वर उपाध्याय को गोंदा थाना, दलादली ओपी प्रभारी अजय कुमार दास को लालपुर थाना और खरसीदाग ओपी प्रभारी चूड़ामंडी टुडू को लोअर बाजार थाना में पदस्थापित किया गया है.

सोनारी से उड़ान भरा विमान लापता

- एटीसी से संपर्क कटने के पहले चांडिल की ओर दिखा लोकेशन
- चार जिलों की प्रशासनिक टीम विमान की खोजबीन में जुटी

संवाददाता। रांची/जमशेदपुर

सोनारी एयरपोर्ट से मंगलवार की सुबह उड़ान भरा अल्केमिस्ट एविएशन का ट्रेनी विमान लापता हो गया है. उड़ान भरने के कुछ मिनटों के बाद ट्रेनी विमान का एटीसी से संपर्क कट गया. इसके बाद से विमान का कोई लोकेशन नहीं मिल पाया है. विमान का अंतिम लोकेशन चांडिल एवं पुरुलिया (प. बंगाल) के अयोध्या हिल की ओर देखा गया था. बता दें कि सोनारी एयरपोर्ट से उक्त ट्रेनी विमान सुबह 11 बजे उड़ान भरा. 15 मिनट बाद ही उसका एटीसी से संपर्क कट गया. प्रशासनिक टीम विमान की खोजबीन में लगी है. विमान में दो पायलट सवार थे, जिसमें एक ट्रेनी था.

एयरक्राफ्ट के चांडिल डैम में गिरने की आशंका

सोनारी एयरपोर्ट से उड़ान भरने के 15 मिनट बाद लापता हुए एयरक्राफ्ट के चांडिल डैम में गिरने की आशंका जताई जा रही है. यहां विभिन्न गांव से लोगों से एयरक्राफ्ट को गिरते देखने की जानकारी मिलने के बाद प्रशासन इसकी पुष्टि में जुट गई है. लोगों का कहना है कि एयरक्राफ्ट को डैम की ओर गिरते देखा है. चांडिल बांध विस्थापित मत्स्यजीवी स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड के सचिव श्यामल मार्डी ने बताया कि डैम के निकट डिमुडीह के रहने वाले लखन हेंब्रम समेत कुछ महिलाओं ने भी हवाई जहाज को गिरते हुए देखने की बात कही है. वहीं पियालडीह और आंडा गांव के लोगों ने भी हवाई जहाज के गिरने की बात कही है. ग्रामीणों से मिली सूचना की पुष्टि के लिए चांडिल बीडीओ और सीओ देर शाम पियालडीह गांव पहुंच चुके थे. पुलिस-प्रशासन की टीम सूचना की पुष्टि करने के साथ ही लापता विमान को खोजने में जुटी हुई थी.

रेस्क्यू ऑपरेशन पर की चर्चा, प्रशासन अलर्ट

विमान के लापता होने की घटना पर तीनों जिलों के वरीय अधिकारियों ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये रेस्क्यू ऑपरेशन पर चर्चा की. बोकारो जिले के उपायुक्त एवं एसएसपी को भी अलर्ट पर रखा गया. वीडियो कांफ्रेंसिंग से सोनारी एवं रांची से चीफ पायलट भी जुड़े थे. उन लोगों ने विमान की पूरी जानकारी प्रशासनिक अधिकारियों से साझा की. पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि सोनारी एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाले ट्रेनी विमान की एटीसी से संपर्क टूटने की सूचना है. लेकिन विमान का अब तक कोई स्पष्ट लोकेशन प्राप्त नहीं हुआ है.

उपलब्धि कुशल प्रबंधन के लिए प्रधान आयकर आयुक्त सम्मानित होंगे

डॉ प्रभाकांत को मिलेगा सीबीडीटी प्रमाण पत्र

संवाददाता। रांची

रांची के प्रधान आयकर आयुक्त डॉ प्रभाकांत को बेहतर कुशल प्रबंधन के लिए सीबीडीटी प्रमाण पत्र मिलेगा. दिल्ली के विज्ञान भवन में बुधवार को एक कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण डॉ प्रभाकांत को यह प्रमाण पत्र सौंपेंगी. प्रभाकांत को यह प्रमाण पत्र 33 साल से अधिक बेहतर कुशल प्रबंधन और मेधावी सेवा के लिए दिया जा रहा है. खास बात यह है कि इस प्रमाण पत्र के लिए आयकर विभाग के 50,000 से अधिक कर्मियों में से कुल 22 अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार के लिए चुना गया है.

डॉ प्रभाकांत, प्रधान आयकर आयुक्त.

डॉ प्रभाकांत ने अपने कॅरियर में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं. उनके उद्योगों के मामले में एकत्र किए गए सबूतों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हुई, उसे सही ठहराया गया. ऐसा कर उन्होंने अपनी खोजी क्षमता का परिचय दिया. कर चोरी से निपटने में एक बेंचमार्क भी स्थापित किया.

उच्च राजस्व हासिल किया : डॉ प्रभाकांत ने अपनी रणनीतिक पहल से लगातार उच्च राजस्व हासिल किया. बुनियादी ढांचे में सुधार और कठोर मूल्यांकन कर टैक्स कलेक्शन में दक्षता का परिचय दिया. टीडीएस कार्यों के कम्प्यूटरीकरण का नेतृत्व किया. मैनुअल प्रक्रिया को एक मजबूत ई-फाइलिंग प्रणाली में बदला. कटौती सत्यापन को सुव्यवस्थित किया और कुशल कर प्रशासन की नींव रखी.

ईडी के संयुक्त निदेशक के रूप में निभाई अहम भूमिका : डॉ प्रभाकांत ने ईडी में संयुक्त निदेशक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. फेरा व फेमा और बाद में पीएमएलए में परिवर्तन के दौरान भी उनकी भूमिका अहम रही.

ये भी रही हैं प्रभाकांत की उपलब्धियां

- नेहरू युवा केंद्र संगठन में महानिदेशक के रूप में अपना योगदान दिया.
- **संचालन का आधुनिकीकरण, कैडर लागू कर एनवाईकेएस को पुनर्जीवित किया.**
- अपने बजट और आउटरीच में उल्लेखनीय रूप से विस्तार किया.
- **कौशल विकास कार्यक्रम जैसी प्रभावशाली पहल की शुरुआत की**
- अंतरराष्ट्रीय कर विवाद के मामलों को भी निपटाया
- **फॉर्म के प्रभावी संचालन के लिए परिचालन प्रोटोकॉल विकसित किया गया**
- विदेशी मुद्रा प्रेषण की निगरानी को बढ़ाया और धोखाधड़ी का पता लगाया

गुड न्यूज प्रशासन तैयार, शहर में आरामदायक होगा महिलाओं का सफर

राजधानी के हर मार्ग पर चलेगा पिंक ऑटो

आकर्ष अनिकेत। रांची

राजधानी में महिलाओं की यात्रा को आरामदायक व सुरक्षित बनाने के लिए अहम फैसला लिया गया है. फिलहाल शहर में सफर के दौरान महिलाओं को ऑटों में पुरुषों के साथ बैठ कर जाना पड़ता है, पर अब उनके लिए हर रूट पर पिंक ऑटो के परिचालन को मंजूरी मिल गयी है. जल्द ही महिलाओं के लिए हर मार्ग पर पिंक ऑटो का परिचालन शुरू किया जाएगा. बता दें कि पिंक ऑटो उन रूटों पर चलेंगे, जहां महिलाओं का आवागमन अधिक होता है, जैसे कॉलेज, शैक्षणिक संस्थान व अस्पताल आदि.

सिर्फ महिलाएं ही कर सकेंगी यात्रा : पिंक ऑटो महिलाओं द्वारा चलाया जाएगा और इनमें सिर्फ महिला यात्री ही सफर कर सकेंगी. कोई पुरुष न तो ऑटो चला सकता है और न ही पिंक ऑटो में सफर कर सकता है. शहर के हर मार्ग पर पिंक ऑटो चलाने का मकसद है यात्रा के दौरान महिलाओं से छेड़खानी की घटनाओं को कम करना और उनकी सुरक्षा बढ़ाना, जिससे उनका सफर आरामदायक व सुरक्षित हो सके.

फिलहाल सिर्फ अरगोड़ा में चल रही है पिंक ऑटो

फिलहाल शहर में अरगोड़ा से कडरू तक ही पिंक ऑटो की सुविधा है. मौजूदा समय में शहर में लगभग 100 पिंक ऑटो चल रहे हैं. डीजीपी के निर्देश के बाद अब पूरे शहर में इसके संचालन की तैयारी है. यातायात विभाग भी इसकी तैयारी में पूरी तरह से जुट गया है. फिलहाल ऑटो की पार्किंग की व्यवस्था की जा रही है.

शहर में चार पिंक बसों का हो रहा परिचालन

शहर में यात्रा के दौरान महिलाओं की सुरक्षा को देखते हुए पहले से ही निगम द्वारा चार पिंक बस का संचालन किया जा रहा. इन बसों में महिला कंडक्टर की भी सुविधा है. निगम के एक अधिकारी ने बताया कि महिला कंडक्टर होने से महिलाओं का सफर आरामदायक हो जाता है. हमारी कोशिश है कि महिला कंडक्टर के साथ-साथ ड्राइवर भी पिंक बस के संचालन के लिए रखा जाए.

सीएम आवास में हेमंत ने सुनीं लोगों की समस्याएं

- सीएम खुद एक-एक फरियादी के पास पहुंचे, उनका आवेदन लिया

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं मुख्यमंत्री आवास पहुंचे लोगों ने मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी-अपनी समस्या बताई. मुख्यमंत्री स्वयं हर व्यक्ति के पास पहुंचे और उनसे उनकी समस्या से संबंधित आवेदन लिया. मौके पर सभी लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश भी दिए. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आश्वासन के बाद मुख्यमंत्री आवास पहुंचे लोग संतुष्ट

सीएम आवास पहुंचे फरियादियों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन.

दिखाई दिए. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार जन समस्याओं के समाधान का निरंतर प्रयास कर रही है. राज्य सरकार का प्रयास है कि मूलभूत और बुनियादी सुविधाओं को आपके गांव-घर तक पहुंचाटा जाए. पिछले साढ़े चार साल में जनकल्याण से जुड़ी योजनाओं को प्रतिबद्धता के साथ आप तक पहुंचाया गया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां के आदिवासी-मूलवासी, गरीब, किसान, मजदूर सहित सभी वर्ग-समुदाय का सर्वांगीण विकास उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है. आने वाले समय में भी जनहित के काम अनवरत होते रहेंगे.

रिम्स परिसर में पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने का निर्देश

संवाददाता। रांची

रिम्स निदेशक प्रो (डॉ) राज कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को बैठक आयोजित की गई. बैठक में संकायाध्यक्ष प्रो (डॉ) विद्यापति, चिकित्सा अधीक्षक प्रो (डॉ) हीरेन्द्र बिरुआ, अपर चिकित्सा अधीक्षक डॉ शैलेश त्रिपाठी, डीन (छात्र कल्याण) डॉ शिवप्रिये एवं प्रशासनिक पदाधिकारी डॉ अजय शाही उपस्थित थे. बैठक में सुरक्षा, टेंडर व शैक्षणिक विषयों पर चर्चा हुई एवं निदेशक ने रिम्स परिसर में सीसीटीवी, सशस्त्र होमगार्ड के जवानों के साथ पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने समेत कई निर्देश दिए.

अपर चिकित्सा अधीक्षक को पद के अनुसार 24x7 सशस्त्र होमगार्ड तथा सैप के जवानों के साथ पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं. इसके अतिरिक्त मोबाइल पेट्रोलिंग के लिए एक चार पहिया वाहन अधिमानतः जीप अतिशीघ्र क्रय कर या किराये पर लेते हुए सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के लिए कहा गया है. सुरक्षा कर्मियों में संचार की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अतिरिक्त मोबाइल लेने की बात कही गयी तथा पेट्रोलिंग एवं कंट्रोल रूम में प्रतिनियुक्त इन सुरक्षाकर्मियों को जल्द ही मोबाइल फ़ोन उपलब्ध कराया जायेगा. सुरक्षा के दृष्टिकोण से संस्थान एवं परिसर में चिन्हित रास्तों में त्वरित सीसीटीवी एवं लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए संपदा पदाधिकारी को निर्देश दिए गए हैं. चिकित्सा अधीक्षक को सभी टेंडर का शीघ्र निष्पादन करने के निर्देश दिया गया. संकायाध्यक्ष को अतिशीघ्र एकेडमिक काउंसिल की बैठक केबुलाने का निर्देश दिया गया. इसके साथ ही डीन (छात्र कल्याण) को जूनियर चिकित्सकों के लिए कैंटीन की व्यवस्था एवं हॉस्टल के कार्यों के त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया गया. प्रशासनिक पदाधिकारी को उच्च न्यायालय के आदेशानुसार 955-C के चतुर्थवर्गीय कर्मियों की नियुक्ति करने तथा 10 वर्षों से अधिक कार्यरत संविदा एवं दैनिक कर्मियों के नियमितीकरण का अतिशीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं. बता दें कि कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना के बाद से अस्पतालों में डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं.

खास बातें

- निदेशक प्रो . राजकुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक
- सुरक्षा कर्मियों में संचार की व्यवस्था करने का निर्देश

ब्रीफ खबरें

सिंगल डोनर प्लेटलेट की कीमत कम की

रांची। सदर अस्पताल ने एसडीपी ब्लड यानी सिंगल डोनर प्लेटलेट की कीमत कम कर दी है. पहले इसकी कीमत 9500 रुपये थी. अब घटी हुई दर पर इसे लेने वाले रोगियों को 8100 रुपये ही देने होंगे. इस संबंध में लाइफ सेवर्स से जुड़े अतुल गेरा ने बताया कि एसडीपी का इस्तेमाल मुख्य रूप से कैंसर, डेंगू में और नवजात शिशुओं को होने वाले सेप्सिस रोग में होता है. गेरा ने बताया कि अभी रांची में डेंगू के मरीज बढ़ रहे हैं. कीमत कम होने से अन्य मरीजों के साथ डेंगू के मरीजों को भी राहत मिलेगी. उन्होंने बताया कि निजी अस्पताल और क्लिनिक में इसकी कीमत और अधिक ली जाती है. ऐसे में सदर अस्पताल ने कीमत कम कर काफी मरीजों के हित में फैसला लिया है.

रंगदारी टैक्स देना भी अनिवार्य : बाबूलाल

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक फिर गिरती कानून व्यवस्था पर निशाना साधा है. ट्वीट कर कहा है कि झारखंड में व्यापार करने के लिए सिर्फ सरकार से लाइसेंस प्राप्त करना नहीं, बल्कि अपराधियों को रंगदारी के रूप में टैक्स देना भी अनिवार्य है. या तो अपराधियों को रंगदारी दीजिए, या अपना व्यापार समेटकर पलायन कर जाइए. इसलिए झारखंड मुद्रा मोर्चा (झामुमो) और कांग्रेस द्वारा रंगदारी को ''अघोषित टैक्स'' घोषित कर देना चाहिए. ट्वीट में आगे लिखा है कि आपराधिक तत्व झारखंड के शासन प्रशासन पर पूर्णतः नियंत्रण स्थापित कर चुके हैं. अपराधी खुलेआम रंगदारी वसूलने की धमकी दे रहे हैं.

भाजपा कोर कमेटी की बैठक में बदलते राजनीतिक हालात पर भी चर्चा

चंपाई प्रकरण की हम लोगों को जानकारी नहीं है : बाउरी

खास बातें

- वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जुड़े शिवराज व हिमंता सरमा
- 23 अगस्त को होने वाली आक्रोश रैली पर भी हुई चर्चा

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड भाजपा की कोर कमेटी की बैठक मंगलवार को प्रदेश मुख्यालय में हुई. इसमें वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा भी जुड़े. बैठक में वर्तमान राजनीतिक हालात और विधानसभा चुनाव की रणनीति पर मंथन किया गया. साथ ही 23 अगस्त को होने वाली भाजयुमो की आक्रोश रैली पर भी चर्चा हुई. आगामी सांगठनिक कार्यक्रमों के साथ 25 अगस्त को प्रत्येक बूथ पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम सुनने की तैयारी पर भी चर्चा हुई.

युवा सड़कों पर अपना आक्रोश व्यक्त करने को तैयार : बाउरी ने कहा कि आज युवा सड़कों पर अपना आक्रोश व्यक्त करने को तैयार हैं. कोर कमेटी की बैठक में 23अगस्त को रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित युवा आक्रोश रैली की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई. बाउरी ने कहा कि हेमंत सरकार अपने पहले दिन से जनता को दिग्भ्रमित कर रही है. इन्हें जनता की सेवा से कुछ भी लेना -देना नहीं. दो वर्षों तक खजाना खाली का बहाना, फिर कोरोना का बहाना,कभी कुर्सी से हटने का बहाना ,केवल बहाने बनाने में ही पांच साल बिता दिया मुख्यमंत्री ने. एक तरफ युवा पांच लाख नौकरी, बेरोजगारी भत्ता के लिए सड़कों पर उतर रहे हैं, वही आज भी हेमंत सरकार जेपीएससी, जेएससीसी की परीक्षाओं को भ्रष्टाचार में झोंक रही है. जेपीएससी की कापियों की वैसे लोगों से जांच करवा रही है, जो अधिकृत नहीं. इससे एक बार फिर से भ्रष्टाचार की कलई खुल गई है.

पैसों की राजनीति करने वालों को हर जगह पैसा ही दिखता है: भानु

विधायक भानु प्रताप शाही ने कहा कि कि मुख्यमंत्री बतायें कि कौन-कौन विधायकों को कितने में खरीदा जा रहा है. पैसे की राजनीति करने वालों को हर जगह पैसा ही दिखता है. बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने की. बैठक में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, डॉ दिनेशानंद गोस्वामी, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद समीर उरांव, प्रदेश उपाध्यक्ष अनंत ओझा, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद डॉ प्रदीप वर्मा, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह शामिल हुए.

वे कब आएंगे, नहीं आएंगे यह निर्णय उनको लेना है : अमर बाउरी

भाजपा कोर कमेटी की बैठक में उपस्थित प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी व अन्य नेता.

सीएम अपने विधायकों का अपमान कर रहे हैं : बाउरी

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने चंपाई सोरेन प्रकरण पर कहा कि अभी तक जो भी बातें सामनें आईं हैं या आ रही हैं, वह मीडिया के माध्यम से ही आ रही हैं. इससे ज्यादा हम लोगों को कोई जानकारी नहीं है. वे कब आएंगे, नहीं आएंगे यह निर्णय उनको लेना है. भाजपा की ओर से अभी तक कोई अधिकारिक बयान नहीं आया है. वैसे भी राष्ट्रवाद और पार्टी की नीतियों व कार्यक्रमों को स्वीकार कर पार्टी में आनेवाले के लिए भाजपा का दरवाजा सदैव खुला है. सीएम अपने विधायकों का अपमान कर रहे हैं. हेमंत सरकार पूरी तरह आदिवासी- मूलवासी, युवा व महिला और किसान विरोधी सरकार साबित हुई है. पांच वर्षों तक न नियोजन नीति बनाई न नौकरियां दी और न बेरोजगारी भत्ता. गायबथान में आज भी घुसपैठियों ने आदिवासी परिवार की जमीन कब्जे में रखी है. कोर्ट का आदेश भी वहां शून्य हो गया है .हेमंत सरकार तुष्टिकरण की राजनीति में आदिवासी मूलवासी की हत्या करा रही है .सीएम लगातार मुद्दों से भटकाने केलिए अनर्गल बयानबाजी करते हैं.

'राजीव गांधी के योगदान को देश नहीं भूलेगा'

विशेष संवाददाता। रांची

राजीव गांधी की 80 वीं जयंती वरिष्ठ नागरिक उद्यान एचईसी परिसर में धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. राजीव गांधी जी की प्रतिमा पर मुख्य अतिथि के तौर पर कांग्रेस विधायक दल के नेता व मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव, वरिष्ठ कांग्रेस नेता आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ. राजेश गुप्ता छोटू, रोशन लाल भाटिया, मंजूर अहमद अंसारी आदि ने राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और दीप प्रज्वलित किया.

इस मौके पर डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि राजीव जी ने जिस समाजवादी समाज की कल्पना की थी, उसे साकार करने की आवश्यकता है. कांग्रेस और राजीव गांधी का स्वप्न था कि संसाधनों के दोहन और धन के संचय के साथ-साथ उसके सही वितरण पर भी ध्यान देना जरूरी है. इस बात पर ध्यान देना ज्यादा जरूरी है कि समाज के अंतिम व्यक्ति दैनिक भोगी मजदूर, सीमांत कृषक, दलित, सभी तक उसका वितरण हो. राजीव गांधी आज भी प्रासंगिक है और आने वाले समय में भी प्रासंगिक रहेंगे. वह विज्ञान और बदलाव के हमेशा से समर्थक रहे थे, आज जो घर-घर में मोबाइल है वह दूर संचार क्रांति, आर्थिक नीतियों पर बात हो तो नवीन आर्थिक नीति, शिक्षा के क्षेत्र में सामान्य जनों को कम पैसे में शिक्षक देने के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय की स्थापना जैसी अनेक चीज हैं जिन्हें समाज कभी भुला नहीं सकता. राजीव गांधी बदलाव के समर्थक रहे. अतीत में भी प्रासंगिक थे हैं और भविष्य में भी प्रासंगिक रहेंगे.

राजीव गांधी की जयंती वरिष्ठ नागरिक उद्यान एचईसी परिसर में मनाई गई.

30 को रांची में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का प्रमंडलस्तरीय कार्यक्रम

एक लाख लाभुक होंगे शामिल

संवाददाता। रांची

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत रांची जिले में अब तक तीन लाख से ज्यादा प्राप्त आवेदनों का डिजिटलाइजेशन का काम पूरा किया जा चुका है. साथ ही और आवेदन प्राप्त करने की प्रक्रिया भी जारी है. योजना को लेकर प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. इसे लेकर मंगलवार को उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने जिलास्तरीय पदाधिकारियों के साथ ही साथ बीडीओ व सीओ के साथ बैठक की. इसमें कार्यक्रम की तैयारी एवं सफल संचालन को लेकर डीसी ने सभी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. बैठक में उपायुक्त ने बताया की योजना को लेकर प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम 30 अगस्त को प्रस्तावित है, जिसमें एक लाख लाभुक शामिल होंगे. कार्यक्रम में लाभुकों के आवागमन, भोजन आदि की व्यवस्था को लेकर डीटीओ एवं डीएसओ को आवश्यक निर्देश दिए गए. उपायुक्त राहुल सिन्हा ने कार्यक्रम को लेकर अन्य आवश्यक तैयारी जैसे-मंच निर्माण, लाभुकों के बैठने की व्यवस्था, पार्किंग, पानी, शौचालय, अग्निशमन व्यवस्था पर भी विचार-विमर्श करते हुए डीसी ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया. बैठक में उपविकास आयुक्त दिनेश यादव, बुंडू के अनुमंडल पदाधिकारी मोहनलाल मरांडी, अपर समाहर्ता रामनारायण सिंह, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वर नाथ आलोक, जिला नजारत उपसमाहर्त्ता सुदेश कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा रविशंकर मिश्रा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप भगत मौजूद थे.

मंईयां सम्मान योजना को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते उपायुक्त.

उपायुक्त ने जिले में मॉडल विलेज की संख्या बढ़ाने का दिया निर्देश

संवाददाता। रांची

मंगलवार को रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में पेयजल एवं स्वच्छता, रांची पूर्वी एवं पश्चिमी प्रमंडल के स्वच्छ भारत मिशन फेज-2 की समीक्षा की गई. बैठक में रांची डीडीसी दिनेश कुमार यादव के साथ कार्यपालक अभियंता रांची पूर्वी, कार्यपालक अभियंता, रांची पश्चिमी एवं सभी प्रखंड के सहायक अभियंता व कनीय अभियंता मौजूद थे.

बैठक में डीसी ने रांची जिले में मॉडल विलेज की संख्या बढ़ाने, सभी पंचायतों में प्लास्टिक पृथक्करण शेड निर्माण करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि प्रखंड विकास पदाधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए संबंधित क्षेत्र में जर्जर हो चुके भवनों को चिन्हित कर एनओसी प्राप्त करते हुए प्लास्टिक पृथक्करण शेड का निर्माण सुनिश्चित करें. डीसी ने सभी पंचायत में कचरा उठाने वाली गाड़ी का जल्द से जल्द उपलब्धता सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया. साथ ही सभी प्रखंडों में एक टीम का निर्माण कर ओडीएफ हो चुके गांवों का वेरिफिकेशन सुनिश्चित करने को कहा गया. उन्होंने कहा कि सभी प्रखंड के बीडीओ के सहयोग से प्रत्येक पंचायत में 15वीं वित्त आयोग मद से इनसिनेरेटर का निर्माण सुनिश्चित करें.

स्वच्छ भारत मिशन फेज-2 की समीक्षा बैठक करते उपायुक्त राहुल सिन्हा.

खास बातें

- सभी पंचायतों में प्लास्टिक पृथक्करण शेड बनाएं
- कचरा उठाने वाली गाड़ी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए

30अगस्त से 15 सितंबर तक सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

संवाददाता। रांची

राज्य सरकार द्वारा आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को इस वर्ष 30 अगस्त 15 सितंबर तक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है. मुख्य सचिव एल खियांगते ने राज्य के सभी सचिवों, प्रमंडलीय आयुक्तों व उपायुक्तों को पत्र लिखा है. उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन कर राज्य सरकार की विभिन्न लोक कल्याकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ शिविर में ही आमजनों को उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करें. जिले की सभी पंचायतों में कम-से-कम एक शिविर का आयोजन हो. इन शिविरों के स्थल, तिथि तथा समय की जानकारी जन-प्रतिनिधि एवं प्रभारी मंत्री को भी दी जाए.

विशेष शिविर लगेगा : मुख्य सचिव ने कहा है कि प्रत्येक जिले के किसी निर्धारित तिथि पर एक विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा. जहां सीएम द्वारा लाभान्वितों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जायेगा. परिसंपत्तियों का बंटवारा किया जायेगा तथा योजनाओं का उद्घाटन तथा शिलान्यास किया जायेगा. इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मंईयां योजना के लाभुकों के बीच राशि वितरण, चिह्नित परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास भी किया जायेगा.

इन योजनाओं पर विशेष फोकस

झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, हरा राशन कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, गुरूजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, जाति/आवासीय/ आय प्रमाण पत्र आदि योजनाओं पर विशेष फोकस रहेगा.

पिछड़ा जाति मोर्चा से पार्टी को है काफी उम्मीदें : बाबूलाल मरांडी

संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश कार्यालय में पिछड़ा जाति मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी सह जिला अध्यक्षों की बैठक मंगलवार को हुई. बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड में पिछड़ा जाति वर्ग की बड़ी आबादी है, जो परंपरावादी राष्ट्रवाद और हिंदुत्ववाद का समर्थक रही है. पिछड़ा जाति मोर्चा की जिम्मेदारी है कि वे मोदी सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग कल्याण के लिए चलाए जा रही योजनाओं को लोगों तक पहुंचाए. हेमंत सोरेन सरकार के भ्रष्टाचार, अराजकता, शोषण, अपराध और तुष्टिकरण के विरुद्ध आंदोलन करें. कुव्यवस्था से पीड़ित नागरिकों को उनका हक दिलायें. पिछड़ा जाति मोर्चा से पार्टी को बहुत उम्मीदें हैं. प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि कोई भी दायित्व छोटा या बड़ा नही होता. भाजपा में काम का महत्व है, दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी में कार्यकर्ताओ को मोर्चा, विभाग एवं प्रकोष्ठ में काम देकर उसका व्यक्तित्व विकास करती है, फिर वही एक दिन संगठन का नेतृत्व करता है. पिछड़ा जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप यादव ने कहा कि राज्य सरकार के सभी विभाग भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबे हैं. जनता त्राहिमाम कर रही है. बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीप स्वर्णकार, छोटे लाल यादव, उमेश रंजन साहू, परमेश्वर चौधरी, कुमकुम देवी, पूर्णिया चंद्रवंशी, इंद्रजीत यादव, सुमित ठाकुर, अजय शर्मा, रमेश बर्मन, हलधर शाह, विंध्याचल महतो, अमित अग्रवाल, अजय गुप्ता, संजय मंडल समेत आईटी सेल, सोशल मीडिया विभाग, प्रशिक्षण विभाग विधि विभाग, कार्यक्रम समन्वयक, प्रमंडल प्रभारी, जिला प्रभारी एवं जिला अध्यक्ष उपस्थित थे.

पिछड़ा जाति मोर्चा की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी व अन्य नेता.

बैठक झारखंड आंदोलनकारी अपनी अलग पहचान और झारखंड की डेमोग्राफी को बचाने की लड़ाई लड़ने का संकल्प लेंगे

झारखंड आंदोलनकारी 24 को हक व अधिकारों की आवाज करेंगे बुलंद : पुष्कर

संवाददाता। रांची

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक चुटिया ढुमसा टोली स्थित स्व. सुशील कच्छप के आवास पर हुई. मौके पर मोर्चा के संस्थापक एवं प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि 24 अगस्त को झारखंड आंदोलनकारी अपने संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की आवाज बनेंगे. अपने बाल-बच्चों के अधिकारों के लिए संघर्ष तेज करने का आह्वान करेंगे. झारखंड आंदोलनकारियों को अपनी अलग पहचान और झारखंड का डेमोग्राफी को बचाने की लड़ाई लड़ने का संकल्प लेंगे.

मालूम हो 24 अगस्त को मोरहाबादी मैदान स्थित बापू वाटिका के समक्ष बड़ी संख्या में झारखंड आंदोलनकारी अपने अधिकारों एवं झारखंड अलग राज्य के मूल्यों की रक्षा का संकल्प सभा में भाग लेंगे. राज्य बनने के पश्चात झारखंड आंदोलनकारियों के समक्ष कई चुनौतियां खड़ी हुई हैं. इन चुनौतियों में झारखंड आंदोलनकारियों के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती अलग पहचान को बचाने की है, अस्मिता एवं अस्तित्व , जल जंगल जमीन की रक्षा की है. सीएनटी, एसपीटी एक्ट, पेसा कानून, पांचवी अनुसूचित क्षेत्र , परंपरा एवं व्यवस्था को बचाने की है. राज्य में समता जजमेंट लागू करना एवं 26 फीसदी रॉयल्टी का अधिकार आदिवासियों को दिलाना, संविधान की धारा 39बी के तहत प्राकृतिक संसाधनों पर झारखंडियों का प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार दिलाने का है. उन्होंने कहा कि राज्य बनने के 23 वर्षों के बाद भी झारखंड आंदोलनकारियों को राजकीय मान सम्मान, अलग पहचान, रोजी-रोजगार, नियोजन की गारंटी 100 फीसद एवं जेल जाने की बाध्यता को समाप्त करते हुए सभी आंदोलनकारियों को समान रूप से सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रुपया सरकार द्वारा नहीं दिया जाना दुर्भाग्य की बात है. आज झारखंड आंदोलनकारी बड़ी संख्या में अकाल मृत्यु को प्राप्त कर रहे हैं तथा तरह-तरह के रोगों से ग्रसित हैं, जिन्हें देखने वाला कोई नहीं है .जबकि झारखंड, झारखंड आंदोलनकारियों के संघर्ष, त्याग एवं बलिदान के बूते बना है. आज आंदोलनकारी अपने ही घर में परदेसी बन गए हैं.

उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने कहा कि झारखंड की आवाज को अब दबाया नहीं जा सकता है. आंदोलनकारियों के समक्ष अपने अलग पहचान, रोजी रोजगार एवं नियोजन की गारंटी को लेकर करो या मारो की स्थिति है. झारखंड के विकास के नाम पर पलायन एवं विस्थापन झारखंडियों को हाशिये पर पहुंचा दिया है. इसलिए 24 अगस्त को झारखंड के आंदोलनकारी बड़ी संख्या में अपने परंपरागत अस्त्र-शस्त्र, वेशभूषा, वाद्य यंत्रों के साथ आयेंगे और एक और उलगुलान का आगाज करेंगे. केंद्रीय संयोजिका सरोजिनी कच्छप ने कहा कि झारखंड को हम लोगों ने अपने संघर्ष त्याग और कुर्बानियां देकर बनाया है. आज इस झारखंड में हमारे बाल बच्चों का सबसे पहला हक अधिकार रोजी रोजगार नियोजन पर होना चाहिए लेकिन हमारे बच्चे दर- दर की ठोकरे खा रहे हैं इसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे. दक्षिण छोटा नागपुर प्रजामंडल की अध्यक्ष रोजलीन तिर्की ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों के अनुरूप नहीं बना है बल्कि झारखंड लूट खंड में बदल गया है. 24 अगस्त को सभी आंदोलनकारी गोलबंद होकर अपने संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की आवाज बुलंद करेंगे. मौके पर संगठन के अन्य सदस्य उपस्थित थे.

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की बैठक में उपस्थित पदाधिकारी.

PRAGYAN TIWARI
21/08/2022
AGE 4 YEAR
S/O Om Prakash Tiwari
Address : Namkum

ब्रीफ खबरें

श्याम मंदिर में सुंदरकांड का संगीतमय पाठ गूंजा

रांची। श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड का परिसर मंगलवार को सुंदरकांड और हनुमान चालीसा पाठ से गुंजायमान रहा. यहां साप्ताहिक 115वें पाठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया. मनीष सारस्वत और ओम शर्मा संग संगीतमय सस्वर पाठ कर अपने इष्ट के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित की. इससे पूर्व शाम चार बजे श्रीश्याम मित्र मंडल के मंडल के उपमंत्री अनिल नारनौली ने पूजन-अनुष्ठान संपन्न करवाया.अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, पुष्पा देवी पोद्दार, मुकेश मित्तल, अनिल नारनोली आदि ने इसमें मुख्य योगदान दिया.

राहे के चौक-चौराहों पर लगेंगे सीसीटीवी

रांची/राहे। वरीय आरक्षी अधीक्षक के निर्देशानुसार राहे थाना प्रभारी फैज रब्बानी ने मंगलवार को सोलह आना ग्राम कमेटी और व्यापारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा और विधि व्यवस्था को लेकर चर्चा की. अपराध नियंत्रण में सीसीटीवी की महत्व को बताया गया. सक्षम व्यापारियों को अपने व्यापारिक प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी लगाने की अपील की गई. सभी ने अपने स्तर से सीसीटीवी लगाने की सहमति जताई. साथ ही प्रभारी ने एटीएम द्वारा धोखाधड़ी फ्रॉड या छेड़खानी सहित शिकायत हेतु 112 में शिकायत करने का अनुरोध किया.

कांग्रेसियों ने राजीव गांधी को याद किया

रांची/ओरमांझी। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी के 80 जन्मदिन पर कांग्रेस एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष शिव टहल नायक के नेतृत्व में मंगलवार को नेवरी गोलचक्कर के पास हवेली ढाबा में कार्यक्रम आयोजित कर उनके नाम से केक काटे. देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न और सूचना क्रांति के जनक राजीव गांधी की जयंती पर एससी जिला कांग्रेस कमेटी ने उन्हें याद किया. कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से उनकी चित्र पर सूत के धागे से माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया. मौके पर मुख्य रूप से सरवन रविदास, शिव शंकर सिंह, अनिल नायक, सौरव कुमार, हिमांशु कुमार आदि मौजूद थे.

संदीप बने छोटानागपुर पैसेंजर एसो. के अध्यक्ष

रांची। नागरिक समिति के सचिव रेलवे के पूर्व डीआरयूसी के सदस्य संदीप नागपाल को छोटानागपुर पैसेंजर एसोसिएशन ऑफ़ झारखंड का अध्यक्ष मनोनीत किया गया है. ज्ञातव्य है कि संदीप नागपाल रेलवे के सलाहकार क्षेत्र में पहले भी कई बार सदस्य रह चुके हैं एवं उनके पिता स्व. अशोक नागपाल भी रेलवे के जानकार एवं डीआरयूसीसी सदस्य रह चुके थे. छोटानागपुर पैसेंजर एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप नागपाल ने बताया कि वह पूर्ण निष्ठा के साथ संस्था के कार्यों को निभाएंगे और संस्था के नाम को और ऊंचाइयों में ले जाने में अपना बहुमूल्यप्रास और योगदान देंगे. संदीप नागपाल को संगठन का अध्यक्ष बनने पर अश्वनी मल्होत्रा, शंभू प्रसाद, रतन चोपड़ा, गुनीश अरोड़ा, गुरविंदर सिंह भसीन, नंदकिशोर अरोड़ा, हरविंदर सिंह बेदी, आदित्य मल्होत्रा, आशीष भाटिया, मदन सेन कुजारा, पूनम आनंद, विजय खन्ना आदि ने बधाई दी है.

भारत बंद को लेकर स्पेशल ब्रांच ने जिले के एसपी को किया अलर्ट, कहा

प्रतिष्ठान, रेल और बस सेवा जबरन बंद करा सकते हैं समर्थक

संवाददाता। रांची

आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति द्वारा एसटी-एससी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के खिलाफ बुधवार को भारत बंद का आह्वान किया गया है. इसे लेकर स्पेशल ब्रांच द्वारा जिले के एसपी, एसएसपी को अलर्ट किया गया है. बताया गया है कि बंद के दिन मॉल, दुकान, ऑफिस, मार्केट, बस और रेल सेवा को बलपूर्वक बंद कराये जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है. इसलिए विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए निगरानी रखने की जरूरत है.

मालूम हो विगत दिनों सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को एसटी-एससी आरक्षण में क्रीमी लेयर बनाने को कहा था. इस फैसले से देशभर में

भारत बंद की पूर्व संध्या पर राजधानी में मशाल जुलूस निकालते बंद समर्थक.

कई राजनीतिक- सामाजिक संगठनों एवं बहुसंख्यक समाज के लोगों के बीच आक्रोश है. भारत बंद का झारखंड में भी विभिन्न राजनीतिक दलों और संगठनों ने समर्थन किया है.एसटी-एससी आरक्षण में वर्गीकरण को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के खिलाफ भारत बंद का झामुमो, कांग्रेस, राजद सहित कई राजनीति व सामाजिक संगठनों ने समर्थन करने की घोषणा की है.

राजधानी के निजी स्कल बंद रहेंगे : भारत बंद के आह्वान को देखते हुए राजधानी में लगभग सभी निजी विद्यालयों ने स्कूल बंद रखने की घोषणा की.सेक्रड हार्ट स्कूल हुलहुंडू, अक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, लोयोला कान्वेंट, ऑक्सब्रिज पब्लिक स्कूल सहित राजधानी के दर्जनों स्कूलों के प्रबंधन ने भारत बंद के आह्वान को देखते हुए एहतियात के चौर पर नर्सरी से 12वीं तक का क्लास सस्सपेंड रखने की घोषणा की है.

सीपीआई ने भारत बंद का समर्थन किया : सीपीआई झारखंड राज्य परिषद की ओर से राज्य सचिव महेंद्र पाठक एवं जिला सचिव अजय सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि एससी एसटी के आरक्षण में वर्गीकरण पर भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया निर्णय एससी एसटी वर्ग के खिलाफ सामाजिक संगठनों द्वारा 21 अगस्त को सुबह 6 बजे से रात्रि 8 बजे तक सम्पूर्ण भारत बंद का सीपीआई पूर्ण समर्थन करती है.

भारत बंद : ओबीसी मंच ने किया समर्थन

रांची। झारखंड ओबीसी आरक्षण मंच के केंद्रीय अध्यक्ष कैलाश यादव ने एसटी एससी ओबीसी के तत्वावधान में 21 अगस्त को घोषित भारत बंद का झारखंड ओबीसी आरक्षण मंच ने समर्थन करने की घोषणा की है. कैलाश यादव ने कहा कि विगत दिनों सुप्रीम कोर्ट द्वारा एसटी एससी को कोटा में कोटा आरक्षण तय करने एवं क्रीमीलेयर लागू करने की बात कही गई थी. उसके बाद इस विषय पर देशभर में राजनीतिक दल, सामाजिक संगठनों एवं बहुसंख्यक लोगों के बीच जनाक्रोश फैला हुआ है. मालूम हो कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा फैसले के विरोध में केंद्र के मोदी सरकार को अविलंब विधेयक लाकर निरस्त करने की मांग की थी.

सिविल सेवा मुख्य परीक्षा के रिजल्ट को लेकर आक्रोश

जेपीएससी कार्यालय के समक्ष छात्रों का प्रदर्शन

जेपीएससी के मुख्यद्वार पर नारेबाजी करता आक्रोशित छात्रों का दल.

संवाददाता। रांची

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) द्वारा आयोजित 11वीं से 13वीं सिविल सेवा मुख्य परीक्षा के रिजल्ट प्रकाशन की मांग को लेकर मंगलवार को रांची में प्रदर्शन किया गया. 342 पदों के लिए आयोजित परीक्षा में शामिल छात्रों ने जेपीएससी गेट पर दिनभर प्रदर्शन किया. नाराज छात्रों ने सरकार और जेपीएससी से मुख्य परीक्षा का रिजल्ट आयोग के वर्तमान अध्यक्ष नीलिमा केरकेट्टा के कार्यकाल समाप्त होने से पहले जारी करने की मांग की. आयोग के अध्यक्ष का कार्यकाल 22 अगस्त को समाप्त हो रहा है. छात्रों का कहना था कि पिछले दिनों आयोग द्वारा जारी सूचना में कहा गया था कि अगस्त के दूसरे सप्ताह तक रिजल्ट जारी कर सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन किया जाएगा, लेकिन दूसरा सप्ताह बीत जाने के बाद भी रिजल्ट जारी नहीं किया गया है. प्रदर्शन के दौरान जेबीकेएसएस के देवेन्द्र नाथ महतो ने जेपीएससी कार्यालय के समक्ष उपस्थित होकर छात्रों का समर्थन किया. वहीं प्रदर्शन के दौरान सत्यनारायण शुक्ला, मयंक, सुधीर, चंदन समेत सैंकड़ों छात्र मौजूद थे.

खास बातें

- कल समाप्त होगा आयोग के अध्यक्ष का कार्यकाल
- अगस्त के दूसरे सप्ताह में भी जारी नहीं हो सका है रिजल्ट

बता दें मई 2022 को सातवीं-दसवीं के रिजल्ट प्रकाशन के डेढ़ साल बाद इस वर्ष 342 पदों के लिए 11वीं से 13वीं जेपीएससी सिविल सेवा का विज्ञापन निकाला गया. 17 मार्च को आयोजित पीटी परीक्षा में करीब 7000 छात्र सफल हुए. मुख्य परीक्षा में लगभग 5600 छात्र शामिल हुए. छात्रों को उम्मीद थी कि आयोग के घोषणा अनुरूप रिजल्ट अगस्त के दूसरे सप्ताह में आ जाएगा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं. ऐसे में छात्र लगातार मुख्य परीक्षा का रिजल्ट प्रकाशित करने की मांग को लेकर लगातार आवाज उठा रहे हैं.

गृहस्थ 26 और वैष्णव 27 को मनाएंगे श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

संवाददाता। रांची

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी तिथि को लेकर किसी तरह का संशय नहीं है. आचार्य और विद्वानों ने बताया कि 26 अगस्त को ही श्रीकृष्ण जन्म के सारे दुर्लभ संयोग मिल रहे हैं. इस कारण इसी दिन उत्सव मनाना शास्त्रसम्मत होगा.

गृहस्थ्य सोमवार को और वैष्णव 27 अगस्त को जन्माष्टमी मनाएंगे. इसको लेकर जोर-शोर से तैयारी चल रही है. मठ-मंदिरों में तो श्रद्धालु धूमधाम से लड्डू गोपाल का जन्मोत्सव मनाएंगे ही, शहर के प्रमुख चौक चौराहों से लेकर विविध धार्मिक और सामाजिक स्थलों पर भी भव्य आयोजन किए जाएंगे. दो दिनों तक पूरा शहर कृष्णमय रहेगा.

निशाकाल रात 11:26 से 01:46 तक : भादो मास की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में आधी रात को भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था. आचार्य अजय मिश्र ने बताया कि 26 अगस्त को यह दोनो ही संयोग मिल रहे हैं. इस दिन अष्टमी तिथि सुबह 08:20 से 27 अगस्त को सुबह 06:34 तक रहेगी. रोहिणी नक्षत्र रात 09:10 से मंगलवार रात 08:23 तक रहेगा. तिथि और नक्षत्र का संगम मध्य रात्रि नहीं हो रहा, जिस कारण शास्त्रानुसार सोमवार को ही उत्सव मनाया जाएगा. उन्होंने बताया कि निशाकाल में श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना अति फलदायी होती है. निशाकाल 11:26 से 01:46 तक है.

यहां होंगे भव्य आयोजन : राजधानी में यूं तो चहुंओर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर भव्य आयोजन किए जाएंगे, लेकिन अल्बर्ट एक्का चौक, हरमू मैदान, श्रीशिव महावीर मंदिर न्यास समिति, डोरंडा और मोरहाबादी मैदान में आयोजित कार्यक्रमो की बात ही कुछ और रहेगी.

विजयी गोविंदा टीम को एक लाख रु का इनाम

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति का उत्सव 26 अगस्त को शाम चार बजे बाल गोपाल झांकी प्रतियोगिता से शुरू होगी. इसमें 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चे ही भाग ले सकेंगे. प्रथम, द्वितीय, और तृतीय पुरस्कार के साथ सभी के बीच सांत्वना पुरस्कार भी बांटा जायेगा. महोत्सव के अंतिम दिन मंगलवार को शाम चार बजे से दही-हांडी फोड़ो प्रतियोगिता होगी. साथ ही बाहर से आए प्रसिद्ध कलाकार भजन और नृत्य-नाटिका का मंचन करेंगे. मीडिया प्रभारी प्रमोद सारस्वत ने बताया कि पुरुष गोविंदा को प्रथम एक लाख द्वितीय 41 हजार और तृतीय 21 हजार रुपये का नगद पुरस्कार दिया जायेगा. महिला गोविंदा को प्रथम 51 हजार, द्वितीय 21हजार पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे. उन्होंने बताया कि आयोजन स्थल को दुल्हन की तरह रंग-बिरंगी लाइटो से सजाया जायेगा.अध्यक्ष मुकेश काबरा ने लोगों से इसमें बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की है.

कल से विहंगम योग का 5101 कुंडीय विश्व शांति वैदिक महायज्ञ

संवाददाता। रांची

विहंगम योग का 5101 कुंडीय विश्व शांति वैदिक महायज्ञ गुरुवार से प्रारंभ हो जाएगा. प्रभात तारा मैदान, धुर्वा में स्थानीय और बाहर से आए बड़ी संख्या में अनुयायी सामूहिक रूप से विश्व शांति की कामनाएं करेंगे. सद्गुरु सदाफलदेव जी महाराज की 137वीं जन्म जयंती मनायी जाएगी. संदेश पत्रिका के संपादक सुखनंदन सिंह सदय ने बताया कि शाम चार बजे ध्वजारोहण से इसकी शुरुआत होगी. संत विज्ञानदेव जी 'अ' अंकित श्वेत ध्वज फहराएंगे. इसके बाद भजन संकीर्तन और प्रवचन होगा. अंतिम दिन 23 अगस्त को सुबह छह बजे से आसन-प्राणायाम प्रशिक्षण और सभा का आयोजन किया जाएगा. साथ ही स्वास्थ्य चेतना के बारे में जानकारी दी जाएगी.

कल आएंगे विज्ञानदेव जी

सद्गुरु सदाफलदेव जी के उत्तराधिकारी संत विज्ञानदेव जी गुरुवार को पधारेंगे. दिल्ली से यहां पहुंचने पर एयरपोर्ट में दिन के तीन बजे अनुयायी उनका भव्य स्वागत करेंगे. अगुवाई करते हुए यज्ञस्थल आएंगे. ध्वजारोहण के बाद विज्ञानदेव जी अनुयायियों को आशीर्वचन प्रदान करेंगे. भजन-संकीर्तन का कार्यक्रम देर शाम तक चलेगा.

कुरान शरीफ में है इंसानियत का पैगाम : मो. नकवी

संवाददाता। रांची

चेहल्लुम के अवसर पर अंसार नगर स्थित मस्जिद ए जाफरिया में इमाम ए हुसैन एवं शहीदाने कर्बला की याद में 10 दिवसीय मजलिस का आयोजन किया गया है. यह मजलिस 26 अगस्त तक चलेगी. इस मजलिस और चेहल्लुम के कार्यक्रम का आयोजन खानवादे (खानदान) मरहूम सैयद अनवर हुसैन द्वारा किया जा रहा है. मंगलवार को चौथे दिन मौलाना सैयद गुलाम अली नकवी ने मजलिस में खिताब फरमाते हुए कहा कि अरब के उस जमाने में जब लोग शेरो शायरी का शौक रखते थे और इतना ज्यादा शायरी में डूबे व खोए हुए थे की सुबह शाम शायरी किया करते थे. उसी जमाने में अल्लाह ने हजरत मोहम्मद (स.) के जरिये कुरान शरीफ जैसी किताब को पहुंचाया (नाजिल) किया अरब के लोग जो शायरी करते थे, वे अपने शौक या अपने दिल की खुशी के लिए किया करते थे, मगर उसका कोई लाभ इंसानों को नहीं था. लेकिन

खास बातें

- अंसार नगर में चेहल्लुम के अवसर पर मजलिस जारी
- 26 अगस्त को समाप्त होगी मजलिस, उसी दिन जुलूस

अल्लाह ने कुरान जैसी किताब को इसलिए भेजा, ताकि जिंदगी गुजारने का तरीका और इंसानियत का पैगाम पहुंच सके. उन्होंने कहा कि कुरान शरीफ में इंसानियत का पैगाम है. उसमें जिंदगी को गुजारने का जो तरीका बताया गया है, उसी तरीके को हुजूर ने अपनी जिंदगी के चलन से दुनिया को बताया और यह संदेश पहुंचाया कि यह किताब कयामत तक के लिए है, जिसमें हर दौर, हर हालात, हर परेशानी का हल मौजूद है. यह किताब सिर्फ मुसलमानों के लिए नहीं, बल्कि इंसानियत के लिए है. चाहे वह इंसान किसी भी धर्म का हो, जिसे जिंदगी गुजारने का सलीका व तरीका चाहिए व समाज में अमन, चैन-सुकून चाहिए वह इस किताब को पढ़े और उस पर अमल करें, ताकि एक अच्छी सोसाइटी और सुकून का माहौल बना सके. मौके पर समाज सेवी सैयद फराज अब्बास, नेहाल हुसैन सरैयावी, सुहैल सईद, डॉ एसएम अब्बास समेत बड़ी संख्या में शिया समुदाय के लोग शामिल थे. मालूम हो सोमवार 26 अगस्त को मातमी जुलूस निकाला जायेगा. इससे पूर्व इमाम हुसैन की याद में मजलिस आयोजित होगी. समाजसेवी सैयद फराज अब्बास ने बताया कि मेन रोड कश्मीर वस्त्रालय के सामने, विश्वकर्मा मंदिर लेन स्थित अनवर आर्केड से जुलूस दिन के 10 बजे निकलेगा.

सुर-भारती

संस्कृत सप्ताह के चौथे दिन सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन, संस्कृतमय हुआ पूरा वातावरण

संस्कृत को जीवंत रखना हमारी जिम्मेदारी : डॉ. अर्चना

संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय की मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) अर्चना दुबे ने कहा कि नृत्य, गीत और अन्य कला रूपों के माध्यम से संस्कृत भाषा को हमारी जिम्मेदारी है. डॉ. दूबे मंगलवार को संस्कृत सप्ताह के चौथे दिन मंगलवार को आयोजित प्रतियोगिता समारोह को संबोधित कर रही थीं. समारोह का आयोजन रांची विश्वविद्यालय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि के संस्कृत विभाग तथा संस्कृत भारती के संयुक्त तत्त्वावधान में किया गया था.

उन्होंने कहा कि इन कलाओं द्वारा हम संस्कृत के गहन विचारों और भावनाओं को सरल और सजीव रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं. विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि वे इन विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें और संस्कृत को समृद्ध बनाने में योगदान दें. विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में एकल गीत, सामूहिक गीत तथा एकल नृत्य जैसी प्रतियोगिताएं सम्मिलित थीं. इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्कृत भाषा के महत्व और इसकी समृद्ध धरोहर को उजागर किया. प्रतियोगिताओं ने वातावरण को संस्कृतमय बना दिया.

संस्कृत-नृत्य-गीत प्रतियोगिता के दौरान डॉ. अर्चना दुबे व अन्य.

एकल गीत प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विविध विषयों पर आधारित गीतों का प्रस्तुतीकरण दिया. प्रतियोगिता के अंतर्गत 'रत्नगर्भा धरा' गीत ने धरती की महिमा का गुणगान किया, वहीं 'मृदपि च चन्दनम्' गीत ने संस्कृत भाषा की मधुरता को स्वर दिया. सामूहिक गीतों के माध्यम से विद्यार्थियों ने संस्कृत की महिमा को नए कलेवर में प्रस्तुत किया. एकल नृत्य प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने नृत्य कौशल का प्रदर्शन किया. 'चन्द्रचूड शंकर' नृत्य ने भगवान शिव की महिमा का गुणगान किया, जिसमें उनकी चंद्रमा और त्रिशूलधारी स्वरूप की सुंदर प्रस्तुति की गई. 'अधरं मधुरम्...' नृत्य ने भगवान कृष्ण के शारीरिक अंगों की मधुरता को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया.

प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागी

एकल गीत प्रतियोगिता- प्रथम-सर्वोत्तमा कुमारी, द्वितीय-तनु सिंह, तृतीय-अनामिका भारती, सान्त्वना-कृति कुमारी, चन्दन कुमार, गरिमा कुमारी.
समूहगीत प्रतियोगिता- प्रथम- बाणभट्ट समूह (आयुष एवं शुभम) द्वितीय- दण्डी समूह (गरिमा, मोनिका, रिया), तृतीय- पाणिनि समूह (पल्लवी, काजल, होलिका, तनु, प्रेरणा), सान्त्वना- भास समूह (सुप्रिया, रीता रीना), श्रीहर्ष समूह (वर्षा, विमला, कृति, सर्वोत्तमा).
एकल नृत्य प्रतियोगिता- प्रथम-उदय कर्मकार, द्वितीय- अनामिका भारती, तृतीय-सर्जना राठौर, सान्त्वना-मेनका कुमारी एवं निकिता कुमारी.
प्रतियोगिता के निर्णायक : प्रतियोगिता के निर्णायक -डॉ. मधुलिका वर्मा, डॉ. भारती द्विवेदी एवं डॉ. चन्द्रमाधव सिंह. प्रतियोगिताओं का संयोजन डॉ.जगदम्बा प्रसाद ने किया.

न्यूज अपडेट

कुष्ठ रोगियों की खोज के लिए अभियान 28 से

पदाधिकारियों के साथ बैठक करते डीसी राहुल कुमार सिन्हा.

रांची। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक हुई, जिसमें कुष्ठ रोगी खोज अभियान के प्रथम चक्र के सफल क्रियान्वयन को लेकर चर्चा हुई. बैठक में सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने जानकारी देते हुए बताया गया कि 28 अगस्त से 13 सितम्बर 2024 तक (प्रथम चक्र) कुष्ठ रोगी खोज अभियान चलाया जाएगा. इस अभियान के तहत लोगों को कुष्ठ के लक्षण एवं इलाज के बारे जानकारी दी जाएगी. एमडीटी दवा के सेवन से कुष्ठ रोग का इलाज संभव है. इस अभियान के तहत टीम का गठन कर कुष्ठ रोग खोज अभियान चलाया जायेगा. बैठक में सिविल सर्जन, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ सीमा गुप्ता, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ सुदेश्वर बक्शी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, एवं स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा पदाधिकारियों एवं कर्मी उपस्थित थे.

संसई कैंची ने बच्चों को ट्रेनिंग में कई गुर सिखाये

मास्टर को शॉल, बुके एवं गिफ्ट प्रदान कर सम्मानित करते लोग.

रांची। बच्चों को मजबूत और उत्साहित करने के उद्देश्य से निर्मला कॉलेज डोरंडा में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जहां टोक्यो जापान से संसाई कैंची हतानो ने गोजो रिव्यू के बारीकियां के बारे में बताया. काटा एवं कुमते के नई तकनीक से बच्चों को अवगत कराया. बच्चों को ट्रेनिंग देते वक्त कैंची हतानो काफी उत्साहित दिखे, बच्चे भी उनसे सीख कर बहुत खुश हुए, और अपने डाउट को मास्टर से क्लियर किया. मास्टर अंग्रेजी भाषा जानते थे इसलिए बच्चे उनसे घुल मिल गए. कार्यक्रम के अंत में मास्टर को सॉल बुके एवं गिफ्ट से सम्मानित किया गया. बच्चों के साथ अभिभावक भी मास्टर के साथ फोटो खिंचवा कर काफी खुश हुए. इसके आयोजक कोसी एल नागेश्वर राव, सहयोग करने में सिंहा शहजाद कुरैशी ,सिंहा संदीप कुमार, मुकेश कुमार, स्वाति कुमारी, सूरज गोंद एवं रोहित भगत शामिल थे.

सितंबर में कराया जाएगा हरियाणा संघ का चुनाव

हरियाणा संघ की बैठक में शामिल संघ के सदस्य गण.

रांची। हरियाणा संघ का चुनाव सितंबर में कराया जाएगा. उक्त निर्णय मंगलवार को संघ की हुई बैठक में लिया गया. साथ ही सदस्यता अभियान चला ज्यादा से ज्यादा हरियाणा के लोगो को जोड़ने का निर्णय लिया गया. इसके लिए सर्वसम्मति से रमेश चंद्र शर्मा और विनोद जैन के नेतृत्व में 11 सदसीय संचालन समिति गठित भी गठित की गयी.प्रमोद सारस्वत ने बताया कि 31 अगस्त तक पूरजोर अभियान चला कर बड़ी संख्या में सदस्य बनाए जाएंगे. इसके बाद सितंबर माह में संघ का चुनाव होगा. उन्होंने लोगों से परिवार सहित संघ की सदस्यता ग्रहण करने की अपील की है. रमेश चंद्र शर्मा, लक्ष्मी चंद दीक्षित ,श्याम बिहारी गोयनका, सोमदत्त शर्मा, अरुण शर्मा, प्रमोद सारस्वत,अनिल अग्रवाल , बेदु छापड़िया, दीपेश निराला ,महेंद्र कुमार शर्मा, शिव भगवान अग्रवाल आदि मौके पर मौजूद थे.

कला संगम दुर्गा पूजा समिति का भूमि पूजन

भूमि पूजन करते कला संगम दुर्गा पूजा समिति के सदस्य.

रांची। कला संगम दुर्गा पूजा समिति, ढिबरी बाजार इस बार भी भव्य रूप में दुर्गोत्सव मनाएगी. इसके लेकर मंगलवार को भूमि पूजन की गयी. स्थानीय दुर्गा मंदिर के मुख्य पुजारी सौरव त्रिपाठी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन-अनुष्ठान संपन्न कराया. मुख्य संरक्षक शंकर दुबे, हीरा लाल साहू, महेंद्र जायसवाल, किशोर साहू, तारा चंद साहू,सिंघासन साहू ने मुख्य यजमान के रूप में हिस्सा लिया. हीरालाल ने बताया कि समिति के पदाधिकारी और सदस्यो ने कमर कस ली गयी है. बुधवार से जोर-शोर से तैयारी की जाएगी. उन्होंने बताया कि इस बार पूरे इलाके में आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ मनमोहक पंडाल बनाए जाएंगे. मां सहित सभी देवी-देवताओ की प्रतिमा की मनोहारी छटा देखते ही बनेगी. अध्यक्ष ओम प्रकाश गुप्ता मंटू,सचिव मनोज साहू, अनमोल सिंह, विजय गुप्ता, प्रभाकर गौतम, अजय मंडल, सुशील साहू, अद्वितीय राज, नमन भारतीय, बिनोद साहू, योगेश कुमार मौके पर मौजूद थे.

श्रीराणी सती मंडल 25 को मनायेगा 43वां वार्षिकोत्सव

रांची। मारवाड़ी भवन, हरमू रोड में 25 अगस्त को श्रीराणी सती दादी की भक्ति से सराबोर रहेगा. यहां श्रीराणी सती मंडल अपना 43वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाएगा. इसकी तैयारी जोर-शोर से चल रही है. मीडिया प्रभारी निर्मल बुधिया ने बताया कि इसके लिए आयोजन स्थल पर विशाल पंडाल बनाया जाएगा. पंडाल में सजा श्रीदादी और पंच देव का भव्य दरबार सबको मन भाएगा. सुबह से देर शाम तक भक्ति के विविध कार्यक्रम होंगे. स्थानीय और बाहर से आए प्रसिद्ध भजन गायक भजन रस धारा बहाएंगे. संयोजक सुशील केडिया ने बताया कि उत्सव की शुरुआत सुबह सात बजे गणेश पूजन से होगी. इसके बाद सूरत की पाठ वाचक सुरभि बीरजुका संग 501 महिलाएं राजस्थानी वेश-भूषा में मंगला पाठ का सस्वर उच्चारण कर श्रीदादी की जीवन गाथा गाएंगी. संध्या बेला कोलकाता के विजय सोनी और वाराणसी की पायल अग्रवाल भक्ति गीतों की गंगा प्रवाहित करेंगी. उपाध्यक्ष राजेंद्र केडिया ने बताया कि इसमें भाग लेने के लिए निबंधन कराना जरूरी है. इच्छुक मारवाड़ी भवन में रजिस्ट्रेशन करा कर प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकते हैं. निर्मल बुधिया ने श्रद्धालु से इसमें बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की है.

बरियातू हिल टॉप पब्लिक स्कूल में पौधरोपण

रांची। एक पेड़ एक जिंदगी अभियान के तहत सामाजिक संस्था शारदा फाउंडेशन ने बरियातू रोड स्थित हिल टॉप पब्लिक स्कूल में मंगलवार को पौधरोपण किया. फाउंडेशन ने विद्यार्थियों के साथ स्कूल परिसर में 51 पौधे लगाकर उसकी देखभाल, सेवा और रक्षा का संकल्प भी लिया. मुख्य अतिथि के रूप में बॉलीवुड अभिनेत्री व यूट्यूबर अंतरा दुबे उपस्थित थीं, जबकि स्कूल के निदेशक राजेश गुप्ता, प्राचार्या संगीता राज,उप प्राचार्या सुनीता श्रीवास्तव, समाजसेवी आशुतोष द्विवेदी, गोविंद यादव व जय श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे. मौके पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता के तहत सेमिनार भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया गया. आईएस जाकी, सीमा लाला, पूरबी राय, सिबानी, मौसमी भट्टाचार्य, सूर्यकांत, साधना, प्रियंका, सिम्मी, सरिता, निकिता राज, सबिता सिंह समेत कई स्कूल के शिक्षक- शिक्षिकाए एवं विद्यार्थी उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

स्वर्णरेखा नदी से युवक का शव बरामद

अनगड़ा। अनगड़ा थाना की पुलिस ने मंगलवार को सालहन स्थित स्वर्णरेखा नदी से अज्ञात युवक का सड़ा-गला शव बरामद किया. मृतक की उम्र लगभग 35 वर्ष बताई जा रही है. आशंका है कि हत्या कर शव को पानी में फेंक दिया गया है. अनगड़ा थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.

तिलता के एक दुकान में सेंधमारी कर चोरी

रातू। थाना क्षेत्र के तिलता सोडा फाउंटेन स्थित राजश्री इंटरप्राइजेज नामक दुकान में सेंधमारी कर चोरो ने दुकान में लगे इन्वर्टर,बैट्री, वेल्डिंग मशीन की क्वाइल व हैंड ड्रिल मशीन की चोरी कर कर फरार हो गये. घटना सोमवार रात की है. चोरो ने दुकान में लगे एयर कंप्रेशर मशीन को भी खोलने की कोशिश की परन्तु कामयाब नहीं हो सके.मामले को लेकर भुक्तभोगी सुनील कुमार सिंह ने रातू थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ़ प्राथमिकी दर्ज कराई है. जानकारी के मुताबिक भुनभोगी सुनील सिंह सोमवार की दोपहर दुकान का शटर लगाकर घर चले गये थे. मंगलवार सुबह 10:30 बजे दुकान खोला और पूजा करने के लिए मूर्ति के पास पहुंचा तो दुकान के दाहिने ओर की दीवार टूटा हुआ पाया.

चलती ट्रेन से गिरकर महिला घायल, रेफर

सिल्ली/मुरी। हटिया बर्दवान पैसेंजर ट्रेन से मुरी निवासी अनीता पाठक 47 वर्ष चलती ट्रेन से गिरने से घायल हो गई मुरी आरपीएफ के द्वारा प्राथमिक उपचार के लिए सिंगपुर नर्सिंग होम भेजा गया। जानकारी के अनुसार हटिया बर्दवान पैसेंजर ट्रेन से अनीता पाठक अपने भाई को राखी बांधकर रांची से मुरी लौट रही थी. इसी क्रम में ट्रेन मुरी स्टेशन एक प्लेटफॉर्म पर 9. 40 बजे पहुंची मगर अनीता को नींदआ गयी थी. जिसके चलते वह उत्तर नहीं पाई. ट्रेन खुलते ही उनकी नींद खुली तब तक ट्रेन स्टेशन से खुलकर धीरे-धीरे चल रही थी . वह स्टेशन देखते के साथ चलती ट्रेन से कूद पड़ी. जिससे वह घायल हो गई. स्टेशन पर तैनात ड्यूटी में आरपीएफ जवानों की नजर पड़ी.उचपार के लिए अस्पताल भेजा.

हाथियों के झुंड ने पांच एकड़ फसल को रौंदा

सोनाहातू। थाना क्षेत्र के हेसाडीह और बांधडीह गांव में सोमवार की रात 30-35 की संख्या में हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया है. हाथियों ने गांव के किसान भूतनाथ स्वांसी, प्रवीण स्वांसी और विश्वनाथ स्वांसी के लौकी और धान खेत को रौंद दिया है. पांच एकड़ खेत में लगी फसल नष्ट कर दी. वहीं वनरक्षी अभी हड़ताल पर हैं . इसलिए किसानों के खेत में वन विभाग का कोई अधिकारी-कर्मचारी निरीक्षण करने नहीं आया.

चापाटोली ने कोलांबी को 1-0 से हराया

रातू। तिगरा हिरानागपुर क्लब की ओर से आयोजित पांच दिनी फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में चापाटोली ने कोलांबी को 1-0 से पराजित कर दिया. बिजुलिया की टीम तीसरे और नदीटोली चौथे स्थान पर रही. पुरस्कार वितरण समारोह में अजय नाथ शाहदेव मुख्य अतिथि थे. उन्होंने विजेता और उप विजेता को क्रमशः 31 और 21 हजार, खस्सी, ट्रॉफी और जर्सी भेंट की. बिजुलिया को 10 हजार, नदी टोली को 7 हजार तथा एक-एक खस्सी और फुटबॉल दिया गया.

लातेहार जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र के बंदरलौरिया गांव की है घटना

घर पर गिरा पेड़, परिवार के तीन बच्चों की हुई मौत

संवाददाता। लातेहार

जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र के बंदरलौरिया गांव में मंगलवार की शाम रूपरु भुइयां के घर पर एक पेड़ गिरने से तीन बच्चों की मौत हो गई. मृतकों में अंशु कुमारी (10), रश्मि कुमारी (5) और लक्की भुईयां (3) शामिल हैं. तीनों बच्चे एक ही परिवार के थे. बताया जाता है कि शाम करीब पांच बजे बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे, इसी दौरान तेज आंधी चलने लगी. तेज आंधी को देख बच्चे घर के अंदर चले गए. इसी बीच घर के बाहर स्थित सेमर का पेड़ अचानक उनके खपरैल मकान के ऊपर गिर गया, जिससे मकान धराशायी हो गई और तीनों बच्चे मलबे में दब गए. घटना की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और मलबे को हटा कर बच्चों को बाहर निकला. लेकिन, तब तक बच्चों ने दम तोड़ दिया था. बाद में ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी. घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस पर पहुंची और तीनों बच्चों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि पुलिस घटना की जानकारी ले रही है.

बंदरलौरिया गांव में रूपरु भुइयां के घर पर गिरा पेड़.

खास बातें
- ग्रामीणों के मदद से बच्चों को मलबे से बाहर निकाला गया
- मृतकों में अंशु कुमारी, रश्मि कुमारी और लक्की भुईयां
- पुलिस ने तीनों बच्चों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

सनकी पति ने क्रूरता की हद पार की, पत्नी को मौत के घाट उतारा

पति ने कुदाल से काट कर पत्नी की हत्या की

सनसनी

संवाददाता। लोहरदगा

जिले में एक सनकी पति ने क्रूरता की हद पार करते हुए अपनी पत्नी को कुदाल से काट कर मौत के घाट उतार दिया. घटना भंडरा थाना क्षेत्र के मल्हार टोली में सोमवार रात की है. जानकारी के मुताबिक, बेनामी मल्हार का किसी बीत को लेकर अपनी पत्नी राखी देवी से विवाद हुआ था. बात इतनी बढ़ गयी कि उसने पत्नी की कुदाल से कई बार वार कर निर्ममता से हत्या कर दी. घटना को अंजाम देने के बाद रात में ही आरोपी घर छोड़ कर फरार हो गया.

बताया जा रहा है कि आरोपी के तीन बच्चे हैं, जो अपने मोहल्ले में ही स्थित नानी घर पर रात में सोए हुए थे. सुबह जब बच्चे घर आए, तो मां को घर के अंदर खून से लथपथ पाया. बच्चों की चीख सुन कर आस-पास के लोग जुटे, तो देखा कि राखी देवी मृत पड़ी हुई है. पड़ोसियों ने भंडरा थाना की पुलिस को घटना की सूचना दी. थाना प्रभारी अरविंद सिंह दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लोहरदगा भेज दिया. मृतका के मृतका के भाई ने भंडरा थाने में आवदेन देकर आरोपी बेनामी मल्हार के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया गया है.थाने में मामला दर्ज करने के बाद पुलिस फरार आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है. इधर घटना की सूचना क्षेत्र में आग की लपेटे की तरह फैल गई.

हत्यारोपी बेनामी मल्हार, मृतका राखी देवी (फाइल फोटो).

घटनास्थल पर जांच करती भंडरा थाना की पुलिस.

खास बातें
- वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पति फरार
- मृतका के भाई की तहरीर पर भंडरा थाने में केस दर्ज

मृतका के पिता बोले- दंपती में विवाद होता रहता था

मृतका के परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक, राखी देवी (35) की शादी 15 वर्ष पूर्व गुमला जिला अंतर्गत घाघरा थाना क्षेत्र के नौनी गांव के बेनामी मल्हार के साथ हुई थी, मृतका रेखा देवी और उसके पति बेनामी मल्हार भंडरा क्षेत्र के मल्हार टोली पहाड़ किनारे घर बनाकर अपनी और अपने तीन बच्चों के साथ जीवन-यापन करते थे.मृतका के पिता ने बताया कि दोनों के बीच अकसर विवाद होते रहता था. विगत दो माह पूर्व भी बेनामी ने राखी के साथ मारपीट की थी.

रोजगार सेवक ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया, केस दर्ज

मेदिनीनगर। हैदरनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में मणिशंकर मिश्रा नाम के रोजगार सेवक पर एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का आरोप लगा है. आरोपी और किशोरी दोनों एक ही गांव के हैं. पीड़िता ने हैदरनगर थाना में आरोपी रोजगार सेवक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है. थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने बताया है कि किशोरी के आवेदन पर आरोपी के खिलाफ बीएनएस एवं पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है. आवेदन में बताया गया है कि गांव के

रोजगार सेवक मणिशंकर मिश्रा ने 15 अगस्त के दिन उसका मुंह गमछा से बांध कर अपनी सोन नदी के पास झाड़ी में ले जाकर दुष्कर्म किया.

मुक-बधिर लड़की के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

हजारीबाग। इचाक थाना क्षेत्र में मुकबधिर लड़की के साथ बलात्कार करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. आरोपी की पहचान शिव कुमार महतो के रूप में हुई है. इस संबंध में पुलिस अधीक्षक ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि मुखबधिर लड़की के साथ बलात्कार के आलोक में पोक्सो एक्ट में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस उपाधीक्षक, मुख्यालय नीरज कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया, जिसने अल्प समय में ही कांड में शामिल अभियुक्त शिवशंकर कुमार उर्फ शंकर कुमार महतो को दबोचा है.

तालाब से अधेड़ का शव बरामद

मांडर। मांडर थाना क्षेत्र के बिसाहा खटंगा गांव के रहने वाले 41 वर्षीय रंजन टोप्पो नामक एक व्यक्ति का शव मंगलवार को मांडर पुलिस ने गांव के समीप तालाब से बरामद किया है. मिली जानकारी के अनुसार रंजन टोप्पो मंगलवार की सुबह लगभग आठ बजे शौच करने के लिए तालाब की ओर निकला था . कुछ देर के बाद गांव के ग्रामीणों ने रंजन के शव को तालाब में देख कर इसकी सूचना मांडर पुलिस को दी. पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया. पुलिस मामले जांच पड़ताल में जुटी हुई है.

कृषि वनोपज के उत्पादन बढ़ावा देना उद्देश्यःसौरभ

खलारी। खलारी कोयलांचल क्षेत्र के खलारी प्रखंड में सिदो-कान्हु कृषि वनोपज राज्य सरकारी संघ का प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. जिसकी अध्यक्षता जिला सहकारिता पदाधिकारी सहसचिव रविन्द्र कुमार दास ने किया. इस दौरान राज्य स्तरीय संघ के वरिष्ठ सलाहकार कुमार सौरभ ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य कृषि एवं वनोपज का उत्पादन संकलन, प्रसंस्करण अनुसंधान करना है. विकास की विभिन्न गतिविधियों को सहकारी आधार पर संगठित करना तथा क्रय विक्रय एवं वितरण की व्यवस्था को सुदृढ़ करनो है. उपस्थित लैम्पस अध्यक्ष, सचिव एवं प्रखंड क्षेत्र से आए किसानों को जागरूक करना है.कार्यशाला के माध्यम से झारखंड सरकार के माध्यम से चलाये जा रहे हैं बिरसा प्रधानमंत्री बीमा फसल योजना के बारे में भी सम्पूर्ण जानकारी दी गई. कार्यशाला में 50 से अधिक लैम्पस प्रबंधक, अध्यक्ष, प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान सहित अन्य कई लोगों ने भाग लिया. इस अवसर पर दिलीप पासवान, राहुल मुंडा, मोहम्मद इरफान, रजनीश भगत, कालेश्वर उरांव समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

सिल्ली की छात्राओं ने थाना प्रभारी की कलाई में बांधी राखी

थानाप्रभारी को राखी बांधती अमृता इंटरनेशनल विद्यालय की छात्राएं.

संवाददाता। सिल्ली/मुरी

सिल्ली थाना अंतर्गत अमृता इंटरनेशनल विद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षिकाओं के द्वारा मंगलवार को सिल्ली थाना प्रभारी मोहित कुमार को मस्तक में तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधा. कार्यक्रम के अंत में थाना प्रभारी द्वारा बच्चों को उपहार दिया गया. मौके पर विद्यालय के प्राचार्य बृज किशोर श्रीनाथ सिन्हा, शिक्षिका अनीता चौधरी, किरण महतो, श्वेता कुमारी, बरनाली चौधरी समेत अन्य लोग उपस्थित थे .

विधायक ने इटकी के कुंदी पंचायत में ग्रामीणों के साथ की बैठक,कहा

समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर बने ग्रामीण

संवाददाता। इटकी

मांडर विधान सभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि कोई भी समस्या का यदि त्वरित समाधान न हो तो वह जटिल और चुनौतीपूर्ण हो जाती है . लेकिन अपनी समस्याओं के समाधान के प्रति यदि ग्रामीणों ने गंभीर रवैया अपनाया तो इससे समाधान का मार्ग आसान हो जाती है. वेमंगलवार को इटकी प्रखण्ड के कुंदी पंचायत अंतर्गत ग्राम बिंधानी में ग्रामीणों के साथ बैठक कर रहे थे. बैठक को संबोधित करते हुए श्रीमती तिर्की ने कहा कि उनके साथ ही कांग्रेस के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता, ग्रामीणों की समस्याओं के प्रति बेहद संवेदनशील हैं. इस अवसर पर ग्रामीणों ने भी अपने विचार व्यक्त किये. मौके पर अबु माज, सुनील मिंज, पंचायत अध्यक्ष जूनस केरकेट्टा , रितेश, राजू , ग्राम प्रधान, सुनील उरांव , संगीता , ताहिर अंसारी, अबरार इमाम, अहमद अंसारी, अजय गोप, मंजर अंसारी, सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थिति थे.

ग्रामीणों ने वातचीत करतीं मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की.

उत्पाद विभाग ने स्प्रिट टैंकर को किया जब्त, अवैध शराब बनाने में होता इस्तेमाल

संवाददाता। रांची

उत्पाद विभाग ने ओरमांझी से पश्चिम बंगाल से स्प्रिट लेकर आ रहे टैंकर को जब्त किया. प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में आज मंगलवार की सुबह उत्पाद विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की है. साथ ही टीम ने दो लोगों को भी गिरफ्तार किया है. बताया जा रहा है, कि इस स्प्रिट का प्रयोग अवैध शराब बनाने में किया जाना था. लेकिन उत्पाद विभाग ने गुप्त सूचना के आधार पर पहले ही टैंकर को पकड़ लिया. बरामद किये गये स्प्रिट की कीमत लगभग बीस लाख बतायी जा रही है. इधर उत्पाद विभाग की टीम गिरफ्तार दोनों युवक से पूछताछ कर रही है और यह जानने का प्रयास कर रही है कि यह स्प्रिट को कहां सप्लाई किया जाना था. ताकि उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा सके.

न्यूज अपडेट

आदिवासी नाबालिग के साथ घर में घुसकर किया दुष्कर्म

चान्हो। थाना क्षेत्र की एक नाबालिग आदिवासी से उसके घर में घुसकर दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है. जानकारी मिलने पर चान्हो पुलिस ने आरोपी मीमशाद अंसारी को गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया है. पीड़िता द्वारा थाने में दिए गए आवेदन के अनुसार उसके पिता का निधन पहले ही हो चुका है. सोमवार की रात को उसकी मां बाहर गई थी और पीड़िता उसके आने के इंतजार में दरवाजा बिना बंद किए अंदर सो रही थी. इसी बीच नाबालिग को अकेला देख मीमशाद घर में घुस गया और जबरन उसके साथ दुष्कर्म कर मौके से फरार हो गया. बाद में पीड़िता ने घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी. थाना प्रभारी अजीम अंसारी ने बताया कि पोक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है. वहीं पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए रांची भेजा गया है.

भाई को राखी बांधने मायके आई नव विवाहिता लापता

रातू। रातू थाना क्षेत्र के चटकपुर ग्राम से नव विवाहिता लापता है .उसके पति अभिषेक कुमार ने रातू थाना में मंगलवार को आवेदन देखकर अपनी पत्नी के गुम होने के संबंध में सनहा दर्ज करने का अनुरोध किया है. अपने आवेदन में उसने कहा है कि उसकी शादी एक माह पूर्व ही हुई है. वह अपनी पत्नी दिव्या कुमारी को साथ लेकर उसके भाई अविनाश कुमार के घर चटकपुर उसे छोड़ दिया गया. सोमवार को पत्नी का दोनों नंबर बंद मिला तब उसने उसके भाई अविनाश को फोन किया तो उसने उसके किसी रिश्तेदार के घर जाने की जानकारी दी. पत्नी के नहीं लौटने तथा अविनाश के बार-बार अलग-अलग जानकारी देने पर उसे शक हुआ.वह स्वयं गया तो पाया कि उसकी पत्नी लापता है . अपने साथ अपने तथा मेरे जेवरात भी गई ले गई है.

सेवानिवृत्त शिक्षिका से 30 हजार की छिनतई

मांडर। थाना क्षेत्र के टांगरबसली स्थित एसबीआई के सामने से बाइक सवार दो उचक्के सेवानिवृत्त शिक्षिका से 30 हजार रुपये छीनकर फरार हो गए. घटना मंगलवार की दोपहर लगभग एक बजे की है. नरकोपी थाना क्षेत्र की मकुंदा निवासी सेवानिवृत्त शिक्षिका कुंती देवी बैंक से पैसा निकालकर जैसे बाहर निकली, हेलमेट लगाए एक उचक्का पहुंचा और पैसों से भरा बैग छीनकर साथी के साथ बाइक से फरार हो गया. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक सवार दोनों उचक्के घटना को अंजाम देने के बाद मांडर की ओर फरार हो गए. घटना की जानकारी मिलते ही मांडर पुलिस बैंक परिसर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों का सुराग लगा रही है.

बिरगोड़ा नदी पर बना बांस का डायवर्सन बहा

मांडर। बिरगोड़ा नदी में बनाया गया बांस का डायवर्सन तेज बारिश से सोमवार की देर रात पानी में बह गया. इससे पहले भी यहां बनाया गया डायवर्सन दो बार बह गया था. विभाग के निर्देश पर नदी में बांस के डायवर्सन का निर्माण कराया गया था. हालांकि विभाग द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि आवागमन के लिए ग्रामीणों को दूसरे विकल्प की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए. वहीं मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की द्वारा विद्यार्थियों के स्कूल आने-जाने में हो रही असुविधा को देखते हुए कई गांव से बस सुविधा मुहैया कराई गई है जिससे ग्रामीणों को काफी राहत पहुंचा है.

तमाड़ में ट्रैक्टर-बाइक में टक्कर, चार लोग घायल

तमाड़। थाना क्षेत्र के रुगड़ी नवाडीह के पास मंगलवार की शाम को ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में चार लोग घायल हो गए. घायलों में दो वर्षीय मासूम समेत माता, पिता और बेटी शामिल हैं. बताया जाता है कि बाइक सवार जीवन लोहरा, बिंदेश्वरी देवी, हासा कुमारी और करण लोहरा सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं. भुइयांडीह से बाइक से अपने घर झरगांव तमाड़ आ रहे थे. वहीं तमाड़ से भुइयांडीह की ओर से आ रहे ट्रैक्टर ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया. हादसे के बाद जेएलकेएम महिला मोर्चा केंद्रीय अध्यक्ष दमयंती मुंडा ने 108 एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल भिजवाया. तमाड़ सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद सभी को रिम्स भेज दिया गया.

स्कूल की महिला कर्मचारी ने पत्थर खदान में खुदखुशी की

रांचीः ब्रिजफोर्ड स्कूल की महिला कर्मचारी ने पत्थर खदान में कूदकर आत्महत्या कर ली. यह घटना जिले के तुपुदाना ओपी क्षेत्र स्थित ब्लू पौंड के नाम से फेमस पत्थर खदान में आज मंगलवार को घटी. घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को खदान से बाहर निकाला. इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. महिला ने किस वजह से आत्महत्या की है, इसका पता अभी तक नहीं चल पाया है. मौके पर कोई सुसाइड नोट की बरामद नहीं हुआ है. दूसरी ओर पुलिस की टीम मृतका के परिजनों से भी घटना के संबंध में पूछताछ की. लेकिन आत्महत्या के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पायी.

पहल 2026 तक शहर के खाद्य कचरे को बायो गैस में बदलने की टाटा यूएसआईएल ने बनाई योजना

केएसएमएस बायो गैस प्रणाली स्थापित करने वाला पहला स्कूल

- जमशेदपुर में प्रतिदिन लगभग 260 टन कचरा उत्पन्न होता है

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

स्थायी कचरा प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, टाटा स्टील यूआईएसएल ने जमशेदपुर में उत्पन्न होने वाले पूरे खाद्य कचरे को मार्च 2026 तक बायो गैस में बदलने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है. प्रबंध निदेशक रितुराज सिन्हा ने इस ऐतिहासिक पहल की घोषणा की, जिसमें शहर की कचरा प्रबंधन प्रणाली को बदलने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने की बायो-गैस उत्पादन की क्षमता पर जोर दिया गया. उन्होंने कहा कि अगर सब कुछ योजना के अनुसार होता है, तो जमशेदपुर अपने पूरे खाद्य कचरे को बायो-गैस में बदलने वाला पहला शहर बन जाएगा.

बायो गैस सिस्टम का उद्घाटन करते रितुराज सिन्हा व अन्य.

वर्तमान में जमशेदपुर प्रतिदिन लगभग 260 टन कचरा उत्पन्न करता है, जिसमें से 40% खाद्य कचरा होता है. सिन्हा ने इस कचरे को बायो-गैस में बदलने के महत्वपूर्ण लाभों को उजागर करते हुए कहा कि इससे समाज के लिए महत्वपूर्ण बचत हो सकती है. उन्होंने न केवल होटलों और रेस्तरां को, बल्कि व्यक्तिगत घरों को भी इस पहल में भाग लेने का आग्रह किया और इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया.

20 प्रतिष्ठानों में बायो गैस वेस्ट मैनेजमेंट स्थापित : टाटा स्टील यूआईएसएल की इस पहल को पहले से ही व्यापक समर्थन मिल रहा है और 20 प्रतिष्ठानों ने बायो गैस वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम स्थापित किया है. इनमें से पांच प्रमुख होटलों और रेस्तरां ने इस तकनीक को अपनाया है. मंगलवार को अकीनो लक्जरी होटल, दक्षिण भारतीय रेस्तरां दशा प्रकाश और केरल समाजम मॉडल स्कूल (केएसएमएस) में बायो-गैस सिस्टम का उद्घाटन किया गया. विशेष रूप से, केएसएमएस शहर का पहला स्कूल बन गया है जिसने अपने परिसर में बायो-गैस वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम अपनाया है, और इसने क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक उदाहरण स्थापित किया है.

स्वच्छ पर्यावरण बनाने में मदद मिलेगी मदद : टाटा स्टील यूआईएसएल के मुख्य डिविजनल मैनेजर एमएस शेखावत ने खाद्य कचरा प्रबंधन की चुनौतियों से निपटने में बायो गैस तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया.

सोनाहातू की छात्राओं ने दिल्ली जाकर राष्ट्रपति को बांधी राखी

संवाददाता। सोनाहातू/राहे

सोनाहातू की पांच छात्राओं ने दिल्ली जाकर राष्ट्रपति को राखी बांधा. जानकारी के अनुसार पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सोनाहातू की पांच छात्राएं सुमन कुमारी, संतोषी कुमारी, सीता कुमारी, लिया सिंह और राहे की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी स्वाति कुमारी रक्षाबंधन के दिन झारखंडी साड़ी के परिधान में राष्ट्रपति भवन पहुंचे और छात्रा लिया सिंह समेत सभी छात्राओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को हस्तनिर्मित राखी बांधी. साथ ही राहें की छात्रा स्वाति कुमारी ने विद्यालय में निर्मित पेंटिंग अपने हाथों से भेंट किया. जिसे राष्ट्रपति ने स्वीकार किया. झारखंड टीम के साथ राष्ट्रपति ने ग्रुप फोटोग्राफी भी कराई जिसमें सोनाहातू और राहे की छात्राओं को राष्ट्रपति के दाएं और बाएं बैठाया गया. छात्राओं के साथ विद्यालय की शिक्षिका सरोजिनी टोप्पो भी थी. मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भी मौजूद थे जिन्होंने छात्राओं से बात की, छात्राओं ने बतलाया कि ये पल उनके जीवन का स्वर्णिम क्षण था जिसे वो जिंदगी भर याद रखेगी. छात्राओं ने बतलाया कि वे पहली बार ऐसी ट्रेन में बैठी है और उनके माता पिता इतने गरीब है कि वे कभी दिल्ली भेजने का सोच भी नहीं सकते हैं, उन्होंने इसके लिए स्कूल प्रबंधन और शिक्षा विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया है.

राष्ट्रपति के साथ सोनाहातू की छात्राएं व अन्य.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय बहुत ही उत्तम है. आप दूसरों की मदद करने के लिए तैयार रहेंगे. पारिवारिक मेलजोल के लिया अच्छा दिन है. कार्यक्षेत्र में व्यर्थ की चिंताएं न करें. काम अपनी गति से चल रहा है और समय से समाप्त हो जाएगा. जीवनसाथी आपसे खुश होगा.

वृष धन मिलेगा पर पिता के स्वास्थ पर ध्यान दें. व्यावसायिक रूप से अच्छी प्रगति होगी. आपकी आमदनी बढ़ेगी और आर्थिक लाभ प्राप्त करने के नए रास्ते भी मिलेंगे. भाई-बहनों और बड़ों के साथ संबंध प्रेमपूर्ण रहेंगे.

मिथुन करियर लाइन बदलने के लिए उचित समय है. किसी नए रिश्ते की शुरुआत हो सकती है. यदि नया व्यापार आरम्भ करने का सोच रहे हैं तो लाभ होगा. दांपत्य जीवन में कुछ खुशी के पल आएंगे. शारीरिक परेशानी घेर सकती हैं.

कर्क काम में पूरा फोकस बनाए रखें. व्यवसाय के लिए दिन बहुत लाभकारी रहेगा. इसका पूरा फायदा उठाएं. खर्चों में बढ़ोतरी होने से आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर रहेगी. प्रियजनों के साथ संयम भरा व्यवहार रखें. स्वास्थ्य सामान्य रहेगा.

सिंह सुबह थोड़ा आलस रहेगा, पर पूरा दिन अच्छा रहेगा. आपके जीवन में नई ऊर्जा का संचार होगा. नए बिजनेस की शुरुआत करने के लिए आज का दिन शुभ है. किसी पुराने दोस्त से मुलाकात भी हो सकती है. प् किसी बात पर झगड़ा हो सकता है.

कन्या बच्चे खुशी लाएंगे. अचानक धन-प्राप्ति हो सकती है. कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति बेहतर रहेगी. सहकर्मियों का सहयोग प्राप्त होगा.समय पर चीजों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करना होगा. जल्दबाजी में निर्णय न लें.

तुला कारोबार में बड़ी सफलता हाथ लगेगी. सेहत से जुड़ी परेशानियां दूर होंगी. पुराने रुके हुए काम बनेंगे. सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों की पदोन्नति हो सकती है. परिवार में अच्छा माहौल रहेगा. प्रियजनों के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा.

वृश्चिक कार्यक्षेत्र में नौकरी मिलने के आसार हैं. अपने वेतन और अपनी प्रतिष्ठा को लेकर कोई समझौता न करें. नौकरी में तरक्की के योग हैं. अविवाहितों के लिए दिन अच्छा है. स्वास्थ्य सामान्य रहेगा. पेट से संबंधित कुछ कठिनाई हो सकती है.

धनु किसी दूर के रिश्तेदार से मुलाकात हो सकती है. इंजीनियर्स के लिए दिन फायदेमंद रहेगा. दिन स्टूडेंट्स के लिए अच्छा रहेगा. आपके आर्थिक पक्ष में स्थिरता रहेगी. यदि करियर लाइन बदलना चाहते हैं तो यह उचित समय है.

मकर समय अनुकूल नहीं चल रहा हैं. नए और बड़े निवेश से बचें. वैवाहिक जीवन में कुछ परेशानियां उत्पन्न हो सकती है. प्रेम संबंधों के लिए यह समय उपयुक्त नहीं है. स्वविवेक से काम लें और क्रोध में आकर संबंधों को खराब न करें.

कुंभ सेहत शानदार रहेगी. लवमेट के लिए दिन अच्छा रहेगा. अविवाहितों को आज विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं. अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल होंगे. कारोबार में आकर्षक डील मिल सकती है. प्रियजनों से मुलाकात होगी.

मीन नए कार्य पर खर्च होगा पर व्यवसाय में नए अवसर मिलेंगे. उन्नति और तरक्की के योग हैं. धन लाभ के अवसर मिलेंगे. कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे. जल्दबाजी में कोई कार्य न करें. बेरोजगार लोगों को अच्छी जॉब मिल सकती है.

स्ट्रीट लाइटों से सजाया जा रहा है कौलेश्वरी मंदिर को

गिद्धौर(चतरा)। गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय अंतर्गत कालेश्वरी मंदिर प्रांगण में रोड बनाने से लेकर मंदिर समिति द्वारा अब स्ट्रीट लाइट लगाया जा रहा है. उक्त नेक कार्य में समिति के लोग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं. लोगों ने बताया कि लगभग 27 स्ट्रीट लाइट लगाया जा रहा है. इसकी लागत लगभग 130000 रुपया है. जिसका सिस्टम ऑटोमैटिक होगा. जो शाम 6ः00 बजे से सुबह 6ः00 तक लाइट ऑटोमैटिक जलेगी. जिससे रात के अंधेरे में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होगी, साथ ही विवाह, जग मेला में रात के अंधेरे का सामना नहीं करना पड़ेगा. इस कार्य में मुख्य रूप से मंदिर समिति के निरंजन दांगी, राजेश दांगी, विनोद दांगी, लखन दांगी, आशीष कुमार, कपिल कुमार आदि अहम भूमिका निभा रहे हैं.

नव युवा गणपति क्लब की हुई बैठक, अध्यक्ष बने राहुल दांगी

पत्थलगड़ा (चतरा)। पत्थलगड़ा प्रखंड के नावाडीह में नवयुवक गणपति क्लब नावाडीह-बाजोबार की मंगलवार को बैठक हुई. जिसकी अध्यक्षता फूलचंद दांगी व संचालन समाजसेवी रामचंद्र दांगी ने किया. बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई. साथ ही गणपति पूजा को सफल बनाने को लेकर क्लब का गठन करते हुए सर्वसम्मति से अध्यक्ष राहुल कुमार दांगी, उपाध्यक्ष बैजनाथ दांगी, सचिव श्रवण कुमार, कोषाध्यक्ष कृष्णा दांगी को मनोनीत किया गया. साथ ही पूजा की रूपरेखा बनाई गई. मौके पर विश्वजीत कुमार, राजू दांगी, सुनील कुमार, नरेश दांगी, संजय दांगी, पवन कुमार, नवरत्न कुमार आदि उपस्थित थे.

लोहरदगा जिला कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष ने राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे को पत्र लिख डॉ रामेश्वर उरांव की शिकायत की

जिस नेता ने भगत को हराने की कोशिश की, उसे ही अपना प्रतिनिधि बना लिया

- मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव को कांग्रेस विधायक दल के नेता पद से अविलंब हटाने की मांग रखी

संवाददाता। रांची/ लोहरदगा

लोहरदगा जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार साहू ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र भेज कर लोहरदगा विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव पर पार्टी संविधान के खिलाफ काम करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस विधायक दल के नेता पद से हटाने की मांग की है. साहू ने पत्र में लिखा है कि कुछ दिन पहले आपने लोहरदगा विधायक डॉ रामेश्वर उरांव को झारखंड कांग्रेस विधायक दल का नेता मनोनीत किया था, लेकिन डॉ उरांव ने पार्टी की गरिमा के विपरीत जाकर कांग्रेस संविधान के खिलाफ काम किया है. लोकसभा चुनाव में अफसर कुरैशी ने कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत को हराने के लिए निर्दलीय प्रत्याशी चमरा लिंडा के लिए काम किया था और इसका प्रमाण भी मौजूद है. लेकिन मंत्री डॉ उरांव ने उसी अफसर कुरैशी को अपना प्रतिनिधि मनोनीत किया है. उनके इस कृत्य से लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता काफी गुस्से में हैं.

कांग्रेस अध्यक्ष को लिखा पत्र.

कांग्रेस कार्यकर्ताओं के मुंह पर तमाचा मारने का काम किया है

पत्र में आलोक साहू ने लिखा है कि जो नेता कांग्रेस प्रत्याशी को हराने की कोशिश कर हम सभी के नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री नहीं बनने देना चाहते हैं, उस अफसर कुरैशी को डॉ रामेश्वर उरांव ने अपना मंत्री प्रतिनिधि बनाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के मुंह पर तमाचा मारने का काम किया है. ऐसे भी पहले सार्वजनिक रूप में डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा था कि हम राहुल गांधी को अपना नेता नहीं मानते हैं. आलोक ने लिखा है कि दो-ढाई महीने बाद झारखंड विधानसभा का चुनाव होना है. ऐसे में कांग्रेस संविधान के खिलाफ काम कर पार्टी को कमजोर करने का काम करनेवाले नेता का समर्थन करनेवाले मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव को विधायक दल का नेता बने रहने देना कहीं से भी उचित नहीं है.

पार्टी के स्थानीय नेताओं में है भारी आक्रोश

कांग्रेस नेता ने अपने पत्र में आगे लिखा है कि डॉ रामेश्वर उरांव को विधायक दल का नेता बनाये जाने से लोहरदगा जिला के कांग्रेस नेताओं- कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है. यदि उन्हें शीघ्र विधायक दल के नेता पद से नहीं हटाया गया, तो इसका असर विधानसभा चुनाव में देखने को मिलेगा. कांग्रेस कार्यकर्ता ही मिलकर पार्टी प्रत्याशी की मुखालफत कर देंगे, जिसका खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ सकता हैउन्होंने अध्यक्ष से आग्रह करते हुए लिखा है कि संगठन हित को देखते हुए और कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा करने के लिए डॉ रामेश्वर उरांव को विधायक दल के नेता के पद से अविलंब हटाया जाए.

झारखंडी खतियानी संघर्ष समिति की सभा में बोले जयराम महतो

राज्य में कोई नीति नहीं होने से स्थानीय लोग हुए विस्थापित

संवाददाता। खूंटी

जल, जंगल और जमीन की बात करने वाली हेमंत सरकार के कार्यकाल में नदियों से बालू निकालकर उसकी तस्करी की जा रही है. राज्य में कोई नीति नहीं होने के कारण स्थानीय लोग विस्थापित हो रहे हैं. वर्तमान सरकार में जितनी लूट हुई है, उतनी किसी सरकार में नहीं हुई है. ये बातें मंगलवार को हिल चौक स्थित भारत माता विवाह मंडप में झारखंडी खतियानी संघर्ष समिति की आयोजित सभा में बतौर मुख्य अतिथि जयराम महतो ने कही. जयराम महतो ने कहा कि यहां जिसकी भी सरकार बनी है, उसने सिर्फ स्थानीय मूलवासियों के हक और अधिकार बेचने का काम किया है. अपनी रक्षा और सम्मान के लिए एक हूल आंदोलन जरूरी है. उन्होंने कहा कि यहां के निवासी गंदी राजनीति के कारण अपना हक और अधिकार से वंचित हो रहे हैं. सिदो-कान्हू ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ हूल आंदोलन कर शोषण, महाजनी प्रथा समेत अन्य कुप्रथाओं के खिलाफ आंदोलन किया था, आज यहां भी ऐसे ही आंदोलन की जरूरत है. उन्होंने कहा कि आपको अपनी मानसिकता को बदलने की जरूरत है. बाहर से आकर कुछ लोग यहां की जमीन पर अधिकार जमाकर बैठे हैं. मौके पर सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण और समर्थक मौजूद थे.

सांसद आवास पर मनाई गई राजीव गांधी की जयंती

खूंटी। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रवि मिश्रा की अध्यक्षता में और सांसद कालीचरण मुंडा की उपस्थिति में मंगलवार को खूंटी जिला कांग्रेस कमेटी ने भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की 80वीं जयंती सांसद के आवासीय कार्यालय में मनाई. सांसद कालीचरण मुंडा, जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा से सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये. सदर अस्पताल में मरीजों के बीच फलों का वितरण किया गया.मौके पर सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि राजीव गांधी की सोच का ही नतीजा है कि आज संपूर्ण भारत देश अनेकता में एकता का दृश्य देख रहा है. सांसद ने कहा कि उनके त्याग से ही आज देश प्रगति की ओर लगातार अग्रसर है.

डीसी रविशंकर शुक्ला ने लाभुकों को किया सावधान

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के संदर्भ में आ रहे हैं फर्जी कॉल

संवाददाता। आदित्यपुर

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के संदर्भ में फर्जी कॉल आ रहे हैं. सूचना आ रही है कि कई लाभुकों के मोबाइल नंबर पर योजना को लेकर कॉल आ रहे हैं जो पूरी तरह से फर्जी हैं. यह बातें डीसी सरायकेला रविशंकर शुक्ला ने कही है. उन्होंने सावधान करते हुए योजना के तहत निबंधित बहन-बेटियों से आग्रह किया है कि योजना के संदर्भ में या राशि हस्तांतरण से संबंधित कॉल आने पर ओटीपी या अपने बैंक खाते से संबंधित जानकारी कॉल करने वाले के साथ साझा कदापि नहीं करें. उन्होंने बताया कि झारखंड सरकार इस योजना को लेकर किसी तरह का कॉल नहीं कर रही है. अतः आप सभी सतर्क रहें और ऐसे कॉल आने पर अपने बैंक खाता की जानकारी नहीं दें. उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ रहे ऑनलाइन फ्रॉड से बचना बहुत जरूरी है. कई लोग मैसेज या फर्जी कॉल करके फ्रॉड कर रहे हैं. एसएमएस, व्हाट्सएप, मेल या टेलीग्राम के जरिये भी मैसेज आ सकते हैं, इसलिए आप सभी से आग्रह है सावधान रहें. उन्होंने बताया कि झारखंड पुलिस ऐसे मामलों को लेकर सतर्क हैं. किसी प्रकार की सूचना मिलने पर तुरंत एक्शन लेते हुए फर्जी कॉलर को चिन्हित करने का कार्य करें.

रविशंकर शुक्ला,डीसी सरायकेला

हेमंत सरकार में आदिवासी और महिलाएं सुरक्षित नहीं : विकास

संवाददाता। पलामू

भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष सह पलामू प्रमंडल के नवनियुक्त प्रभारी विकास प्रीतम सिंह मेदिनीनगर पहुंचे. जिला कार्यालय में पलामू एवं गढ़वा के प्रमुख नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ परिचयात्मक बैठक की. 23 अगस्त को रांची के मोरहाबादी मैदान में होने वाले युवा आक्रोश रैली की तैयारी को लेकर चर्चा की. साथ ही पत्रकार को भी संबोधित किया. प्रमंडलीय प्रभारी ने कहा कि झारखंड में हेमंत सोरेन के राज में लूट एवं भ्रष्टाचार चरम पर है. 2019 चुनाव में जनता से जो वादे करके हेमंत सोरेन सत्ता पर काबिज हुए, उन वादों को अभी तक पूरा नहीं किया है. 5 लाख युवाओं को प्रतिवर्ष नौकरी देने के वादे से सरकार मुकर गई, जिससे राज्य में पलायन बढ़ गया है. आदिवासियों के नाम पर सरकार चलाने का ढोंग करने वाले हेमंत सोरेन के राज्य में न आदिवासी सुरक्षित हैं न महिलाएं. विकास की जगह राज्य में ट्रांसफर पोस्टिंग उद्योग चल रहा है. झारखंड की ठगबंधन सरकार की ना कोई नीति है ना विकास के लिए कोई नियत. युवा, महिला, किसान आक्रोशित हैं. इन्ही सब सवालों को लेकर 23 अगस्त को रांची चले. आने वाले समय में इस सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकने का संकल्प लेंगे.

बैठक करते विकास सिंह व अन्य

गोली मारकर हत्या करने के मामले में तीन दोषियों को उम्र कैद की सजा

कोडरमा। जमीन विवाद में गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा की अदालत ने मंगलवार की जमाल मियां, रोशन पांडे एवं शेखर विश्वकर्मा उर्फ चंद्रशेखर शर्मा को 302/34 आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई. साथ ही 10 हजार जुर्माना भी लगाया. जुर्माना की राशि नहीं देने पर 6 माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी. वही न्यायालय ने जमाल मियां, पिता महबूब मियां को आर्म्स एक्ट 25 (1) ए में दोषी पाते हुए पांच वर्ष की सजा सुनाई है. साथ ही पांच हजार जुर्माना लगाया है. सभी सजाएं साथ-साथ चलेगी. मामला वर्ष 2019 का है. इसे लेकर कोडरमा थाना कांड संख्या 83/19 दर्ज किया गया था. अभियोजन का संचालक लोक अभियोजक पीपी एंजेलिना वारला ने किया.

भाजयुमो की 23 को रांची में विशाल आक्रोश रैली

मुख्यमंत्री आवास घेराव के लिए हजारों कार्यकर्ता रांची पहुंचेंगे : कोचे मुंडा

बैठक करते तोरपा विधायक कोचे मुंडा व अन्य.

संवाददाता। खूंटी

राज्य की निकम्मी और भ्रष्ट सरकार को सत्ता से हटाने के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा 23 अगस्त को रांची में विशाल आक्रोश रैली निकाली जायेगी और मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा. युवा आक्रोश रैली में तोरपा विधानसभा क्षेत्र से चार हजार से अधिक कार्यकर्ता भाग लेंगे. ये बातें तोरपा के विधायक कोचे मुंडा ने मंगलवार को तोरपा स्थित नगर भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही.

विधायक ने कहा कि रैली के माध्यम से हेमंत सोरेन सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया जाएगा. उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने जनता से किया एक भी वादा पूरा नहीं किया. कोचे मुंडा ने कहा कि इस सरकार के शासनकाल में बिना घुस दिये किसी सरकारी कार्यालय में कोई भी काम नहीं हुआ. उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान घोषणा की थी कि साल में पांच लाख लोगों को रोजगार दिया जाएगा, पर इसे सरकार पूरा नहीं कर सकी. उन्होंने कहा कि झूठे वादे कर वर्ष 2019 के चुनाव में सत्तासीन होते ही लूट-खसोट में लग गई और झारखंड को बर्बाद का दिया.

डीपीएस बोकारो की विद्यार्थियों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की मुलाकात

बच्चों ने राष्ट्रपति संग रक्षाबंधन की खुशियां साझा कीं

- बच्चों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मू के साथ राष्ट्रीय गीत भी गाया
- प्राचार्य डॉ. गंगवार के नेतृत्व में महामहिम को भेंट की उनकी पेंटिंग

संवाददाता। बोकारो

दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो के विद्यार्थियों के लिए इस बार रक्षाबंधन का त्योहार अनूठा और हमेशा के लिए यादगार बन गया. शिक्षा, खेलकूद और कला के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने वाले कुल चार विद्यार्थियों की टीम अपने प्राचार्य डॉ एएस गंगवार के नेतृत्व में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिली. बच्चों ने रक्षा बंधन का त्योहार राष्ट्रपति भवन में महामहिम द्रौपदी मुर्मू के साथ मनाया. इस अवसर पर स्कूल के बच्चों ने राष्ट्रपति से रक्षाबंधन की खुशियां साझा कीं. राष्ट्रपति को राखियां और विद्यालय की ओर से उनकी एक आकर्षक पेंटिंग भी भेंट की गई, जिसे उन्होंने खूब सराहा. राष्ट्रपति भवन से स्वीकृति एवं विशेष आमंत्रण के पश्चात गई विद्यालय की टीम में प्राचार्य डॉ एएस गंगवार, प्रधानाध्यापिका प्रीति सिन्हा तथा विद्यार्थियों में कक्षा 9 से अन्वेषा शर्मा, अनन्या सिंह व प्रीतम सागर तथा कक्षा 10 के छात्र आदि आयुष्मान शामिल रहे. गर्व के इस अविस्मरणीय अनुभव पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है. राष्ट्रपति भवन से लौटे बच्चों ने मंगलवार को प्राचार्य डॉ गंगवार को पुष्पगुच्छ भेंटकर यह सुखद अवसर प्रदान करने के लिए उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ डीपीएस, बोकारो के बच्चे.

28वें स्थापना दिवस पर स्कूल आई थीं महामहिम : उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू वर्ष 2015 में 02 जुलाई को डीपीएस बोकारो के 28वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पहुंची थीं1 उस समय वह झारखंड की राज्यपाल थीं. सोमवार को राष्ट्रपति भवन में रक्षा बंधन कार्यक्रम के दौरान जैसे ही विद्यालय के बच्चों ने उन्हें उनकी पेंटिंग दी. उसके नीचे लिखे डीपीएस बोकारो पर उनकी नजर गई. इस पर वह मुस्कुरा उठीं और उनके साथ बातचीत में इस स्मृति पर भी चर्चा हुई. प्राचार्य डॉ गंगवार ने इसकी चर्चा की तथा महामहिम ने विशेष प्रसन्नता व्यक्त की. उन्होंने कहा इतनी दूर से आपलोग आए, अच्छा लगा. उन्होंने हिन्दी में ही बच्चों के साथ बातचीत की और उन्हें बेहतर करने के लिए प्रेरित किया. इसके बाद डीपीएस बोकारो सहित देशभर के विभिन्न राज्यों के अलग-अलग विद्यालयों से पहुंचे सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने महामहिम के साथ राष्ट्रगान गाने का भी गौरव प्राप्त किया. उन्होंने महामहिम के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं. कार्यक्रम में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और जयंत चौधरी सहित स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार एवं शिक्षा मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे.

लापरवाही जयनगरा मिडिल स्कूल जाने के दौरान गायब होने के 22 दिन बाद भी कोई पता नहीं

एफआईआर के 19 दिन बाद भी नहीं मिला लड़की का सुराग

संवाददाता। कांडी(गढ़वा)

थाना क्षेत्र के भुड़वा गांव निवासी एक छात्रा के जयनगरा मिडिल स्कूल जाने के दौरान गायब होने के 22 दिन बाद भी कोई अता पता नहीं है. कांडी थाना पुलिस को भी एफआईआर के 19 दिन बाद भी छात्रा का कोई सुराग नहीं मिला. हालांकि पुलिस ने उस नाबालिग के अपहरण व पोक्सो एक्ट के मामले में जयनगरा गांव निवासी एक युवक को गिरफ्तार कर 3 अगस्त 2024 शुक्रवार को ही जेल भेज दिया है. इस मामले में छात्रा के पिता ने 2 अगस्त को अपनी पुत्री सुमन कुमारी (बदला हुआ नाम) के अपहरण करने व प्यार के जाल में फंसाने का आरोप लगाते हुए थाना में आवेदन दिया था. उक्त लड़की मध्य विद्यालय जयनगरा के वर्ग आठ में पढ़ती है. वह मंगलवार को पौने नौ बजे स्कूल ड्रेस में घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी. उसके हाथ में एक दो किताब कॉपी भी थी. जिसे उसने गांव के ही बांस की बंसवारी में फेंक कर पैदल ही दक्षिण की ओर चली गयी थी. काफी खोजबीन के बाद भी अभी तक उसका कोई अता पता नहीं चल सका है.

लड़की के पिता ने थाना में आवेदन देकर जयनगरा गांव निवासी सुभाष पासवान के पुत्र धीरज कुमार पासवान 19 वर्ष के खिलाफ अपनी लड़की का अपहरण करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उक्त युवक को गिरफ्तार कर थाना ले गयी. पूछताछ करने व मोबाईल की जांच करने पर लड़की के साथ उस लड़के की जान पहचान व प्रेम संबंध होने का साक्ष्य मिला था. उसके बाद पुलिस ने उक्त लड़का को 3 अगस्त को जेल भेज दिया था. लेकिन अभी तक उक्त लड़की का कोई पता नहीं चल सका. लड़का व लड़की के बीच में प्रेम है इसका भंडाफोड़ सोमवार 29 जुलाई 2024 को स्कूल में ही हुआ था. जब उक्त लड़की वर्ग पांच में पढ़ने वाले एक लड़के को जो उक्त लड़का का पड़ोसी है को एक चिठ्ठी दे रही थी. जिसे स्कूल के शिक्षक देख लिए और उस चिठ्ठी को उस लड़का से छीनकर जब्त कर लिए. उसके बाद लड़की के पिता को स्कूल में बुलाकर मामले की जानकारी दी गयी थी. इस विषय में थाना प्रभारी गुलशन कुमार गौतम ने बताया कि लड़की की बरामदगी के लिए पुलिस लगातार खोजबीन में जुटी है. लेकिन अभी तक पता नहीं चला है. मामले से जुड़े दो व्यक्तियों - लड़की व एक अन्य के मोबाइल का कॉल डीटेल रिपोर्ट (सीडीआर) निकालने के लिए भी टेक्निकल सेल में भेजा गया है. रिपोर्ट मिलने के बाद परिणाम सामने होगा.

मेघातरी में आपदा प्रभावित परिवारों से मिला सीपीएम का प्रतिनिधिमंडल

संवाददाता। कोडरमा

कोडरमा सदर प्रखंड अंतर्गत मेघातरी पंचायत के कुसाहना में चेकडैम टूटने के कारण प्रभावित लोगों से मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को मिलकर व घर-घर दौरा कर स्थिति का जायजा लिया. उल्लेखनीय है कि रविवार की सुबह भारी बारिश के कारण कुसाहना में पचास साल पुराना चेकडैम टूट गया था. इसके कारण दर्जनों घरों में पानी घुस गया और उन घरों के अनाज, बर्तन, गाय, बकरी, बिछावन और खटिया तक पानी में बह गए. राहड़, मकई जैसे फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है. खेती की जमीनें रेत से भर गया और खेत खराब हो गया. प्राथमिक विद्यालय कुसाहना में भी पानी घुस जाने और क्लास रूम में कीचड़ होने के कारण बच्चों का पढ़ाई भी बाधित हो गया है. इस प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए सीपीएम की फैक्ट फाइडिंग टीम परिवार के मुखिया, महिलाएं आदि लोगों से मिलकर घटना की जानकारी ली.

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे माकपा के जिला सचिव असीम सरकार ने कहा कि यह प्राकृतिक आपदा कोडरमा जिला जैसे जगह के लिए बड़ी आपदा है. कुसाहना में गरीब, दलित और पिछड़े लोग रहते हैं. जो डेली मजदूरी कर और ढिबरा चुनकर अपना रोजी रोटी चलाते हैं.

पीएम के यूक्रेन दौरे का महत्व

रूस की यात्रा के बाद अब प्रधानमंत्री यूक्रेन की राजधानी कीव जा रहे हैं. कीव पहुंचने के पहले वे दो दिन पोलैंड में रहेंगे. 45 सालों बाद कोई भारतीय प्रधान मंत्री पोलैंड की यात्रा पर है. मोदी की रूस यात्रा को ले कर पश्चिमी देशों का संशय सामने आया था. यूक्रेन के नेता जेलेंस्की ने तो यहां पुतिन मोदी की मुलाकात पर सख्त एतराज जताते हुए कठोर टिप्पणी कर दी थी. जेलेंस्की की टिप्पणी को कूटनीतिक मर्यादाओं से परे माना गया था. दरअसल भारत और अमेरिका के संबंधों के बीच रूस के त्रिकोण को ले कर पश्चिमी मीडिया में कई तरह की टिप्पणियां की गयीं. इस समय रूस और चीन पश्चिमी देशों के निशाने पर हैं. कूटनीतिक गलियारों में इस बात की भी चर्चा है कि भारत और चीन के व्यापार संबंध पहले से कहीं ज्यादा परिपक्व होते जा रहे हैं. भारत के विदेश मंत्री ने भी संकेत दिया है कि भारत चीनी निवेश को ले कर कठोर नहीं है. यह स्वागतयोग्य माना जा रहा है कि भारत सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूक्रेन को लेकर उम्मीदों और अटकलों का बाजार ठंडा करने की कोशिश की है. 23 अगस्त को होने वाली मोदी की इस यात्रा की पुष्टि 19 अगस्त को की गई. उसी रोज भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने मीडिया ब्रीफिंग में यह स्पष्ट किया कि इस यात्रा का मकसद यूक्रेन और रूस के बीच प्रत्यक्ष मध्यस्थता करना नहीं है. उधर पश्चिमी कूटनीतिज्ञों ने संभावना जताई है कि भारत दोनों देशों के बीच संदेशों के आदान-प्रदान का माध्यम बन सकता है. विदेश मंत्री एस जयशंकर पहले कुछ मौकों पर यह कह चुके हैं कि भारत ने संवेदशवाहक की भूमिका निभाई है. काला सागर अनाज समझौते और जापोरिझिया परमाणु संयंत्र के मुद्दे पर ऐसा रोल भारत ने निभाया था. जयशंकर ने कहा था- 'हम वो देश हैं, जिसने रूसी नेताओं के साथ यूक्रेन युद्ध मुद्दे पर खुल कर और दो टूक बात की है. अब यह बात बहुत से लोगों को नागवार गुजर सकती है कि भारत की भूमिका विभिन्न देश आज एक संदेशवाहक के रूप में देखते हैं. फिलस्तीन में गाजा नरसंहार और यूक्रेन युद्ध आज दुनिया में दो सबसे बड़े मसले हैं. यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने के लिए कई हलकों से फॉर्मूले पेश किए गए हैं, लेकिन बात आगे नहीं बढ़ी है. बीते जून में स्विट्जरलैंड ने इस मुद्दे पर शांति सम्मेलन का आयोजन किया, मगर बात आगे नहीं बढ़ी, क्योंकि उसमें रूस को आमंत्रित ही नहीं किया गया था. इसके पहले एक बहुचर्चित फॉर्मूला चीन की तरफ से आया, जिसे यूक्रेन और रूस दोनों ने गंभीरता से लिया था. मगर चीन भी अपनी पहल में अब तक कामयाब नहीं हुआ. दरअसल, किसी फॉर्मूले पर प्रगति की कोई संभावना नहीं है, जब तक अमेरिका और नाटो सबकी सुरक्षा को समान महत्त्व देने को तैयार नहीं होते हैं. अच्छी बात है कि इस जटिल स्थिति का अहसास भारत की विदेश नीति के निर्माताओं को हुआ है और उन्होंने मोदी की यात्रा को लेकर अपेक्षाएं न बढ़ाने की रणनीति अपनाई है.

विदेश मंत्री एस जयशंकर पहले कुछ मौकों पर यह कह चुके हैं कि भारत ने संवेदशवाहक की भूमिका निभाई है. काला सागर अनाज समझौते और जापोरिझिया परमाणु संयंत्र के मुद्दे पर ऐसा रोल भारत ने निभाया था.

सुभाषित

योजनानां सहस्रं तु शनैर्गच्छेत् पिपीलिका।
आगच्छन् वैनतेयोपि पदमेकं न गच्छति॥

यदि चिट्टी चल पड़ी तो धीरे-धीरे वह एक हजार योजन भी चल सकती है, परन्तु यदि गरुड़ जगह से नहीं हिला तो वह एक पग भी आगे नही बढ़ सकता. मतलब यह कि यदि जीवन में आगे बढ़ना है तो प्रयत्नशील रहना होगा.

अनमना लोकतंत्र और राजनीति

जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनाव की घोषणा केंद्रीय चुनाव आयोग ने कर दी है. लेकिन इस या उस कारण से महाराष्ट्र, झारखंड विधानसभा और कई राज्यों के उप-चुनावों के बारे में कोई घोषणा नहीं की है. लोकसभा के लिए हुए आम चुनाव के परिणाम में भारतीय जनता पार्टी को लगे झटका के बाद यह पहला चुनाव होगा. बदलाव के लिए आम चुनाव में दिखे जनता के मूड में स्थायित्व के बारे में अनुमान करने की दृष्टि से जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के चुनाव का बहुत महत्व है.

• देश-काल

प्रफुल्ल कोलख्यान

ऐसा लगता है कि भारत में ही नहीं, दुनिया के बड़े हिस्सा में विपत्तियों और आपदाओं का अटूट सिलसिला चल पड़ा है. चारों तरफ कोलाहल और कलह का माहौल ऐसा है कि जन-सरोकार से जुड़े मुद्दों पर बात भी करना मुश्किल है. इतिहास का यह वह दौर है जब जरूरी सवाल अप्रासंगिक और गैरजरूरी सवाल सिर पर सवार रहते हैं. हमारे देश के प्रधानमंत्री सपनों का जाल, नहीं माया-जाल पसारने में लगे हैं. पल की खबर नहीं, कल की बात करते हैं. 2047 के विकसित भारत की बात करते हैं. पांच साल के खंडित जनादेश पर खड़े हो कर पचास साल की बात करते हैं. वे सपनों की बात करते हैं, क्योंकि सपनों का कोई सबूत नहीं होता है. सपनों को सवाल पसंद नहीं, सपनों को सपने के बाहर का शोर पसंद नहीं है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों के शहंशाह हैं. कुछ लोगों के मन में यह बात बैठ गई है कि वे सपनों के शहंशाह नहीं, सपनों के तानाशाह हैं. हालांकि हर बात को कानून से जोड़कर देखने-दिखानेवालों के मन में इस पर अलग-अलग राय है. लोकतंत्र के अनमने कर्णाधारों के लिए सपनों का शरणागत होना, आंख-कान मूंदकर आदेश-पालन में रात-दिन लगे रहना पवित्र कर्तव्य है. हालांकि प्रतिपक्षी दल कर्तव्य-निबाह की मर्म-कथाओं का सार संकेत ग्रहण नहीं करते हैं. ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि राजनीतिक आबो-हवा बदल रही है. जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में विधानसभा चुनाव की घोषणा केंद्रीय चुनाव आयोग ने कर दी है. लेकिन इस या उस कारण से महाराष्ट्र, झारखंड विधानसभा और कई राज्यों के उप-चुनावों के बारे में कोई घोषणा नहीं की है. लोकसभा के लिए हुए आम चुनाव के परिणाम में भारतीय जनता पार्टी को लगे झटका के बाद यह पहला चुनाव होगा. बदलाव के लिए आम चुनाव में दिखे जनता के मूड में स्थायित्व के बारे में अनुमान करने की दृष्टि से जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के चुनाव का बहुत महत्व है. इसलिए विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल बढ़ गई है. राजनीतिक हलचल का मतलब? जन-समूह और मतदाताओं को भ्रमित करने के लिए तरह-तरह की चर्चाओं, अफवाहों का सिलसिला! भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में हवा बनाने के मकसद से मुख्य धारा की मीडिया में अटकल को अटकल बताते हुए उसे खबर की तरह पेश किया जाता है! इन राजनीतिक हलचलों के अलावा राजनीतिक आबोहवा में बदलाव के कुछ अन्य महत्वपूर्ण संकेत मिल रहे हैं. खबर है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया पर मुकदमा चलाने की अनुमति कर्नाटक के राज्यपाल ने दे दी है. भारतीय जनता पार्टी के नेता डॉ सुब्रह्मण्यम स्वामी को राहुल गांधी के भारत के नागरिक होने या बचे रहने पर ही इस समय नये सिरे से संदेह हो गया है! यों तो, डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी हैं भारतीय जनता पार्टी के ही नेता लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनकी बनती नहीं हैं. पूरे 'गांधी परिवार' और राहुल गांधी से उनकी शिकायत का कोई अंत ही नहीं है. वे राहुल गांधी को भारतीय नागरिकता से ही वंचित करना चाहते हैं. उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार से राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता छीनने की मांग करते हुए पत्र लिखा, पांच साल तक इंतजार किया. सरकार से कोई जवाब नहीं मिलने या संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के कारण उन्होंने दिल्ली उच्च-न्यायालय में याचिका दायर की है. जिस आधार पर डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी ने भारत सरकार से राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता रद्द करने की मांग की थी, उनमें जरा भी दम होता तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह अवसर मिलते ही कैसी कार्रवाई करते, किसी के लिए भी उसे समझना बहुत मुश्किल नहीं होना चाहिए. खैर, अब मामला दिल्ली उच्च-न्यायालय में है.

जो येन-केन-प्रकारेण पूरे 'गांधी परिवार' को राजनीतिक रूप से पंगु करने के लिए भारतीय जनता पार्टी किसी भी हद तक जा सकती है, इसके लक्षण साफ-साफ दिख रहे हैं. हालांकि खुद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में भारतीय जनता पार्टी अकेले दम पर बहुमत में नहीं है. इसलिए नरेंद्र मोदी सरकार का रुख 'बहुत कुछ' तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेता एन चंद्रबाबू नायडू और जनता दल यूनाइटेड के नेता नीतीश कुमार के मौन-मुखर रुख पर भी निर्भर करेगा. इस समय भारतीय जनता पार्टी अपनी राजनीतिक परियोजना और 'मित्र-धर्म निभाव' में कब क्या कर बैठेगी, कुछ भी कहना मुश्किल है. महत्वपूर्ण सवाल यह है कि यदि 'न्याय योद्धा राहुल गांधी को इन्हीं उलझावों में पड़े रहेंगे, तो 'सामग्रिक न्याय' संस्कृति संबंधित उन मुद्दों पर अपना ध्यान कैसे केंद्रित कर सकेंगे, जिन्हें पूरी ताकत से न्याय-पत्र में शामिल किया गया है. यह ठीक है कि 'न्याय-पत्र' कांग्रेस का घोषणा पत्र है, लेकिन व्यवहारतः वह इंडिया अलायंस का राजनीतिक दस्तावेज है. यह बात कभी नहीं भूलने में ही सयानापन है कि 'न्याय योद्धा' राहुल गांधी के लिए राजनीतिक परेशानी खड़ी करके किसी राजनीतिक समस्या के समाधान के संभव होने की बात सोचना भी सत्यानाशी कुमति के अलावा कुछ नहीं है. विभिन्न मुद्दों पर जन-आक्रोश बढ़ रहा है. जन-आक्रोशों में राजनीतिक दलों के अंतर्विरोध खुलकर सामने आ रहे हैं. जन-सरोकार के मुद्दों पर राजनीतिक दल नागरिकों को एक-दूसरे के विरुद्ध खड़ा कर देता है. पेपरलीक, हत्या, बलात्कार, कृषि-उपज के न्यूनतम-समर्थन (MSP), विकराल बेरोजगारी, बेसम्हार महंगाई जैसे किसी मुद्दे पर आक्रोश हो, राजनीतिक प्रवक्ताओं के लिए तो लगता है अपनी बयान-बहादुरी और वफादारी साबित करने का मौका ही मिल जाता है. इन राजनीतिक प्रवक्ताओं को ऐसे मुद्दों की संवेदनशीलता से वाकिफ कराते हुए समझदारी से पार्टी का पक्ष रखने की सलाह संबंधित राजनीतिक दलों के शीर्ष नेतृत्व दे सकते हैं, लेकिन नहीं देते हैं. उन से उम्मीद भी क्या की जा सकती है! उन से उम्मीद न करे तो फिर किन से उम्मीद रखे! कुछ भी कहना मुश्किल है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

पहले स्वयं को तौलें

इस समाज की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम यह तो चाहते हैं कि सभी लोग ईमानदार हो जायें, लेकिन स्वयं ईमानदारी से दूर-दराज तक का रिश्ता नहीं रखते. विचारणीय है कि जो स्वयं ही बेईमान है, वह समाज में ईमानदारो का आदर्श कैसे बन सकता है? लेकिन व्यावहारिक जीवन में यही होता है. सार बात तो यह है कि यदि हम चाहते हैं जगत में ईमानदारी का प्रचलन हो तो सर्वप्रथम हमें दृढता और निष्ठापूर्वक ईमानदार रहना होगा. गांव में एक पशुपालक रहता था जो दूध से दही और मक्खन बना, बेचकर रोजी चलाता था. हमेशा की तरह आज भी उसकी पत्नी ने मक्खन तैयार करके दिया और वह उसे बेचने के लिए अपने गांव से शहर की तरफ निकल पड़ा. मक्खन गोल पिंड़ी के आकार में होता था और प्रत्येक पिंड़ी का वज़न एक किलो था. शहर में किसान ने उस मक्खन को हमेशा की तरह अपने रोज के दुकानदार को बेच दिया. बदले में दुकानदार से चायपत्ती, चीनी, तेल, साबुन, मसाले व दालें वगैरह खरीदकर वापस अपने गांव चला गया. किसान के जाने के बाद, दुकानदार को मक्खन फ्रिज़र में रखते हुए सहसा खयाल आया कि क्यों नहीं आज एक पिंड़ी का वज़न कर ही लिया जाए. वज़न करने पर पिंड़ी सिर्फ 900 ग्राम उतरी. हैरत और संदेह से उसने सारी पिंडियाँ तोल डाली. प्रत्येक पिंड़ी 900-900 ग्राम ही थी. व्यापारी छले जाने के विषाद से भर उठा. अगले हफ्ते किसान हमेशा की तरह मक्खन लेकर जैसे ही दुकानदार की दहलीज़ पर चढ़ा. दुकानदार आक्रोश में चिल्लाते हुए, किसान से कहा कि वह दफा हो जाए, उसे किसी बेईमान और धोखेबाज़ व्यक्ति से व्यापार नहीं करना! एक किलो बताकर, 900 ग्राम मक्खन थमानेवाले धूर्त की वह शक्ल भी देखना नहीं चाहता. किसान ने अनुनय विनय की. बड़ी ही विनम्रता से दुकानदार से कहा ?मेरे भाई मैं धूर्त नहीं हूं. मुझ पर संदेह न करो, हम गरीब अवश्य है, किन्तु ठग नहीं. हमारे पास एक पुरानी सी तुला है, तोलने के लिए बाट (वज़न) खरीदने की हमारी हैसियत नहीं, इसलिए जो एक किलो चीनी आपसे तुलवाकर ले जाता हूं, उसी पैकेट को तराजू के एक पलड़े मे रखकर, दूसरे पलड़े में भारोभार मक्खन तोल लेता हूं. अभिप्राय यही कि दुकानदार स्वयं ही बेईमानी कर रहा था. अक्सर स्वयं की बेईमानी तो हमें चतुरता लगती है, या बौद्धिक चालाकी लगती है, किन्तु जब दुनिया से वही पलटकर हमारे सामने आए तो हमारा क्रोध और आक्रोश नियंत्रण में ही नहीं रहता.

कौशल विकास से ही कृत्रिम मेधा का नया क्षितिज

• ज्ञान-विज्ञान

सुरेश सेठ

भारत के आकाश में भी शक्ति के नए क्षितिज उभर रहे हैं. ये क्षितिज कृत्रिम मेधा के हैं. ये क्षितिज सेमीकंडक्टर युग के हैं, इंटरनेट की ताकत के और प्रौद्योगिकी विकास के हैं. कृत्रिम मेधा, रोबोट युग और डिजिटल होती दुनिया ने भारत में एक नया धरातल पैदा किया है. यह सुखद ही है कि वर्तमान समय में, भारत की प्रगति और विकास की सभी संभावनाओं को निजी क्षेत्र की द्रुत गति से जोड़ दिया गया है.निजी क्षेत्र ने लागत घटाने और लाभ बढ़ाने के लिए कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल शुरू कर दिया है और रोबोट्स को इंसानों की जगह तैनात कर रहा है. ये सब नये युग की इन इंटरनेट शक्तियों द्वारा हासिल करने का प्रयास है. जहां तक डिजिटल दुनिया से पैदा होने वाली नौकरियों का संबंध है, उनकी कमी भारत में नहीं है. समस्या यह है कि युवा शक्ति इस काम के लिए पूरी तरह से प्रशिक्षित नहीं है, जिसके कारण योग्यता वाले कम मिल रहे हैं. यदि हमें अपने श्रमबल को प्रशिक्षण से निपुण बनाना है तो अपनी शिक्षा के सभी पाठ्यक्रमों में बदलाव लाना चाहिए. शिक्षकों को भी इन नई संभावनाओं के क्षितिज से परिचित कराना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. इसीलिए, देश में नौजवानों की बेरोजगारी की वही पुरानी समस्या बनी हुई है. पारंपरिक बीए, एमए की डिग्रियां लेकर वे दफ्तर या सेवा क्षेत्र के काउंटर पर काम की तलाश कर रहे हैं. दूसरी ओर, जहां कृत्रिम मेधा और डिजिटल दुनिया में प्रशिक्षित कारीगरों की आवश्यकता है, वहां उनकी भारी कमी है. इसके साथ ही हाल के दिनों में देश के विभिन्न भागों में अचानक प्राकृतिक आपदाओं का दौर शुरू हो गया है. हाल ही में, अचानक से लगातार बारिश आई, जो लोगों के लिए तबाही का सबब बनी. तीन या चार घंटे की बारिश के बाद महानगरों से लेकर उभरते हुए शहरों, जिन्हें स्मार्ट शहर कहा जाता है, तक तीन-चार फीट पानी जमा हो गया. सड़कें जलमग्न हो गईं. हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण अनेक राष्ट्रीय सड़क मार्ग और सैकड़ों सड़कें बंद हो गईं. जो स्थिति पहले केरल के वायनाड में देखी जा रही थी, वह अचानक उत्तर भारत में भी दिखने लगी. इन परिस्थितियों में, आसमान से आई मुसीबतों का सामना करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान कृत्रिम मेधा की सहायता की उम्मीद कर रहा है. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान ने फैसला किया है कि आपदा जोखिम आकलन के लिए कृत्रिम मेधा का उपयोग करेंगे, जिससे आने वाली विपत्तियों को टालने या उनका सामना करने के लिए चाक-चौबंद रहा जा सके. असाधारण मौसम के कारण खेतों में फसलें खराब हो रही हैं, और बुवाई की समय-सारिणी गड़बड़ा जाती है. जब फसलें खेतों में पकने को तैयार हो जाती हैं, तो अचानक बारिश उनकी गुणवत्ता को प्रभावित करती है. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान ने कहा है कि सबसे पहले कृत्रिम मेधा का इस्तेमाल भविष्य के आकलन और जोखिम का अनुमान लगाने में किया जाना चाहिए, ताकि इन क्षेत्रों में समस्याओं का सामना प्रभावी ढंग से किया जा सके. निस्संदेह, राष्ट्रीय आपदा एक निरंतर चुनौती है, लेकिन उच्च तकनीक से जनधन की हानि को टाला जा सकता है. हाल ही में, हमने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया, जिसमें इस बात पर विचार-विमर्श हुआ कि आपदा प्रबंधन में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का कैसे उपयोग किया जा सकता है. इस परिदृश्य में, हम इसरो के योगदान की भी उम्मीद कर रहे हैं. प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदाओं से निपटने के लिए साइबर क्राइम की सुरक्षा से लेकर अग्निशमन सेवा, नागरिक सुरक्षा, और आम जीवन की चौकसी के लिए भी इसका उपयोग किया जा सकता है. लेकिन यह तभी संभव है जब इन तकनीकी नवाचारों को एक नया क्षितिज देने के लिए निजी और सरकारी क्षेत्र दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो.ऐसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए, सरकारी और निजी क्षेत्र के सहयोग और सामंजस्य पर भरोसा करना होगा. इसके लिए एक नई रूपरेखा की आवश्यकता होगी. निश्चय ही, इस रूपरेखा का आधारभूत लेखाजोखा विश्वविद्यालयों से प्राप्त होगा, लेकिन अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान को भी नया रूप देना पड़ेगा. इसरो को भी केवल अंतरिक्ष के क्षेत्र में नहीं, बल्कि धरती पर अचानक आई आपदाओं से प्रभावित आम लोगों के कष्टों का अंदाजा लगाकर उनके लिए नए समाधान की रचना करनी होगी. आपदा के बाद गहन मूल्यांकन की आदत को छोड़ना होगा.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

शिक्षकों को भी इन नई संभावनाओं के क्षितिज से परिचित कराना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ. इसीलिए, देश में नौजवानों की बेरोजगारी की वही पुरानी समस्या बनी हुई है. पारंपरिक बीए, एमए की डिग्रियां लेकर वे दफ्तर या सेवा क्षेत्र के काउंटर पर काम की तलाश कर रहे हैं. दूसरी ओर, जहां कृत्रिम मेधा और डिजिटल दुनिया में प्रशिक्षित कारीगरों की आवश्यकता है.

बंगलादेश : न खत्म होने वाली उठापटक

• देशांतर

नित्य चक्रवर्ती

5 अगस्त को बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से हटाये जाने, जिसके लिए छात्रों और अन्य विपक्षी दलों द्वारा उनके नेतृत्व वाली अवामीलीग सरकार के 15 साल के शासन के खिलाफ बड़े पैमाने पर विद्रोह किया, के बाद उनके पतन के कारणों और उनके सत्ता से हटने में योगदान देने वाले संभावित कारकों के बारे में बहुत कुछ लिखा जा चुका है. अब हम उन विभिन्न घटनाओं पर नज़र डाल सकते हैं, जो अंतरिम सरकार द्वारा आम चुनाव आयोजित किये जाने तक उभर सकती हैं. आइए, नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली 17 सदस्यीय अंतरिम सरकार के ताजा बयानों और कार्रवाइयों तथा 5 अगस्त के बाद से अब तक हुई कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं से कुछ संकेतों का आकलन करें. सबसे पहले, बीएनपी सुप्रीमो खालिदा जिया को रिहा कर दिया गया है तथा उन्होंने अपनी पार्टी के सहयोगियों के साथ बीएनपी के पुनर्गठन के बारे में चर्चा शुरू कर दी है, ताकि अंतरिम सरकार को प्रभावित करने में वह अग्रणी भूमिका निभा सके. उन्होंने अपने समर्थकों से सत्ता हासिल करने के लिए आगामी चुनावों के लिए तैयार रहने को कहा है. हालांकि बीएनपी आधिकारिक तौर पर अंतरिम सरकार में शामिल नहीं है, लेकिन बीएनपी नेतृत्व ने अंतरिम सरकार के कुछ सदस्यों के साथ मौजूदा स्थिति में आगे बढ़ने के बारे में चर्चा की है. दूसरा, जिलों में कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के बारे में अंतरिम सरकार द्वारा दिये गये सभी आश्वासनों के बावजूद, स्थिति खराब है. पुलिस प्रशासन हतोत्साहित हो गया है. जिलों में, बीएनपी और जमात मौजूदा अवामीलीग विरोधी भावनाओं का फायदा उठा रहे हैं तथा कानून-व्यवस्था एजेंसियों द्वारा किसी भी बाधा के बिना अवामीलीग कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहे हैं. ऐसे में कट्टरपंथी तत्व कुछ स्थानों पर हिंदुओं पर हमला कर रहे हैं, लेकिन अल्पसंख्यक संगठनों के साथ-साथ छात्रों और नागरिक समाज के उदारवादी वर्ग द्वारा संगठित प्रतिरोध के कारण इसकी तीव्रता का मुकाबला किया गया है. अंतरिम सरकार को पुलिस प्रशासन में तुरंत मनोबल भरना होगा, ताकि वे निष्पक्ष रूप से कार्य करें और उन सांप्रदायिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करने का साहस रखें, जो अब अंतरिम सरकार के करीब होने की कोशिश कर रहे हैं. पूर्ववर्ती हसीना सरकार की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी को भारतविरोधी विचारों वाली पार्टी के रूप में देखा जाता है, लेकिन ऐसा इसलिए था क्योंकि उनकी मान्यता के अनुसार अवामीलीग भारत से जुड़ी हुई है और शेख हसीना भारत सरकार के हित में काम करती हैं. बीएनपी में कई सांप्रदायिक तत्व हैं, लेकिन कुल मिलाकर यह एक सही पार्टी है, जो संसदीय लोकतंत्र में एक खिलाड़ी के रूप में काम कर सकती है. बीएनपी एक कट्टरपंथी पार्टी नहीं है. भारत दृष्टिकोण में मतभेदों के बावजूद इस पार्टी से तालमेल बिठा सकता है.बांग्लादेश की राजनीति के लिए मुख्य समस्या हसीना सरकार के पतन और अचानक अवामीलीग विरोधी संगठनों के पास राजनीतिक सत्ता जाने के परिणामस्वरूप जमात-ए-इस्लामी का मजबूत होना है. जमात का चुनावी समर्थन आधार छोटा है, यह अनुमानतः मात्र 4 प्रतिशत है, लेकिन यह कैडर-आधारित और वैचारिक रूप से रूढ़िवादी है. मुस्लिम देशों, मुख्यतः सऊदी अरब के कई धार्मिक संस्थानों से प्राप्त धन के कारण जमात के पास बड़ी वित्तीय ताकत है. अवामीलीग के शासन के दौरान हसीना ने धन के कुछ मार्गों को बंद कर दिया था. अब उन्हें फिर से खोल दिया जायेगा और जमात के पास फिर से धन की भरमार हो जायेगी. अगर अंतरिम सरकार वास्तव में बांग्लादेश की 1750 लाख आबादी में से 130 लाख अल्पसंख्यकों को सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहती है, तो जमात को नियंत्रित करना उसकी प्रमुख गतिविधियों में से एक होना चाहिए.अब अवामीलीग के बारे में क्या? अवामीलीग अब बदनाम हो चुकी है, लेकिन पार्टी के पास सबसे बड़ा समर्थन आधार है, जो अब शांत है. अभी तक, नयी सरकार अवामीलीग की भागीदारी के बिना आगे बढ़ने की कोशिश कर रही है. अधिकांश प्रशासनिक शाखाओं के साथ-साथ न्यायपालिका और वित्तीय क्षेत्र में, हसीना के करीबी माने जाने वाले शीर्ष अधिकारियों को इस्तीफा देने के लिए कहा गया है. कई ने इस्तीफा दे भी दिया है. यह सफाई प्रक्रिया से कम नहीं है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सबसे पहले, बीएनपी सुप्रीमो खालिदा जिया को रिहा कर दिया गया है तथा उन्होंने अपनी पार्टी के सहयोगियों के साथ बीएनपी के पुनर्गठन के बारे में चर्चा शुरू कर दी है, ताकि अंतरिम सरकार को प्रभावित करने में वह अग्रणी भूमिका निभा सके. उन्होंने अपने समर्थकों से सत्ता हासिल करने के लिए आगामी चुनावों के लिए तैयार रहने को कहा है.

मीडिया में अन्यत्र

खनन पर टैक्स और राज्यों का हक

खनन पर कर लगाने का राज्यों का अधिकार 1 अप्रैल, 2005 की तारीख से प्रभावी तथा बरकरार रखते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने एक ओर जहां राजकोषीय संघवाद के सिद्धांतों को मजबूती प्रदान की है, वहीं दूसरी ओर उसने खनन कंपनियों पर भारी वित्तीय देनदारी भी थोपी है. उद्योग जगत के मुताबिक निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के खनन करने वालों को इस फैसले के पुरानी तारीख से लागू होने के कारण 1-2 लाख करोड़ रुपये की चपत लग सकती है. केंद्र सरकार ने न्यायालय से कहा कि अकेले सरकारी क्षेत्र की खनन कंपनियों पर इस फैसले से करीब 70,000 करोड़ रुपये का वित्तीय भार आएगा. न्यायालय द्वारा तय अंतिम तिथि सशर्त है, मसलन कोई ब्याज या जुर्माना नहीं लगेगा और भुगतान 12 वर्षों में किया जाएगा. इससे कुछ राहत मिली है. सर्वोच्च न्यायालय ने अतीत की तिथि से लागू करने के बारे में स्पष्टीकरण दिया है कि निर्णय को भविष्य में लागू करना उचित नहीं होगा. उसका यह तर्क दिखाता है कि उच्चतम स्तर पर भी न्यायपालिका में काम की गति कितनी धीमी है. सन 1989 में सात न्यायाधीशों के पीठ ने इंडिया सीमेंट और तमिलनाडु राज्य एवं अन्य के मामले में कहा था कि खनिज उत्खनन की रॉयल्टी टैक्स नहीं है. उसने कहा कि केवल सीमेंट पर कर लगाया जा सकता है जबकि राज्य सरकार केवल रॉयल्टी वसूल सकती है. पांच न्यायाधीशों के पीठ ने 2004 में टाइपिंग की एक गलती की ओर इशारा करते हुए इस निर्णय को उलट दिया. उसने कहा कि रॉयल्टी कर नहीं है, लेकिन रॉयल्टी पर लगने वाला उपकर (जो तमिलनाडु सरकार ने लगाया था लेकिन इंडिया सीमेंट उसका विरोध कर रही थी) कर है और ऐसे अतिरिक्त उपकर वसूल करना राज्यों का अधिकार है. इसके परिणामस्वरूप कई राज्यों ने अपने-अपने यहां खनिज खनन पर ऐसे कर लगाने के अधिकार का इस्तेमाल किया. इस बीच न्यायिक चुनौतियां भी उत्पन्न हुईं. आखिर में सर्वोच्च न्यायालय ने इन सभी चुनौतियों के परीक्षण के लिए एक पीठ का गठन किया. उसने कहा कि उसके निर्णय के भावी इस्तेमाल से ऐसी स्थिति बनेगी, जहां राज्यों द्वारा खनन पर लगने वाले कर के लिए बने कानून अवैध होंगे और उन पर यह दबाव बनेगा कि वे सक्षम कानून के माध्यम से कर के रूप में संग्रहित राशि को वापस करें.वित्तीय बोझ के अलावा अतीत से प्रभावी करों का देश में एक विवादास्पद इतिहास रहा है और अतीत में उसने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को भी नुकसान पहुंचाया है.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जाति/जाती

महेश किस जाति का है, यह मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता, क्योंकि यह उसका जाती मामला है. जातिवाद का विरोध करने वाले अक्सर ऐसा कहते हुए पाये जाते हैं. उनके इस वाक्य में प्रयुक्त जाति और जाती जैसे श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द मायने जरूर रखते हैं. जाति और जाती दोनों के मतलब अलग-अलग होते हैं. यह बात ध्यान में रखी जानी चाहिए. दोनों के बीच का मौलिक अंतर यह है कि जाति शब्द के अंतिम अक्षर त में ह्रस्व इकार की मात्रा लगी है, वहीं जाती शब्द के अंतिम अक्षर त में दीर्घ ई की मात्रा. अर्थ के दृष्टिकोण से जाति संस्कृत से हिंदी में आया तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार इस शब्द का मतलब है जन्म, पैदाइश, जन्म के अनुसार अस्तित्व का रूप, समाज व्यवस्था वह श्रेणी जो जन्म के आधार पर निश्चित होती है, समुदाय, समूह, जन्म के आधार पर किया जानेवाला सामाजिक विभाग, अंग्रेजी भाषा में कास्ट, राष्ट्र, भौगोलिक परिस्थितियों, वंश-परंपरा आदि के विचार से किया गया मानव समाज का विभाग, स्वभाव, रंग-रूप, संस्कृति और आकृति आदि की समानता रखनेवाला मानव समूह, भाषा-संस्कृति और इतिहास आदि की समानता रखनेवाला मानव, समुदाय, देश, पदार्थों या जीवों की आकृति, गुणधर्म आदि की समानता के आधार पर किया हुआ विभाजन, वर्ग, कोटि, श्रेणी, क्लास, एक प्रकार की आजीविका से जुड़े लोग या समुदाय और काव्य शास्त्र के अनुसार एक प्रकार का मात्रिक छंद. दूसरा शब्द जाती संस्कृत का तत्सम संज्ञा स्त्रीलिंग भी है और अरबी भाषा मूल का विशेषण भी. तत्सम जाती शब्द का अर्थ है एक प्रकार का पुष्प, चमेली, मालती. देवी मानस पूजा स्त्रोत्र में कहा गया है- जातीसौरभनिर्भरं रुचिकरं शाल्योदनं निर्मलं. अर्थात चमेली की सुगंध से युक्त चावल से बना निर्मल भात अर्पित करता हूं. अरबी भाषा के जाती शब्द का अर्थ है निजी, अपना, व्यक्तिगत, प्राइवेट, वस्तुगत, वास्तविक. अगर कोई लड़की स्कूल जाती है तो यह जाना का सामान्य वर्तमान काल स्त्रीलिंग रूप है.

आंदोलन के बिना विपक्ष बेमतलब

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

आंदोलन है, तो विपक्ष है. बिना आंदोलन के विपक्ष ऐसा ही है मानो रेगिस्तान में पैदल कोई मुसाफिर घूम रहा है. क्या इमेज रह जाती है ! आंदोलन एक प्रकार से रेगिस्तान में ऊँट की सवारी का काम करता है. इस पर चढ़कर विपक्षीगिरी करने में आनंद आता है. आंदोलन के लिए कोई विषय होना चाहिए. यह आंदोलन की पहली और सबसे जरूरी शर्त है. अतः जब विपक्ष के नेता बैठते हैं ,तब उनका पहला काम यही होता है कि भैया ! आंदोलन के लिए कोई विषय ढूंढो ! तुरत-फुरत कुछ लोग उठ कर ताजा अखबार ले आते हैं. सब उसके पन्ने पलटते हैं. कोई न कोई नवीनतम मुद्दा आंदोलन करने के लिए मिल जाता है. आंदोलन का मुद्दा मिलते ही विपक्षी नेताओं के चेहरे खुशी से भर उठते हैं. मानो किसी भूखे को भरपेट भोजन की थाली उपलब्ध हो गई हो. आठ -दस दिन के लिए इससे आंदोलन का काम चलता रहता है. एक दिन धरना ,तीन दिन प्रदर्शन ,उसके बाद अखबारों में चर्चा. लेकिन तदुपरांत फिर वही आंदोलन के विषय की खोज ! फिर से विपक्षी नेतागण बैठते हैं. आंदोलन का विषय ढूंढते हैं. कुछ विषय ऐसे हैं जो कई दशक के बाद भी हमेशा ताजे बने रहते हैं. आंदोलन के मामले में उन्हें केवल कॉपी-पेस्ट करना पड़ता है अर्थात पुराने अनुभवों का लाभ उठाते हुए जैसा पिछले दशकों में हुआ ,उसी को उसी अंदाज में दोहरा दिया जाता है. बैलगाड़ी अथवा ताँगे पर बैठकर शहर की व्यस्त सड़कों से गुजरना पेट्रोल-डीजल के महंगे भावों के खिलाफ आंदोलन का दशकों पुराना चित्र रहा है. बस फोटो में नेताओं के चेहरे बदल जाते हैं. प्याज का भाव देर-सवेर कभी तो बढ़ेगा ! इंतजार करो. जब भी बढ़े, आंदोलन का मुद्दा अपने आप मिल जाएगा. एक बार विपक्षी दलों की मीटिंग में किसी ने कहा कि पाँच साल में सोने के भाव डेढ़ गुना बढ़ गए हैं ,यह मुद्दा कैसा रहेगा ? सबने उसे डाँटा और कहा कि सोने चाँदी और हीरे जवाहरात के मूल्यों पर कभी आंदोलन होते हैं ,जो तुम इस विषय को लेकर बैठ गए? प्रश्न को उठाने वाला बेचारा समझ नहीं पा रहा था कि जब सारे विपक्षी नेताओं को सोने चाँदी और हीरे जवाहरात एकत्र करने का ही शौक बराबर बना रहता है तो इनके बढ़ते हुए भावों पर दुख प्रकट करना गलत कैसे कहा जा सकता है? लंबे आंदोलनों में आंदोलन-स्थल एक तरह का पिकनिक-स्पॉट बन जाता है. एक तरह की रौनक आंदोलन-स्थल पर चारों तरफ बिखर जाती है. विपक्ष का मजमा लगता है और विपक्ष इस तरह एक लंबे आंदोलन के द्वारा लंबे समय तक अपने विपक्ष होने की छाप राजनीति पर छोड़ देता है. लंबे आंदोलनों से कई बार लंबे कद के नेता पैदा होते हैं. कई बार कुछ नेता आंदोलनों की उपज होते हैं लेकिन वह सौभाग्य से चुनाव जीतकर सत्ता पक्ष में आ जाते हैं. अब उनको आंदोलन की आवश्यकता नहीं रहती. जो लोग अभी मंत्री नहीं बने हैं , वह आंदोलन करते रहते हैं.

Her Story

हमारे नौनिहाल

हमारा आईना

मनवीर कौर आनंद
चाइल्ड काउंसलर, टिवेशनल स्पीकर, सक्सेस कोच

क्या बच्चों के रिजल्ट, स्कूल में उनकी गतिविधि, उनकी अनुशासनहीनता, उनका कम सोशल होना आपको चिंतित करता है? क्या आप इन सबके लिए कई बार खुद को दोषी महसूस करते हैं? यदि हां, तो रुकें और खुद पर विचार करें. बच्चे तो गीली सीमेंट की तरह होते हैं, माता-पिता द्वारा उन पर बनाई गई छाप हमेशा बनी रहती है. हमारे बच्चे दरअसल हमारा आइना होते हैं, हमें ही अपना रोल मॉडल मानते-बनाते हैं और जैसी हमारी आदते हैं, कमोबेश उसे ही आत्मसात करते जाते हैं. अगली बार जब आप अपने बच्चे को झगड़ते, बहस करते, चिल्लाते या आपसे ना कहते हुए देखें, तो उसका विश्लेषण करें. खुद में झांके. यकीन मानिए आपको अपने सभी उत्तर मिल जाएंगे.

आप पर रखते लगातार नजर

बच्चे बहुत जिज्ञासु, चौकस होते हैं और हर बात कान से सुनते हैं. वे व्यावहारिक रूप से अपने माता-पिता की नकल करते हैं. इसलिए, अगली बार अगर गुस्से में उसे नालायक, आलसी या कोई और अपशब्द बोल रही हैं तो जरा थम कर अपने शब्दों का प्रयोग पर ध्यान दें. सावधानी के साथ अपनी नाराजगी जाहिर करें और विवेकपूर्ण ढंग से समस्या का समाधान करें. किसी मनोवैज्ञानिक ने सही कहा है कि माता-पिता को इस बात की चिंता नहीं करनी चाहिए कि बच्चे आपकी बात कभी नहीं सुनते, बल्कि इस बात की चिंता करें कि वे हमेशा आप पर नज़र रखते हैं.

जब हमें झूठ बोलते देखते

हम हमेशा अपने बच्चों से कहते हैं कि चाहे कितनी भी मजबूरी हो झूठ मत बोलोण् लेकिन हम अपनी सुविधा के लिए उन्हें झूठ बोलने से भी नहीं हिचकिचाते. किसी अवांछित का फोन आने पर कह देते हैं, बोल दो मम्मी घर पर नहीं हैं या बीमार हैं. उससे कोई वादा कर पूरा नहीं करते या अपने रिश्तेदारों-परिचितों के सामने साफ झूठ बोलते हैं तो बच्चों को एहसास होता है कि उनसे झूठ बोला गया है या माता-पिता भी झूठ बोलते हैं. व्यवहार की नकल करने के अलावा, बच्चे जानबूझकर और अनजाने में हम माता-पिता से दृष्टिकोण, सोच और मानसिकता भी अपनाते हैं. माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने एक इंटरव्यू में अपने ऊपर अपने पिता के प्रभाव और जिस तरह से उन्होंने बिल गेट्स के लिए एक रोल मॉडल की भूमिका निभाई थी, उसके बारे में खूबसूरती से कहा था. बकौल बिल गेट्स उनकी न्याय की भावना, निष्पक्षता, विवेक और व्यावसायिक समझ सभी उनके पिता के कारण विकसित हुई थी.

बच्चों के लिए ऐसे बनें आदर्श रोल मॉडल-

1. **सच्चे रहें** – कभी भी सिर्फ अपनी सुविधा के लिए उनके सामने झूठ न बोलें. डोरबेल बजने पर घर में रहने पर कह देना कि जाओ बोल दो घर में नहीं हूं जैसी बातें उसे झूठ को सहजता से अपनाना सिखाएगा.

2. **विनम्र रहें** – बच्चा आपसे बात करना सीखता है. अगर आप चिल्लाती हैं, झल्लाती हैं तो वह भी वही दोहराएगा. यदि आप हर समय ऊँची आवाज़ में बात करती हैं, तो आपका बच्चा सोच सकता है कि यह सामान्य बात है. अपने बच्चों या आसपास के अन्य लोगों के साथ उनकी उपस्थिति में बातचीत करते समय अपनी आवाज़ के प्रति सचेत रहें.

3. **माफी मांगें**– अगर आप गलत हैं और बच्चा सही है तो माफी मांगें. माफ़ी मांगने से न डरें. ऐसा करके हम एक बच्चे को अपनी गलती स्वीकार करने का जीवन सबक सिखा रहे हैं.

4. **सकारात्मक व्यवहार को प्रोत्साहित करें** : बच्चे के सकारात्मक व्यवहार को पुरस्कार से जोड़ें. लाभ की आशा बच्चे को हमेशा सकारात्मक व्यवहार प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करेगी. अच्छे काम बार-बार करने से एक अच्छी आदत बन जाएगी.

5. **नियमों का पालन** : नागरिक नियमों का पालन करें और बच्चा आपका अनुसरण करेगा.

6. **माहौल दें** : अपने बच्चे को ऐसा वातावरण दें जो सीखने के लिए आवश्यक जिज्ञासा और रचनात्मकता को बढ़ावा दे. बचपन में वह आपको मेहनत करते, बारिश या धूप या तबीयत खराब के बावजूद कार्यस्थल पर समय पर पहुंचते देखेगा तो खुद भी मेहनती और समय का पाबंद बनेगा. बिना आपके बताए सहजता से इन गुणों को आत्मसात करेगा. इंप्रेशन बनाएं और सकारात्मक प्रभाव डालें.

नियम तोड़ते समय जरा संभलिए

बच्चे न केवल आप जो कहते हैं उसे सुनते हैं, बल्कि वे यह भी देखते हैं कि आप क्या करते हैं. यदि आप सड़क पर कूड़ा फैलाते हैं, नो पार्किंग जोन में गाड़ी पार्क करते हैं, लाल बत्ती तोड़ते हैं, गाड़ी चलाते समय फोन पर बात करते हैं, बाइक चलाते समय हेलमेट नहीं पहनते हैं, सफेद झूठ बोलते हैं, काम करवाने के लिए रिश्वत देते हैं, आदि तो तैयार रहें, आपका बच्चा बड़ा होगा यह सोचकर कि इन नागरिक नियमों को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए. ऐसे छोटे-छोटे नियम हैं जिन्हें हम सब हर दिन तोड़ते हैं, हमें इसका एहसास भी नहीं होता लेकिन हमारे बच्चे उन्हें सीख लेते हैं. अभी भी देर नहीं हुई है, आप अपने बच्चे के लिए एक आदर्श रोल मॉडल बन सकते हैं.

चटखारा

रानी प्रसाद
पाक कला विशेषज्ञ

आज मैं एक कप सूजी से दो प्रकार के नाश्ते बनाऊंगी. दोनों सूजी का डो एक ही प्रकार से तैयार होगा. तो चलिए पहले हम डो तैयार करते हैं.

सूजी के चटपटे नाश्ते

बेस डो के लिए ये चाहिए : एक कप सूजी, ढाई कप पानी, एक गाजर घिसा हुआ, एक प्याज चाप किया हुआ, बारीक कटा हुआ धनिया पत्ती, और रिफाइंड एवं नमक स्वाद अनुसार.

दोनों डिश के लिए बेश डो ऐसे बनाएं : सर्वप्रथम डो तैयार करने के लिए हमें एक पैन में दो चम्मच रिफाइंड डालना है. रिफाइंड गर्म होने पर उसमें थोड़ा सा जीरा डालें. जीरा चटकने पर इसमें प्याज और गाजर डालें और थोड़ी देर चलाएं ताकि उसका कच्चापन निकल जाए. उसके बाद इसमें ढाई कप पानी डाल दें. स्वादानुसार नमक और धनिया पत्ती डालें. अगर चाहें तो मिर्च या चिल्ली फ्लेक्स भी डालें. जब पानी अच्छी तरह उबल जाए तब उसमें सूजी को एक हाथ से धीरे-धीरे डालना है और दूसरे हाथ से उसे लगातार चलना है ताकि उसमें किसी भी प्रकार का लम्प्स ना पड़े. 2 से 3 मिनट में यह पूरा पानी सूख जाएगा और सूजी बिल्कुल डो के फॉर्म में आ जाएगा तब हमें छोड़ देना है. इस मिश्रण को ठंडा कर लें. जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए तब हाथों में थोड़ा सा तेल लगाकर इसे अच्छी तरीके से गूथ लेना है ताकि एक चिकना डो हमें मिल सके. अब इस पूरे मिश्रण को दो भाग में हम बांट देंगे और दो प्रकार के नाश्ते तैयार करेंगे.

क्रिस्पी चीज़ी सूजी बाइट

सबसे पहले हम क्रिस्पी चीज़ी सूजी बाइट तैयार करेंगे. चीज़ी बाइट के लिए हमें चाहिए प्रोसेस्ड चीज के दो या तीन क्यूब्स (छोटे टुकड़ों में कटा हुआ).

इसे बनाना बहुत ही आसान है. सर्वप्रथम हम छोटे-छोटे टुकड़ों में सूजी के तैयार मिश्रण से लोई बनाएंगे और उसे एक गोले का आकार देते हुए गड्ढा बनाएंगे और उसमें इन चीज के छोटे-छोटे टुकड़ों को सब में भर देंगे. अच्छी तरीके से चारों ओर से सील कर देंगे ताकि पकाने के दौरान चीज फट के उसमें से ना निकले. अब

इस पर ब्रश के माध्यम से हल्का-हल्का तेल लगा देंगे. एयर फ्रायर में 20 से 25 मिनट तक 200 डिग्री पर उलट पलट कर क्रिस्पी सेक लेंगे. बस यह चीज़ी बाइट तैयार है.

चाइनीज सूजी बाइट

ये चाहिए : एक प्याज बारीक कटा हुआ, एक शिमला मिर्च बारीक कटी हुई, दो चम्मच बारीक कटा हुआ लहसुन, एक चम्मच बारीक कटा हुआ अदरक, थोड़ा सा नमक, टोमेटो सॉस 2 टेबल स्पून, चिली सॉस 1 टीस्पून, सोया सॉस वन टीस्पून, सिज़वान सॉस वन टेबलस्पून, रिफाइंड ऑयल दो टेबलस्पून.

ऐसे बनाएं : सबसे पहले सूजी के तैयार मिश्रण से लंबा-लंबा रोल तैयार करें. उसके बाद इसे स्टीमर में 10 से 15 मिनट के लिए स्टीम कर लेंगे. अच्छी तरीके से स्टीम हो जाए तब इसे स्टीमर में से निकाल कर ठंडा होने दें. ठंडा होने के बाद इस छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें. सर्वप्रथम एक पैन में रिफाइंड डालें.

जब तेल गर्म हो जाए तब इसमें लहसुन और अदरक डालें. 30 सेकंड के बाद इसमें प्याज और शिमला मिर्च डालकर चलाएं. अब इसमें सभी प्रकार के सॉस मिला दें. सूजी के रोल को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर इसमें उलट पलट कर स्वाद अनुसार नमक डालकर तैयार कर लें. तैयार है चाइनीज सूजी बाइट.

तेल की इस छोटी सी बोतल में छिपेगा आपकी उम्र का राज

कमलजीत कौर
ब्यूटी एक्सपर्ट

सदियों से अपने यहां बड़े-बुजुर्ग बादाम के सेवन को शारीरिक स्वास्थ्य और दिमाग की दुरुस्तगी के लिए फायदेमंद बताते आ रहे हैं. आज हम बात करेंगे बादाम रोगन यानि बादाम के तेल की. यह त्वचा और बालों के लिए भी बहुत गुणकारी है. इसमें विटामिन-ए, विटामिन-डी, विटामिन-ई, ओमेगा-3 फैटी एसिड, जिंक, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो त्वचा के लिए बहुत लाभकारी होते हैं. बादाम का तेल त्वचा को पोषण देता है. उसे मुलायम और चमकदार बनाता है. रात में सोने से पहले चेहरा साफ कर बादाम का तेल लगाने की आदत कमाल के फर्क ला सकती है.

- **त्वचा को हाइड्रेट रखे**
बादाम का तेल एक प्राकृतिक मॉइस्चराइजर है. यह त्वचा में नमी को लॉक करता है और त्वचा को हाइड्रेटेड रखता है. इसमें मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड त्वचा का रूखापन कम करने में मदद करते हैं.
- **उम्र का असर कम करे**
बादाम के तेल में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-एजिंग गुण पाए जाते हैं. इसका रात में नियमित इस्तेमाल त्वचा को जवां बनाए रखने में मदद करता है. त्वचा में कसाव आती है. झुर्रियों और फाइन लाइन्स हल्की होती हैं.
- **त्वचा की रंगत निखारे**
बादाम के तेल में मौजूद विटामिन ई दाग-धब्बों और पिगमेंटेशन को कम करता है. त्वचा की रंगत में सुधार होता है और वह पहले से अधिक चमकदार-साफ नजर आती है.
- **क्लिंजर का काम करे**
रात में सोने से पहले चेहरे पर बादाम का तेल लगाने से स्किन के पोर्स खुल जाते हैं और त्वचा में जमा गंदगी को साफ करने में मदद मिलती है. इसका नियमित मसाज त्वचा पर मौजूद डेड स्किन को हटाता है. अतिरिक्त तेल साफ होता है जिससे कील-मुंहासे होने की आशंका कम होती है.
- **डार्क सर्कल को कम करे**
इसमें मौजूद विटामिन ए आंखों के नीचे के घेरे को कम करता है. एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी मौजूद होते हैं, जो त्वचा की सूजन और पफी आई की समस्या को दूर कर सकते हैं.

विमर्श

आखिर कब सुरक्षित होंगी हम?

8 अगस्त 2024 को कोलकाता के आर जी कार मेडिकल कॉलेज में 31 वर्षीय डॉक्टर मौमिता देवनाथ की नृशंस हत्या और बलात्कार की घटना ने एक बार फिर स्त्री सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न खड़ा किया है. इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर सूबे की महिलाओं ने आक्रोश व्यक्त किया है.

जरूरी हैं विरोध के स्वर

डॉ. कल्याणी कबीर

एक ओर तो पूरे देश भर में रायकर अस्पताल, कोलकाता में हुई बलात्कार के घटना की निंदा की जा रही है तो दूसरी ओर कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि इस विषय पर लिखने से,बोलने से होगा क्या! पर एक सवाल यह भी है कि इस तरह की घटनाओं के बाद चुप रहना भी तो हमें अमानवीय ठहराएगा. कुमार कौशल का यह शेर है :-

"इक लाश बोलती है ज़मीं पर पड़े-पड़े,
ख़ामोश जो खड़े हैं वो क़ातिल के साथ हैं."

जरूरी है बोलना क्योंकि इस तरह की सामाजिक बुराई वैचारिक धरातल पर ही लड़कर खत्म की जा सकती है. लाठी/ डंडे के जोर से अगर कुछ होना होता तो निर्भया कांड के बाद इस तरह की अप्रिय घटनाएं कानों तक आती ही नहीं. मूल बात यह है कि भारतीय समाज के हर दूसरे / तीसरे परिवार में बालकों की परवरिश ही इस तरह से की जाती है कि वह यही देखते -सुनते बड़ा होता है कि घर की महिलाएं दोयम दर्जे की नागरिक हैं. उनकी बात अहम नहीं, विचार महत्वपूर्ण नहीं. उनकी खुशी, सम्मान या स्वाभिमान परिवार में किसी के लिए विचारणीय विषय नहीं होता.

ऐसे में बालक के मन में यह बात बैठ जाती है कि महिलाएं एक वस्तु से अधिक कुछ नहीं. वह रसोई घर चलाने और बच्चों के जन्म - परवरिश से ज्यादा कुछ नहीं कर सकती. वह बालक जब पुरुष बनता है तो घर के बाहर की महिलाओं को भी उसी नजर से देखता है. महिला या लड़की उसके किसी लालच, भूख और लालसा को पूरा करने का माध्यम भर होती है इससे अधिक कुछ नहीं. इसलिए सबसे पहले जो लड़ाई लड़नी है वह परिवार से ही शुरू करनी होगी.

हर वह स्त्री जो अपनी बात को रखती है या बुरी बात का विरोध करती है उसे बदचलन कहा जाता है या ओवर कॉन्फिडेंट. पर यही संघर्ष है कि अपनी निंदा होने के बाद भी महिलाएं अपनी बात रखें. दरअसल महिलाओं के लिए एक सोची-समझी परिपाटी बना दी गई है कि उन्हें कम बोलना है, धीमे बोलना है और घर के भीतर ही बोलना है और वह भी तब बोलना है जब सामने सुनने वाला सुनने के लिए तैयार है.

ऐसे में आज जब महिलाएं अपनी बात रखती हैं और आक्रोश रैली निकालती है तो बहुत सारे लोगों की दृष्टि में यह भी सभ्य आचरण नहीं. सड़क पर जाकर रैली करना, भाषण देना कई सारे लोगों को नागवार गुजर सकता है. पर तय हम महिलाओं को करना है कि आप सभ्य होने का लबादा ओढ़कर जीना चाहती हैं या आत्मसम्मान के साथ जीना चाहती हैं.

अगर आप सम्मान और स्वाभिमान के साथ जीना चाहती है तो बोलना सीखना ही होगा. भले इसके लिए लोग कितनी भी आपकी निंदा करें, इस कुरूक्षेत्र में उतरना होगा.

एक चिकित्सक तभी तो दे पाएंगी सेवा

डॉ श्रीमाली सुमि

निःशब्द हूं. तब बारहवीं में थी जब निर्भया कांड हुआ था. तब शायद पहली बार समाज में महिलाओं की स्थिति ने शॉक्ड किया था. कोलकाता की यह घटना अधिक रिलेट कर रही, एक डॉक्टर के तौर पर, एक लड़की के तौर पर. दिन भर में जाने कितने लोगों, कितने मरीजों से हमारा वास्ता होता है. स्पर्श होता है. चिकित्सक के लिए तो स्पर्श की भाषा ही अलग होती है, पर यहां चिकित्सक के साथ ही यह कांड! उफ!

यही मांग है कि सरकार हॉस्पिटल में सुरक्षा बढाएं महिला और पुरुष चिकित्सक के लिए अलग-अलग कॉल रूम बनाएं, उनके खाने-पीने के लिए सही व्यवस्था हो ताकि ड्यूटी ऑवर्स के बीच रिलेक्श होने के कुछ सुरक्षित और आरामदेह व्यवस्था हो, हॉस्पिटल कैंपस में निर्भय हो कर अपनी सेवा दे पाएं.

महिलाओं के लिए नहीं हो नाइट ड्यूटी

डॉ सुनीता यादव

मन बहुत आक्रोशित है. बेटियां हवश की शिकार होती ही रहती हैं और साल में ऐसी दो-तीन घटनाएं सुर्खियां भी बनती हैं. कुछ दिन विरोध, आक्रोश और दुख जोर-शोर से जाहिर होते हैं और फिर हम जिंदगी के पुराने ढर्रे पर लौट आते हैं. लोग कहते हैं कि बेटों को संस्कार दें. मुझे तो आज तक ऐसी कोई मां नहीं मिली जो अपने बेटे को ऐसी हैवानियत के लिए माहौल दे. ऐसे कांड करने वाले सिर्फ लड़के ही नहीं होते, ऐसे पुरुष भी होते हैं जिनके घर में पत्नी या उस उम्र की बेटी भी हो.

बहरहाल, जो माहौल है, उसमें यही सही होगा कि महिलाओं की अपने देश में नाइट ड्यूटी नहीं लगाई जाए, चाहे किसी भी पेशे में हों, उनके ड्यूटी आवर सुनिश्चित हों. वक्त-बेवक्त उनकी सेवाएं नहीं ली जाएं. वर्क प्लेस पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो.

कानूनी दंड ही नहीं, सामाजिक बहिष्कार भी हो

पूजा शकुंतला शुक्ला

यह घटना भारत में आजादी के 78 वर्षों बाद भी महिलाओं के प्रति हिंसा की अनगिनत घटनाओं का एक दुखद उदाहरण है. बलात्कार एक अमानवीय अपराध है जो न केवल महिलाओं की शारीरिक और मानसिक स्थिति को प्रभावित करता है, बल्कि समाज की नैतिकता को भी ध्वस्त करता है. हमारे समाज में महिलाओं को अभी भी अपने अधिकारों और सुरक्षा के लिए संघर्ष करना पड़ता है. बलात्कारी मानसिकता को समाप्त करने के लिए हमें कठोर दंड और सख्त कानून की आवश्यकता है. बलात्कार को केवल कानूनी दंड के आधार पर नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी दण्डनीय किया जाना चाहिए. हमारे समाज में एक ऐसा वातावरण होना चाहिए जहां महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा मिले, और बलात्कार जैसे जघन्य अपराध पूरी तरह समाप्त हो जाएं.

काफी नहीं कैंडल मार्च बने अति कठोर कानून

रूणा रश्मि 'दीप्त'

इंसानियत को शर्मसार करने और दिल दहला देने वाली ऐसी दर्दनाक और शर्मनाक घटना, जिसके बारे में सुनकर ही रूह कांप उठती है, उस संबंध में क्या विचार व्यक्त कर सकते हैं! इस पाशविक कुकृत्य की विस्तृत जानकारी वाली खबरें टीवी पर देखने के लिए भी हिम्मत जुटानी पड़ रही है. अभी तो मणिपुर की अति दुखदाई यादें ताजा ही थीं कि अब कोलकाता की उस डॉक्टर के साथ ऐसी दुश्कृति!! कैंडिल मार्च और वक्तव्यों से आगे अब हमें मंथन करना होगा कि आखिर क्यों कुछ पुरुषों की मानसिकता ऐसी विकृत हो जाती है? अपने परिवार, समाज या कानून का कोई भय उनके मन में क्यों नहीं रह जाता है? कोई ऐसा अति कठोर कानून तो अब बनाना ही पड़ेगा जिससे कि इनसानियत अगर ईश्वर भूल भी जाएँ तब कानून का भय उनके कुकर्मों पर लगाम लगा सके.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

भूषण कुमार की निर्माण कंपनी 'टी-सीरीज पूर्व क्रिकेटर के जीवन पर बनाएगी फिल्म

सचिन-माही के बाद अब युवराज पर बनेगी बॉयोपिक, मेकर्स ने की अनाउंसमेंट

लगातार डेस्क

सचिन तेंदुलकर और महेंद्र सिंह धोनी के बाद एक और क्रिकेटर की जीवनी पर फिल्म बनेगी. भूषण कुमार की निर्माण कंपनी 'टी-सीरीज' पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह पर बॉयोपिक बनाने की मंगलवार को घोषणा की. इस फिल्म में युवराज सिंह के क्रिकेट करियर और पर्सनल लाइफ के खास पलों को दिखाया जायेगा. इसकी कहानी 2007 के टी20 विश्वकप में छह गेंद पर छक्के लगाने, उनकी कैंसर से लड़ाई और फिर 2012 में दोबारा क्रिकेट की दुनिया में लौटने के इर्द-गिर्द होगी. फिल्म क्रिटिक तरन आदर्श ने भी इस बात की पुष्टि की है. बता दें कि युवराज सिंह ने 13 साल की उम्र में अपने करियर की शुरुआत की थी.

यह फिल्म लोगों को जुनून के साथ सपनों को पूरा करने के लिए करेगी प्रेरित

युवराज सिंह ने खुद पर पर बन रही फिल्म पर प्रतिक्रिया दी है. क्रिकेटर ने कहा कि भूषण और रवि दुनिया भर में मेरे लाखों प्रशंसकों को मेरी कहानी दिखायेंगे. मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं. क्रिकेट से मुझे सबसे अधिक प्यार है और सभी उतार-चढ़ावों के दौरान यह ताकत का स्रोत रहा है. मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म लोगों को अपनी चुनौतियों से उबरने और जुनून के साथ अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करेगी.

रणवीर कपूर निभा सकते हैं युवराज का किरदार

युवराज सिंह की बॉयोपिक भूषण कुमार की 'टी-सीरीज' के बैनर तले बनेगी. जबकि रवि भागचंदका इसके को-प्रोड्यूसर होंगे. हालांकि फिल्म निर्माताओं ने फिल्म के निर्देशक और कलाकारों से जुड़ी जानकारी साझा नहीं की है. युवी का किरदार कौन निभायेगा और इस फिल्म का नाम क्या होगा, अभी यह तय नहीं किया है. लेकिन रिपोर्ट्स की मानें तो बॉलीवुड के उभरते कलाकार सिद्धांत चतुर्वेदी ने युवराज सिंह की बायोपिक में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं. हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि युवराज सिंह के किरदार को पर्दे पर जिंदा करने के लिए रणवीर कपूर भी एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं.

उनका जीवन दृढ़ता, जीत व जुनून की एक बेमिसाल कहानी : भूषण

वहीं फिल्म प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने कहा कि वह सिंह के प्रेरणादायक सफर को बड़े पर्दे पर लाने को लेकर उत्साहित हैं. कहा कि युवराज सिंह का जीवन दृढ़ता, जीत और जुनून की एक बेमिसाल कहानी है. क्रिकेट की पिच से असल जिंदगी का 'हीरो' बनने तक का उनका सफर वाकई प्रेरणादायक है.

ब्रीफ खबरें

भारत के दो पहलवान कांस्य पदक की दौड़ में

अम्मान (जोर्डन)। भारत के ग्रीको रोमन पहलवान रौनक दहिया और परधी साईनाथ मंगलवार को यहां अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में अपने-अपने वर्ग में कांस्य पदक की दौड़ में बने हुए हैं. साईनाथ 51 किग्रा वर्ग में रेपेचेज दौर के जरिए कांस्य पदक की दौड़ में हैं जहां उनका सामना अमेरिका के मुनारेटो डोमिनिक माइकल से होगा. साईनाथ पहले दौर में अजरबेजान के तुशान दशधीमिरोव से 1-5 से हार गए थे. अजरबेजान के पहलवान ने बाद में फाइनल में जगह बनाई जिससे परधी को कांस्य पदक के लिए चुनौती पेश करने का मौका मिला.रौनक 110 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक के लिए तुर्की के एमुरूल्लाह कैपकन से भिड़ेंगे.

अश्मिता और मालविका पहले दौर में बाहर

योकोहामा (जापान)। भारत की अश्मिता चालिहा और मालविका बंसोड़ मंगलवार को यहां जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के शुरुआती दौर में हारकर बाहर हो गईं.अश्मिता जहां चीनी ताइपे की शीर्ष वरीयता प्राप्त ताई त्जु यिंग से 16-21, 12-21 से हार गईं, वहीं मालविका को यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा ने 23-21, 21-19 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया.भारत की तरफ से महिला एकल में आकर्षी कश्यप भी अपनी चुनौती पेश कर रही है. वह पहले दौर में दक्षिण कोरिया की किम गा यून का सामना करेगी.पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों में से कोई भी इस प्रतियोगिता में नहीं खेल रहा है.

पंजाब एफसी ने विडाल के साथ किया अनुबंध

मोहाली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के क्लब पंजाब एफसी ने मंगलवार को 2024-25 सत्र के लिए पांचवें विदेशी खिलाड़ी के रूप में अर्जेंटीना के मिडफील्डर नॉर्बर्टो एज़ेक्विल विडाल के साथ अनुबंध की घोषणा की. अर्जेंटीना का यह फुटबॉलर इससे पहले इंडोनेशिया की शीर्ष टीम पर्सिटा टैंगेरंग के लिए खेल रहा था.अर्जेंटीना के बाहिया ब्लैंका में जन्मा यह 29 वर्षीय खिलाड़ी मुख्य रूप से मिडफील्डर या विंगर के रूप में खेलता है. उन्होंने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत 2011 में अपने गृहनगर के क्लब ओलिम्पो से की.

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बना नया रिकॉर्ड

टूट गया युवराज सिंह का 18 साल पहले बना रिकॉर्ड

एजेंसी। नई दिल्ली

समोआ के मध्यक्रम के बल्लेबाज डेरियस विसेर ने मंगलवार को राजधानी शहर एपिया में टी20 विश्व कप पूर्वी एशिया प्रशांत क्षेत्र क्वालीफायर में वनातु के खिलाफ एक ओवर में 39 रन बनाकर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नया रिकॉर्ड बनाया.विसेर ने तेज गेंदबाज नलिन निपिको के एक ओवर में छह छक्के मारे. इस ओवर में तीन नोबॉल भी शामिल थीं जिससे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में सर्वाधिक रन का नया रिकॉर्ड बन गया.

सिडनी में ग्रेड क्रिकेट खेलकर अपने खेल को निखारने वाले इस 28 वर्षीय बल्लेबाज का यह केवल तीसरा टी20 मैच था. उन्होंने 62 गेंदों में पांच चौकों और 14 छक्कों की मदद से 132 रन बनाए. विसेर को वास्तविक पावर हिटर माना जाता है. एक बार न्यू साउथ वेल्स में हाइप क्रिकेट अकादमी में शॉट स्पीड सत्र का आयोजन किया गया था जिसमें विसेर पहले स्थान पर रहे थे. उनके शॉट की गति 160 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक आंकी गई थी. समोआ के कप्तान जसमत कालेब ने पीटीआई से कहा,''उन्होंने क्लीन हिटिंग की. हमें नहीं पता था कि यह विश्व रिकॉर्ड है. पारी समाप्त होने के बाद हमें इसका पता चला. लेकिन मैं उसके लिए खुश हूं. मुझे खुशी है कि हमारी टीम जीत हासिल करने में सफल रही. अब हमारा ध्यान अगले मैच पर है.'

डेरियस विसर ने एक ओवर में 39 रन ठोके

समोआ अपना अगला मैच आज खेलेगा

इससे पहले पांच अवसरों पर किसी गेंदबाज ने एक ओवर में 36 रन दिए. इन गेंदबाजों में स्टुअर्ट ब्रॉड (2007), अकिला धनंजय (2021), करीम जन्नत (2024), कामरान खान (2024) और अजमतुल्लाह उमरजई (2024) शामिल हैं.

युवराज सिंह ने 2007 में बनाया था रिकॉर्ड

भारत के युवराज सिंह ने 2007 में खेले गए पहले टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के लगाए थे, जबकि वेस्टइंडीज के बल्लेबाज कीरोन पोलार्ड ने कूलिज, एंटीगा में द्विपक्षीय श्रृंखला के मैच में धनंजय के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी. नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी ने एसीसी प्रीमियर कप में कतर के कामरान खान पर छह छक्के लगाए, जबकि वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन ने इस साल जून में ग्रोस आइलेट में टी20 विश्व कप के दौरान अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज अजमतुल्लाह उमरजई पर छह छक्के लगाए. रोहित शर्मा और रिंकू सिंह ने मिलकर बेंगलुरु में द्विपक्षीय मैच के दौरान अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज करीम जनत के एक ओवर में 36 रन बनाए. भारत ने यह मैच दूसरे सुपर ओवर में जीता था. विसेर इस प्रारूप में शतक बनाने वाले समोआ के पहले बल्लेबाज हैं. उनकी इस पारी के बावजूद समोआ की टीम 174 रन पर आउट हो गई. विसेर के बाद उनकी टीम की तरफ से दूसरा सर्वोच्च स्कोर कप्तान जसमत का 16 रन था. वनातु की टीम ने इसके जवाब में अच्छी चुनौती पेश की लेकिन आखिर में वह नौ विकेट पर 164 रन ही बना पाई और 10 रन से मैच हार गई.

पहले ईस्पोर्ट्स ओलंपिक खेलों की मेजबानी करेगा सऊदी अरब

एजेंसी। नयी दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने ईस्पोर्ट्स को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के उद्देश्य से पहले ईस्पोर्ट्स ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए सऊदी अरब की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ साझेदारी की है. इससे पहले ओलंपिक कार्यकारी बोर्ड ने ईस्पोर्ट्स ओलंपिक खेलों की शुरुआत करने का प्रस्ताव रखा था, जिसके बाद आईओसी ने यह कदम उठाया. यूएनआईवी स्पोर्टटेक के संस्थापक और एफईएआई (फेडरेशन ऑफ ईस्पोर्ट्स एसोसिएशन इंडिया) के संस्थापक सदस्य अभिषेक इस्सर ने कहा,'अब प्रत्येक देश ईस्पोर्ट्स को

ओलंपिक पदक जीतने के अवसर के रूप में देखेगा. यह इस उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण कदम है. भारत इस क्षेत्र में तेजी से विकास करने में सक्षम है.' ईस्पोर्ट्स श्रेणी में खिलाड़ी 2021 और 2022 के बीच चार गुना बढ़ गए (150,000 से 600,000 तक) और भविष्य के अनुमानों के अनुसार 2027 के अंत तक यह संख्या 15,00,000 तक पहुंच जाएगी.

पेरिस पैरालंपिक के लिए भारतीय दल के प्रमुख बने सांगवान

नयी दिल्ली। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश सांगवान को आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए मंगलवार को भारतीय दल का मिशन प्रमुख नियुक्त किया गया.सांगवान को पैरालंपिक अभियान के साथ जुड़े रहने का एक दशक से भी अधिक समय का अनुभव है.मिशन प्रमुख के रूप में वह 84 पैरा खिलाड़ियों के भारत के अब तक के सबसे बड़े दल की अगुआई करेंगे. भारतीय खिलाड़ी 12 खेलों में चुनौती पेश करेंगे. सांगवान ने कहा, यह जिम्मेदारी मिलना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है. मैं यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हूं कि हमारे खिलाड़ियों के पास पैरालंपिक में सफल होने और भारत को गौरवांवित करने के लिए आवश्यक सभी चीजें हों.

भारत को अपने खेल कौशल को सुधारना होगा : रंजन चौधरी

- भारतीय टीम का अगला मैच 23 अगस्त को मालदीव के खिलाफ है

एजेंसी। काठमांडू

मुख्य कोच रंजन चौधरी ने मंगलवार को कहा कि भूटान पर 1-0 से संघर्षपूर्ण जीत के बाद भारतीय टीम को सैफ अंडर 20 चैंपियनशिप के आगामी मैचों में मौकों को गोल में बदलने के कौशल में सुधार करना होगा.अपने शुरुआती मैच में जीत के बाद भारत ग्रुप बी में तीन अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर है. चौधरी ने नौ खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद भूटान के खिलाफ गोल नहीं खाने पर टीम की सराहना की. उन्होंने हालांकि कहा कि खिलाड़ियों को आगामी मैचों में अपने खेल में सुधार करना होगा.चौधरी ने कहा, 'जिस तरह से हमारे खिलाड़ियों ने दो रेड कार्ड मिलने के बाद संघर्ष किया, वह वास्तव में सराहनीय है. नौ खिलाड़ियों के साथ किसी मैच में बने रहना आसान नहीं होता है लेकिन उन्होंने शानदार जज्बा दिखाया. यह उनकी मजबूत मानसिकता के बारे में बहुत कुछ बताता है.'भारतीय कोच ने कहा, 'हमारे खिलाड़ियों ने रक्षा पंक्ति में बेहतरीन बचाव किया और कई बार भूटान की रक्षापंक्ति को भेदने में सफल रहे. हमें जिस एक क्षेत्र में सुधार करना होगा वह है मौकों को गोल में बदलना.'भारतीय टीम का अगला मैच 23 अगस्त को मालदीव के खिलाफ है. चौधरी ने कहा कि टीम दोनों मैचों के बीच में तीन दिन के समय का इस्तेमाल तरोताजा होने और अभ्यास करने के लिए करेगी.

सिनर व सबालेंका को मिला खिताब

एजेंसी। मेसन

विश्व के नंबर एक पुरुष खिलाड़ी यानिक सिनर और महिलाओं में नंबर दो आर्यना सबालेंका ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में सीधे सेटों में जीत हासिल करके खिताब जीते.यह दोनों खिलाड़ी सिनसिनाटी ओपन में पहली बार चैंपियन बने. सबालेंका ने जेसिका पेगुला को 6-3, 7-5 से हराकर जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद पहली बार कोई खिताब जीता. शुक्रवार को अपना 23वां जन्मदिन मनाने वाले सिनर ने अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो को 7-6(4) 6-2 से हराया. वह 2008 में एंडी मरे के

बाद सबसे कम उम्र में सिनसिनाटी ओपन का खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं. मरे ने 21 वर्ष की उम्र में यहां खिताब जीता था. सिनर और टियाफो दोनों पहली बार सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में पहुंचे थे. इससे पहले यहां उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीसरे दौर में पहुंचना था.यह टूर्नामेंट 26 अगस्त से न्यूयॉर्क में शुरू होने वाले अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में महत्वपूर्ण माना जाता है.

ध्रुव चव्हाण ने पोलो कप का खिताब जीता

चेन्नई। मुंबई के ध्रुव चव्हाण ने मंगलवार को यहां पोलो कप इंडिया 2024 रेसिंग प्रतियोगिता में आदित्य पटनायक को पछाड़कर खिताब जीता. ओजस सुर्वे तीसरे स्थान पर रहे.मद्रास अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर पहली रेस जीतकर आदित्य ने बढ़त बनाई लेकिन ध्रुव ने अगली रेस जीतकर उनकी बराबरी पर ली.आदित्य ने दूसरे दौर की भी पहली रेस जीती लेकिर ध्रुव ने अपने प्रदर्शन के अधिक निरंतरता दिखाते हुए बाकी रेस में महत्वपूर्ण अंक जुटाकर खिताब अपने नाम किया. रोमिर आर्या को 'बेस्ट रूकी ऑफ द सीजन' चुना गया जबकि मुंजाल सावला ने मास्टर चैंपियनशिप जीती.

छठी टेनिस प्रीमियर लीग में हिस्सा लेंगे नागल, गेस्टन

एजेंसी। मुंबई

दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल और फ्रांस के ह्यूगो गेस्टन यहां तीन से आठ दिसंबर तक होने वाली छठी टेनिस प्रीमियर लीग के पुरुष वर्ग में मुख्य आकर्षण होंगे. क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) में होने वाले इस टूर्नामेंट के दुनिया की 41वें नंबर की खिलाड़ी पोलैंड की मेग्डा लिनेट और आर्मेनिया की दुनिया की 52वें नंबर की एलिना एवानेस्यान महिला वर्ग में शीर्ष खिलाड़ी होंगी.यह टूर्नामेंट 25 अंक प्रारूप में खेला जाएगा जिसमें

प्रत्येक फ्रेंचाइजी को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पांच मुकाबले मिलेंगे. दो फ्रेंचाइजी के बीच होने वाले मुकाबले में पुरुष एकल, महिला एकल, मिश्रित युगल और पुरुष युगल मैच होंगे जिसमें कुल 100 अंक दांव पर लगे होंगे. प्रत्येक वर्ग का मैच 25 अंक का होगा.

थिएरी हेनरी ने फ्रांस का कोच पद छोड़ा

नई दिल्ली। पेरिस खेलों में फ्रांस की ओलंपिक टीम को रजत पदक दिलाने के बाद महान फुटबॉलर थिएरी हेनरी ने सोमवार को कोच का पद छोड़ दिया. फ्रांसीसी फुटबॉल महासंघ ने उनके पद छोड़ने के लिए व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया है. हेनरी का अनुबंध अगले सत्र तक था और उन्हें अगले महीने 2025 यूरोपीय चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग के लिए फ्रांस की अंडर-21 टीम की कोचिंग फिर से शुरू करनी थी. हेनरी को उनके काम के लिए धन्यवाद देते हुए महासंघ के अध्यक्ष फिलिप डायलो ने उनके 'पेशेवरपन, कड़ी मेहनत और राष्ट्रीय नीली जर्सी के प्रति प्रेम' की प्रशंसा की.

दावा इकॉनॉमिक्स टाइम्स के रिपोर्ट के मुताबिक टूट गए अब तक के सारे रिकॉर्ड!

आईपीएल 2023 से बीसीसीआई को हुई बंपर कमाई

एजेंसी। नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2023 से बीसीसीआई की बंपर कमाई हुई है. इकॉनॉमिक्स टाइम्स के रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई को आईपीएल से 5120 करोड़ रुपए का सरप्लस मिला है. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बीसीसीआई ने आईपीएल 2022 से अर्जित 2367 करोड़ रुपए के सरप्लस से 116 इस बीर प्रतिशत की ज्यादा कमाया है. माना जा रहा है कि बीसीसीआई की आईपीएल 2023 से कुल आय 11,769 करोड़ रुपए थी, जो साल दर साल 78 प्रतिशत तक बढ़ी है. हालांकि, इसके साथ ही बीसीसीआई के खर्चे भी काफी बढ़ गए हैं. आईपीएल 2022-23 के

वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 66 प्रतिशत बढ़ा है जिसमें 6648 करोड़ रुपए आयोजन में लगे हैं.

वहीं कमाई की बात करें तो बीसीसीआई ने आईपीएल के नए मीडिया राइट्स से सबसे ज्यादा पैसा हासिल किया है. इसके अलावा स्पॉन्सर से भी बोर्ड को बड़ी रकम मिलती है. बता दें कि नए मीडिया राइट्स 2023-27 के लिए 48,390 करोड़ रुपए का है. यह आईपीएल 2023 से शुरू हुआ है. आईपीएल टीवी अधिकार 2021 में डिज्नी स्टार ने 23,575 करोड़ रुपए में हासिल किया था. पहीं डिजिटल राइट्स जियो सिनेमा को 23,758 करोड़ रुपए में मिले हैं. आईपीएल टाइटल स्पॉन्सर राइट्स टाटा संस को 2500 करोड़ रुपए में बेचे गए हैं.

आईपीएल में हो रही कमाई के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में बोर्ड को नुकसान झेलना पड़ सकता है. आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन पाकिस्तान में किया जाएगा और भारतीय टीम वहां नहीं जाएगी. ऐले में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से भारत श्रीलंका या दुबई में अपने मैच आयोजित करने के लिए कह सकती है. ऐसी स्थिति में बीसीसीआई को नुकसान झेलना पड़ सकता है.

बता दें कि 2008 के एशिया कप के बाद से, भारत दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण पाकिस्तान में कोई क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं खेला है. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारत को अपने सभी मैच एक शहर में खेलने का प्रस्ताव दिया था. हालांकि, भारतीय बोर्ड पाकिस्तान की यात्रा के प्रस्ताव में दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है.

बांग्लादेश से छिनी महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी

अब तीन अक्टूबर से यूएई में होगा

एजेंसी। दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद बांग्लादेश में व्याप्त अशांति के कारण महिला टी20 विश्व कप को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में स्थानांतरित किया जाएगा. इस खेल के वैश्विक संचालक ने कहा कि इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले देशों की सरकारों द्वारा बांग्लादेश की यात्रा न करने की सलाह के बाद इस टूर्नामेंट का वहां आयोजन करना 'संभव नहीं' था. इस विश्व कप को तीन से 20 अक्टूबर तक दुबई और शारजाह में आयोजित किया जाएगा. इसकी मेजबानी का अधिकार हालांकि बांग्लादेश के पास ही रहेगा जिससे यह सुनिश्चित होगा कि वह राजस्व का अपना हिस्सा प्राप्त कर सके.आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने दक्षिण एशिया के इस देश में अशांति का जिक्र किये बिना कहा, 'बांग्लादेश के लिए महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी नहीं करना निराशाजनक है क्योंकि हम जानते हैं कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने एक यादगार आयोजन की तैयारी की थी.' एलार्डिस ने कहा कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने 'इसके आयोजन के लिए सभी विकल्प तलाशे हैं'. उन्होंने यहां जारी बयान में कहा, '.लेकिन कई भाग लेने वाली टीमों की सरकारों से यात्रा संबंधी सलाह का मतलब है कि वहां इसका आयोजन संभव नहीं था. बांग्लादेश हालांकि मेजबानी के अधिकार बरकरार रखेगा. हम निकट भविष्य में बांग्लादेश में एक आईसीसी वैश्विक टूर्नामेंट आयोजित करने की कोशिश करेंगे.' शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद देश भर में भड़की हिंसा की घटनाओं में 230 से अधिक लोग मारे गए हैं. देश में एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया है और 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को इसका मुख्य सलाहकार नामित किया गया है. पूर्व प्रधानमंत्री के करीबी माने जाने वाले बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजमुल हसन पापोन भी देश छोड़कर भाग गए हैं. आईसीसी का यह फैसला ऑस्ट्रेलिया की टी20 कप्तान एलिसा हीली द्वारा सोमवार को वहां खेलने को लेकर आशंका व्यक्त करने के बाद आया है.

ब्रीफ खबरें

दो ट्रकों में टक्कर, ड्राइवर की मौत

किशनगंज । जिले के कोचाधामन थाना क्षेत्र के एनएच-327 पर भीषण सड़क हादसा हुआ. तेज रफ्तार दो ट्रैकों के आमने-सामने जबरदस्त टक्कर होने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई है. घटना कोचाधामन थाना क्षेत्र के महादेवदिघी के समीप मंगलवार को हुई है. जानकारी के अनुसार कोचाधामन थाना क्षेत्र के महादेवदिघी के समीप एनएच 327 पर तेज रफ्तार दो ट्रक के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई है, जिसमें आमने सामने दो ट्रकों के भिड़त हो जाने से दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए हैं.

सीढी के मलवे में दबने से महिला की मौत

बिहारशरीफ । नालंदा जिले के दीपनगर थानाक्षेत्र के मेहनौर गांव में सीढी के मलवा में दबने से 50 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गयी. यह घटना मंगलवार की सुबह की है. मृतक महिला मेहनौर गांव निवासी स्व.राजो यादव की पत्नी नीरो देवी है. बताया जाता है कि नीरो देवी अपने घर में वर्षा से बचने के लिए घर में बनी कच्ची सीढ़ी के पास छुप गयी . तेज वर्षा से मिट्टी का बना सीढ़ी गिर गया. उसी मलवा में नीरो दब गयी, जहां से परिवार वालों ने मलवा हटाकर निरो को बाहर निकाला, जिसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान ही महिला की मौत हो गयी.

नालंदा में महिला की गोली मारकर हत्या

बिहारशरीफ । जिले में कराय-परसुराय थाना क्षेत्र के चंद्रकुरा बहियार में सोमवार रात एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई. मृतका की पहचान मखदुमपुर गांव निवासी शिव कुमार यादव की पत्नी बबीता कुमारी बतायी जाती है. घटना रात नौ बजे की है. घटना की सूचना कराय-परसुराय थानाध्यक्ष को दी गई. जिसमें बताया गया कि हिलसा-दनियावां पटना रोड से सटे चंद्रकुरा बहियार के समीप एक महिला को गोली मारकर हत्या कर दी गयी है. सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है.

मुख्यमंत्री ने बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय का किया निरीक्षण

तेजी से निर्माण कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

संवाददाता । पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को वैशाली जिला के वैशालीगढ़ स्थित निर्माणाधीन बुद्ध सम्यक दर्शन-सह-बुद्ध स्मृति स्तूप का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया. निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने पूरे परिसर के विकास कार्यों का जायजा लिया. मुख्यमंत्री ने बुद्ध स्तूप के भू-तल एवं प्रथम तल का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की जानकारी ली. उन्होंने पुस्तकालय एवं ध्यान कक्ष का भी निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली. निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय एवं बुद्ध स्मृति स्तूप के निर्माण कार्य की प्रगति की अद्यतन जानकारी दी.

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हम यहां हमेशा आते रहते हैं और यहां के निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते रहते हैं. योजना के अनुरूप कार्य जल्द-से-जल्द पूर्ण करें. परिसर में पौधरोपण भी कराएं. यहां अच्छे ढंग से वाटर बॉडी का भी निर्माण कराएं. साथ ही परिसर के अंदर भी रास्ते का निर्माण ठीक से कराएं. उन्होंने कहा कि आवागमन को भी बेहतर किया जा रहा है ताकि आसानी से और कम समय में पर्यटक यहां पर पहुंच सकें. अधिक से अधिक संख्या में पर्यटकों के आने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे.

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैशाली ऐतिहासिक और पौराणिक जगह है. भगवान बुद्ध के जितने भी अस्थि कलश मिले हैं, उसमें वैशाली में मिला अस्थि कलश सबसे प्रामाणिक है. बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-बुद्ध स्मृति स्तूप के बन जाने के बाद यहां बौद्ध भिक्षु के साथ-साथ बड़ी संख्या में देश-विदेश से पर्यटक भी आएंगे. बोधगया और राजगीर आनेवाले श्रद्धालु भी यहां आएंगे. बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय में महात्मा बुद्ध के जीवन से संबंधित घटनाओं और बौद्ध धर्म से जुड़े प्रसंगों को यहां दर्शाया जाएगा.

उन्होंने कहा कि पहले वैशालीगढ़ की क्या स्थिति थी और बाद में हमने इसको विकसित करने को लेकर जो योजना बनाई, उसके तहत जो कार्य किए गए हैं उसकी भी विवरणी को भी यहां दर्शाएं. इससे लोग जान सकेंगे कि इस ऐतिहासिक धरोहर को विकसित करने के लिए कितने कार्य किए गए हैं.

दो भाइयों की सड़क हादसे में मौत, राखी बंधवाकर लौट रहे थे

गोपालगंज । गोपालगंज में सड़क दुर्घटना में दो भाइयों की दर्दनाक मौत हो गई है. घटना मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के बहोरवा गांव की है. मृतकों की पहचान छपरा जिले के परसा थाना क्षेत्र अंतर्गत बनकेरवा गांव निवासी बबलू कुमार और चंदन कुमार के रूप में की गई है. बबलू बड़ा भाई था, जबकि चंदन कुमार छोटा भाई. मौत की खबर सुनने के बाद के बाद परिजनों में कोहराम मच गया. वहीं घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि दोनों भाई दोनों भाई बहन के घर से राखी बंधवा कर लौट रहे थे. तभी हादसा के शिकार हो गए.

पटना में मीडिया से बातचीत करते हुए बोले मंत्री चिराग पासवान

सरकार नियुक्ति निकालती है तो आरक्षण को देखना होगा

संवाददाता । पटना

देश में इन दिनों 'लेटरल एंट्री' पर बहस छिड़ी हुई थी. एनडीए की सहयोगी एलजेपीआर भी इससे सहमत नहीं थी. अब जब कि केंद्र सरकार ने इस पर अपने निर्णय को वापस ले लिया है तो केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने खुशी का इजहार किया और कहा कि मुझे प्रधानमंत्री पर पूरा भरोसा था और ये विश्वास और ज्यादा मजबूत हो गया. चिराग पासवान मंगलवार को पटना में एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान लेटेरल एंट्री पर अपनी बात रख रहे थे, जहां उन्होंने कहा कि उन्होंने सरकार से इस मुद्दे पर बात की थी. इसमें विचार करने की जरूरत है.

केंद्रीय मंत्री ने लेटरल योजना पर कहा कि मैं सरकार का अंग हूं कई ऐसी बातें हैं जो सार्वजनिक तौर पर रखने में मैं समर्थ नहीं हूं. सरकार का अंग होने के नाते सरकार का संरक्षण करने की बड़ी जिम्मेदारी भी मेरे कंधों पर है. अगर कहीं ऐसे विषय है, जहां पर हर असहमति होती है पर असहमति को दर्ज करने के लिए भी सरकार के भीतर मुझे एक मंच मुहैया कराया गया है, जहां पर अक्सर ऐसे विषयों को प्रमुखता से रखने का काम करता हूं.

'नियुक्ति में आरक्षण के प्रावधानों को देखना ही होगा' : चिराग ने कहा कि मैं एक बात स्पष्ट कर दूं. मैं और मेरी पार्टी पूरी तरीके से इस बात को लेकर समर्पित है कि केंद्र सरकार या किसी भी सरकार के जरिए कोई भी नियुक्ति निकलती है, उसमें आरक्षण के प्रावधानों को देखना ही होगा. कोई ऑप्शन नहीं है जैसा मैंने कहा कि एक सरकारी क्षेत्र ही है जहां पर इसके प्रावधानों को आप लागू कर सकते हैं अगर यहां पर भी लागू नहीं किया जाएगा तो यह बहुत बड़ी चिंता का विषय होगा. तो ऐसी कोई भी सरकारी नौकरी इसमें निकले उसमें इसको इंप्लीमेंट किया जाना चाहिए नहीं किया जाता है तो मेरी आपत्ति रहेगी. जैसे ही यह लेटरल एंट्री वाला मामला हम लोगों के संज्ञान में आया उसी वक्त से मैं लगातार अलग-अलग जगह पर कंसर्न अथॉरिटीज के सामने इस विषय को रखा. प्रधानमंत्री के समक्ष मैंने इन बातों को प्रमुखता से रखा. उनके संज्ञान में अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग के लोगों के तमाम चिंताओं को मैंने रखने का काम किया. लगभग पिछले डेढ़ दो दिन से लगातार मैं खुद प्रधानमंत्री कार्यालय से संपर्क में रहा. उन्होंने इस विषय से जुड़े हुए हर बिंदु पर मुझसे चर्चा की. समय-समय पर जो दस्तावेज हैं, उनको बढ़िया करने की जरूरत पड़ी. पिछले डेढ़ दो दिन में मैंने उनको तैयार कर कर प्रधानमंत्री कार्यालय पीएमओ में भी मैंने भेजने का काम किया.

वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को लेकर क्या?

वहीं, वक्फ बोर्ड संशोधन कानून पर कहा कि मेरी पार्टी ने प्रमुखता से इस बिल को टेबल करने से पहले ही अपना सुझाव सरकार के समक्ष रख दिया था कि इसको कमेटी में भेजा जाएगा तो हम लोग को इसमें कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि उसी वक्त जो हमारी चर्चा भी हुई थी सबकी मंशा यही थी कि इसको कमेटी में भेजना चाहिए, ताकि इसको बेहतर मजबूत और सशक्त बनाने के लिए तमाम सुझावों का आदान-प्रदान हो. यह बात सरकार को टेबल करने से पहले ही कम्युनिकेट कर दी गई थी. वहीं चौकीदार और दफादार के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि जो नियुक्ति निकल गई थी एक-दो जिलों में इसको अभी होल्ड पर रखा गया है. जैसा मैंने कहा कि मेरी मुख्यमंत्री से इस विषय को लेकर बातचीत हुई थी.

समस्तीपुर में लाश मिलने के बाद मचा हड़कंप

प्रेम-प्रसंग में 8वीं कक्षा के छात्र की हत्या

संवाददाता । समस्तीपुर

समस्तीपुर के रोसड़ा थाना क्षेत्र के भिरहा गांव में बीते सोमवार को आठवीं कक्षा के एक छात्र का शव मिलने के बाद हड़कंप मच गया. लीची के पेड़ से शव लटका हुआ था. मृतक की पहचान भिरहा पूर्व पंचायत के वार्ड नंबर 12 निवासी राजमिस्त्री पप्पू दास के पुत्र कन्हैया कुमार (16 वर्ष) के रूप में की गई है.

सोमवार की सुबह जब कुछ महिलाएं शौच के लिए गईं तो देखा कि लीची के पेड़ से एक शव लटक रहा है. शव को देख महिलाओं ने गांव आकर लोगों को जानकारी दी. सूचना मिलते ही स्थानीय मुखिया लालटून पासवान समेत गांव के लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई. शव की पहचान होने पर मृतक के परिजन भी पहुंचे.

एक लड़की और युवक को हिरासत में लिया गया : हत्या के विरोध में परिजनों ने आक्रोशित लोगों के साथ मिलकर हनुमान नगर चौक के पास शव को रखकर आगजनी कर बांस-बल्ला लगाकर रोसड़ा-सिंघिया मुख्य पथ को जाम कर दिया. पुलिस ने करीब पांच घंटे बाद लोगों को समझाते हुए आरोपित लड़की और एक युवक को हिरासत में लिया जिसके बाद जाम को समाप्त करवाया. फिलहाल दोनों आरोपी से पुलिस पूछताछ में जुटी है.

इस मामले में प्रेम-प्रसंग का एंगल भी सामने आ रहा है. पुलिस ने मृतक के घर से 20 मीटर की दूरी पर रहने वाली एक नाबालिग लड़की और एक डीजे संचालक को हिरासत में लिया है. बताया जाता है कि डीजे संचालक और नाबालिग का अफेयर पहले से चल रहा था. दो महीने से कन्हैया लड़की के करीब आ गया था. परिजनों का आरोप है कि नाबालिग लड़की और डीजे संचालक राकेश ने मिलकर कन्हैया की हत्या कर दी है.

मृतक कन्हैया के बड़े भाई कृष्ण का कहना है कि नाबालिग लड़की और उसके प्रेमी डीजे संचालक राकेश ने मेरे भाई का मर्डर किया है. शव को लीची के पेड़ से लटकाया गया ताकि मामला आत्महत्या का लगे. इस संबंध में रोसड़ा थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि परिवार वालों के आरोप पर मृतक के पड़ोस में रहने वाली लड़की को हिरासत में लिया गया है. डीजे संचालक से भी पूछताछ की जा रही है. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद साफ हो पाएगा कि कन्हैया की मौत कैसे हुई है.

पुलिस पर हमले के मामले में छह गिरफ्तार

छपरा । सारण जिले के परसा थाना क्षेत्र के सगुनी गांव में शराबियों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर सोमवार की रात हुए हमले के मामले में अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है. देर रात कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया था. इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 6 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है. इनमें चार पुरुष एवं दो महिला आरोपित शामिल हैं.

पीके का तेजस्वी यादव पर तंज, बोले-

बाबूजी की दुकान पर बैठकर अपने ही नेताओं को दे रहे गाली

पटना । जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने तेजस्वी पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के दौरान तंज कसते हुए कहा कि बाबू जी की राजनीति की दुकान पर बैठकर अपने ही नेताओं को गाली दे रहे हैं. किशोर ने कहा कि राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने ही पत्र लिख कर अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं से कहा कि आप जन सुराज में शामिल न हों. तेजस्वी द्वारा दिए गए बयान का मतलब यह है कि वे खुद अपनी ही पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर सवाल उठा रहे हैं. यदि वे कह रहे हैं कि राजद के लोग पैसा लेकर जन सुराज में जा रहे हैं.

कारोबार

रीट ने निवेशकों को दिये 1,371 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली । चार सूचीबद्ध रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट ने इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही के लिए अपने यूनिट धारकों को 1,371 करोड़ रुपये दिये हैं. देश में सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध चार रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट)... ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट, एम्बेसी ऑफिस पार्क रीट, माइंडस्पेस बिजनेस पार्क रीट और नेक्सस सेलेक्ट ट्रस्ट हैं. इंडियन आंकड़ों के अनुसार, जून तिमाही में इन चार रीट ने मिलकर 2,45,000 से अधिक यूनिट धारकों को 1,371 करोड़ रुपये से ज्यादा वितरित किये हैं.

हाई-टेक पाइप्स को मिले 105 करोड़ रुपये के ठेके

नयी दिल्ली । हाई-टेक पाइप्स को अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के ग्राहकों से इलेक्ट्रिक रेजिस्टेंस वेल्डेड स्टील पाइप की आपूर्ति के लिए 105 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं. कंपनी ने साथ ही इक्विटी जारी कर 600 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना की भी घोषणा की. कंपनी ने कहा, ठेके अगले तीन महीनों में पूरे किए जाएंगे. ये आपूर्ति गुजरात के साणंद स्थित उसकी नई विनिर्माण सुविधा से की जाएगी. कंपनी बयान के अनुसार, ईआरडब्ल्यू स्टील पाइप की आपूर्ति के लिए कुल 105 करोड़ रुपये के ठेके अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के प्रमुख ग्राहकों मिले हैं.

कल्पतरु को 100.74 करोड़ का हुआ घाटा

नयी दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी कल्पतरु लिमिटेड ने आमदनी घटने के कारण पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 100.74 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा दर्ज किया है. कंपनी ने आईपीओ के जरिये 1,590 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिए पिछले सप्ताह पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास शुरुआती दस्तावेज दाखिल किए हैं. कंपनी आईपीओ से मिली राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से कर्ज कम करने के लिए करेगी. मुंबई स्थित कल्पतरु लिमिटेड ने आईपीओ के लिए दस्तावेजों का मसौदा दाखिल किया है. डीआरएचपी के अनुसार, कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 100.74 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा दर्ज किया.

कमजोर हाजिर मांग से सोना वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली । कमजोर हाजिर मांग के बीच सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया जिससे वायदा कारोबार में शुक्रवार को सोने की कीमत एक रुपये की गिरावट के साथ 71,583 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गयी. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अक्टूबर माह में आपूर्ति वाले अनुबंध का भाव एक रुपये की गिरावट के साथ 71,583 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया. इसमें 17,375 लॉट का कारोबार हुआ. बाजार विश्लेषकों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के कारण सोना वायदा कीमतों में गिरावट आई. वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में सोना 0.05 प्रतिशत चढ़कर 2,542.50 डॉलर प्रति औंस हो गया.

मजबूत हाजिर मांग से चांदी वायदा कीमतों में तेजी आई

नयी दिल्ली । मजबूत हाजिर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से सोमवार को वायदा कारोबार में चांदी की कीमत 425 रुपये की तेजी के साथ 84,763 रुपये प्रति किग्रा हो गया. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के सितंबर महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 425 रुपये यानी 0.5 प्रतिशत की तेजी के साथ 84,763 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया. इसमें 23,316 लॉट का कारोबार हुआ. बाजार विश्लेषकों ने कहा कि घरेलू बाजार में मजबूती के रुख के कारण कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली करने से चांदी वायदा कीमतों में तेजी आई. वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में चांदी की कीमत 0.67 प्रतिशत की तेजी के साथ 29.93 डॉलर प्रति औंस हो गयी.

कमजोर हाजिर मांग से कच्चे तेल के वायदा भाव में गिरावट

नयी दिल्ली । कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया जिससे वायदा कारोबार में गुरुवार को कच्चा तेल की कीमत 0.87% की गिरावट के साथ 8,908 रुपये प्रति बैरल रह गयी. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 78 रुपये या 0.87% की गिरावट के साथ 8,908 रुपये प्रति बैरल रह गयी. इसमें 4,492 लॉट का कारोबार हुआ. वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 0.64% की तेजी के साथ 116.05 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था. वहीं ब्रेंट कच्चा तेल का दाम 0.51% की तेजी के साथ 119.11 डॉलर प्रति बैरल हो गया.

बैंकिंग-आईटी शेयरों में मजबूती से चढ़ा बाजार

वित्तीय शेयरों में लिवाली से सेंसेक्स 378 अंक उछला, निफ्टी भी 24700 के करीब

एजेंसी । मुंबई

वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के बीच वित्तीय और वाहन शेयरों में लिवाली से स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को अच्छी तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 378 अंक चढ़ गया. एनएसई निफ्टी भी लाभ में रहा. तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 378.18 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ 80,802.86 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 518.28 अंक तक उछल गया था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में लगातार चौथे दिन तेजी रही और यह 126.20 अंक यानी 0.51 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,698.85 अंक पर बंद हुआ.

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी और सन फार्मा प्रमुख रूप से लाभ में रहीं. दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में भारती एयरटेल, आईटीसी, अदाणी पोर्ट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील और टाटा मोटर्स शामिल हैं.

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की लाभ में जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे. यूरोप के प्रमुख बाजारों में कारोबार के दौरान तेजी का रुख रहा. अमेरिकी बाजार सोमवार को बढ़त में रहे थे.

मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रशांत तापसे ने कहा, खुदरा निवेशकों के एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में निवेश जारी रहने के साथ शेयर बाजार को मजबूती मिल रही है. प्रतिभागियों की नजर वैश्विक कारकों पर होगी. निवेशकों को बुधवार को जारी होने वाले जुलाई में हुई एफओएमसी (फेडरल ओपन मार्केट कमेटी) की बैठक के ब्योरे की प्रतीक्षा है. शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 2,667.46 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे. हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,802.92 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77.10 डॉलर प्रति बैरल रहा. बीएसई सेंसेक्स सोमवार को सीमित कारोबार में 12.16 अंक टूटा था, जबकि एनएसई निफ्टी 31.50 अंक के लाभ में रहा था.

अशोक लीलैंड का एमएचसीवी खंड में एक अंकीय वृद्धि का लक्ष्य

एजेंसी । कोलकाता

अग्रणी वाहन विनिर्माता कंपनी अशोक लीलैंड चालू वित्त वर्ष 2024-25 में मध्यम व भारी वाणिज्यिक वाहन (एमएचसीवी) कारोबार में एक अंकीय वृद्धि हासिल करना चाहती है. अशोक लीलैंड के अध्यक्ष संजीव कुमार ने कहा कि इस खंड में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी करीब 30 प्रतिशत है और वह इस श्रेणी में दूसरे नंबर की कंपनी है. उन्होंने कहा, हम चालू वित्त वर्ष में एमएचसीवी श्रेणी में एकल अंक की वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं. अर्थव्यवस्था में तेजी आने के साथ ही हम मजबूत वाणिज्यिक वाहन बाजार की उम्मीद कर रहे हैं. कुमार ने कहा कि अशोक लीलैंड के लिए पूर्वी क्षेत्र एक महत्वपूर्ण बाजार रहा है, जिसकी बाजार हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है. वहीं एमएचसीवी खंड कंपनी के कुल राजस्व में करीब 60 प्रतिशत का योगदान देता है. एमएचसीवी के अंतर्गत यात्री वाहन श्रेणी में कंपनी देश में 40 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ बस खंड में अग्रणी है. कुमार ने कहा कि कंपनी तरल प्राकृतिक गैस तथा हाइड्रोजन जैसे वैकल्पिक ईंधन पर काम कर रही है. उन्होंने कहा, वैकल्पिक ईंधन पर चलने वाले वाहनों की संख्या में वृद्धि के लिए बुनियादी ढांचे का समर्थन महत्वपूर्ण है.

बाजार को बताया | टीके बनाने वाली कंपनी पैनेसिया बायोटेक लिमिटेड को लगा झटका

पैनेसिया बायोटेक को मिला 5.75 करोड़ का नोटिस

एजेंसी । नयी दिल्ली

टीके बनाने वाली कंपनी पैनेसिया बायोटेक लिमिटेड को नवी मुंबई में पट्टे पर दी गई जमीन तथा भवन की बिक्री पर मुंबई में जीएसटी प्राधिकरण से करीब 5.75 करोड़ रुपये का कर मांग नोटिस मिला है. पैनेसिया बायोटेक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी को मुंबई के राज्य कर के सहायक आयुक्त के कार्यालय से 19 अगस्त, 2024 को एक नोटिस मिला. इसमें नवी मुंबई में पट्टे पर दी गई भूमि और भवन की बिक्री पर ब्याज तथा जुर्माने सहित (माल एवं सेवा कर) जीएसटी की शेष राशि के लिए 5,74,53,146 रुपये की मांग की गई है. इसमें आरोप लगाया गया है कि यह लेनदेन एक सब-लीज लेनदेन है. कंपनी ने कहा कि इससे पहले अप्रैल, 2024 में उसने विरोधस्वरूप 3,14,17,862 रुपये की राशि जमा कराई थी और इस संबंध में बंबई उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका भी दायर की है.

पैनेसिया बायोटेक ने अपने आकलन के आधार पर कहा कि यह मांग स्वीकार्य नहीं है और वह इसके खिलाफ अपील दायर करने सहित सभी आवश्यक कदम उठाने पर विचार कर रही है. कंपनी ने कहा कि उसे इससे अपने वित्तीय, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर किसी प्रासंगिक प्रभाव की आशंका नहीं है.

हिन्दुस्तान जिंक दूसरा अंतरिम लाभांश देगी

एजेंसी । नयी दिल्ली

वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड के निदेशक मंडल ने चालू वित्त वर्ष के लिए 19 रुपये प्रति शेयर के दूसरे अंतरिम लाभांश को मंजूरी दे दी है. यह 8,028.11 करोड़ रुपये बैठता है. निदेशक मंडल की मंगलवार को हुई बैठक में इसे मंजूरी दी गई. हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने बीएसई को दी गई सूचना में कहा, निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 19 रुपये प्रति शेयर यानी दो रुपये प्रति शेयर के अंकित मूल्य पर 950 प्रतिशत के दूसरे अंतरिम लाभांश पर विचार किया और उसे मंजूरी दे दी है. यह 8,028.11 करोड़ रुपये बैठता है. 'पीटीआई-भाषा' ने पहले ही खबर दी थी कि एचजेडएल वित्त वर्ष 2024-25 में अपने शेयरधारकों को 8,000 करोड़ रुपये का विशेष लाभांश भुगतान करने की योजना बना रही है.

ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स ने विनिर्माण में किया प्रवेश

एजेंसी । नयी दिल्ली

ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स ने दूरसंचार उपकरण विनिर्माण में प्रवेश की मंगलवार को घोषणा की. कंपनी ने देश में दूरसंचार उपकरणों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयासों को लेकर प्रतिबद्धता भी जाहिर की. ऑप्टिमस ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, वह अपने नोएडा विनिर्माण संयंत्र से 4जी बेस बैंड यूनिट, रिमोट रेडियो हेड, ब्रॉडबैंड स्विच और राउटर जैसे दूरसंचार उपकरण उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए विनिर्माण साझेदार के रूप में तेजस नेटवर्क्स के साथ काम कर रही है. इसमें कहा गया, यह घोषणा दूरसंचार उपकरणों के डिजाइन तथा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने के भारत के जारी प्रयासों की पृष्ठभूमि में की गई है. ऑप्टिमस का लक्ष्य दूरसंचार उपकरणों की घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना है.

ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रबंध निदेशक ए. गुरुराज ने कहा, हम भारत में दूरसंचार विनिर्माण में 'मेक इन इंडिया' पहल की दिशा में एक कदम बढ़ाने के इस प्रयास में उनका समर्थन करने के लिए तैयार हैं. तेजस नेटवर्क्स के मुख्य आपूर्ति श्रृंखला अधिकारी वी. सेम्बियन ने कहा, आत्मनिर्भर भारत की दिशा में हमारे निरंतर प्रयास में, हमारे विनिर्माण भागीदारों में से एक के रूप में ऑप्टिमस को जोड़ने से दूरसंचार उत्पादों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा.

न्यूज अपडेट

संजय सिंह की गिरफ्तारी का आदेश

सुलतानपुर। सुलतानपुर की एक अदालत ने दो दशक से भी ज्यादा पुराने एक मामले में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और समाजवादी पार्टी के नेता अनूप संडा के पेशी पर नहीं आने पर कड़ी आपत्ति जताई और स्थानीय पुलिस को उन्हें गिरफ्तार कर सुनवाई की अगली तारीख 28 अगस्त को अदालत में पेश करने का आदेश दिया. सांसद /विधायक अदालत के विशेष न्यायाधीश शुभम वर्मा ने सिंह, संडा और अन्य के खिलाफ जारी गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट को भी बरकरार रखा. एक न्यायिक अधिकारी ने बताया, 'अदालत ने पुलिस को सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर 28 अगस्त तक अदालत में पेश करने का निर्देश दिया है."

कोर्ट के बाहर गोलीबारी में दो की मौत

एलिजाबेथटाउन। केंटकी में एक अदालत के बाहर सोमवार को एक बंदूकधारी ने एक मां और बेटी की गोली मारकर हत्या कर दी और एक अन्य व्यक्ति को घायल कर दिया. पुलिस के पीछा करने के दौरान उसने राजमार्ग पर खुद को भी गोली मार ली. एलिजाबेथटाउन पुलिस ने बताया कि संदिग्ध क्रिस्टोफर एल्डर (46) की हालत गंभीर बनी हुई है. उसने खुद को गोली मार ली थी. मृतक अदालत की सुनवाई में शामिल हुई थी.

इमरान ने चांसलर का दिया आवेदन

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान ख़ान ने ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का चांसलर बनने के लिए आवेदन दिया है. इमरान ख़ान के सलाहकार सैयद जुल्फिकार बुखारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी. उन्होंने बताया कि इमरान ख़ान के कहने पर "ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी चांसलर इलेक्शन 2024" के लिए उनका आवेदन फॉर्म जमा कर दिया गया है. वहीं, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी ने अभी तक इसे लेकर कुछ नहीं कहा है.

ब्रिटेन में नए सिक्के प्रचलन में आए

लंदन। ब्रिटेन में मंगलवार से महाराजा चार्ल्स तृतीय के चित्र तथा मधुमक्खियों के डिजाइन वाले एक पाउंड के पहले सिक्के प्रचलन में आ गए हैं. देश भर के डाकघरों और बैंकों के माध्यम से कुल 29.75 लाख सिक्के नकदी प्रचलन में आएंगे. ब्रिटेन की टकसाल 'रॉयल मिंट' के अनुसार, मधुमक्खियों के डिजाइन वाला पाउंड आठ नए डिजाइन में से एक है जो एक पेंस से दो पाउंड मूल्यवर्ग में सिक्कों पर दिखाई देंगे.

महाकाल मंदिर को अलग थाना मिलेगा

उज्जैन। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार को उज्जैन में 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक महाकालेश्वर मंदिर को समर्पित एक अलग थाने की स्थापना की घोषणा की. यह निर्णय मंदिर परिसर के लिए प्रस्तावित बढ़ी हुई सुरक्षा व्यवस्था के तहत लिया गया है, जिसमें निजी सुरक्षा एजेंसियों के साथ मौजूदा अनुशासन संबंधी मुद्दों को हल करने के लिए 400 होमगार्ड की तैनाती शामिल है. यादव ने बेहतर प्रबंधन और अनुशासन का आह्वान किया.

किरण चौधरी का विस से इस्तीफा

चंडीगढ़। हरियाणा की विधायक किरण चौधरी ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और उन्हें भाजपा द्वारा राज्यसभा उपचुनाव में उम्मीदवार बनाए जाने की संभावना है. करीब दो माह पहले कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुईं चौधरी ने मंगलवार को फोन पर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'मैंने विधानसभा सदस्य (विधायक) के तौर पर इस्तीफा दे दिया है.' आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विधानसभा अध्यक्ष ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है.

जहरीली शराब पीने से 14 लोग बीमार

बेरहामपुर। ओडिशा के गंजाम जिले में कथित तौर पर 'नकली' शराब पीने से कम से कम 14 लोग बीमार पड़ गए. पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उसके अनुसार यह घटना सोमवार देर रात चिकिता इलाके के माउंडपुर गांव में हुई. सभी पीड़ित करबलुआ गांव के रहने वाले हैं. देशी शराब पीने से उनमें कुछ लोगों को बेचैनी और उल्टी होने लगी. उन्हें चिकिता स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया.

पीओके 5.1 तीव्रता के भूकंप से दहला

इस्लामाबाद। कश्मीर का पाकिस्तान के कब्जे वाला हिस्सा (पीओके) मंगलवार को 5.1 तीव्रता के दो भूकंप के कारण दहल गया, और इस पर्वतीय क्षेत्र के निवासियों के बीच दहशत फैल गई. 'डॉन' समाचार पत्र की खबर के अनुसार, भूकंप से किसी तरह के नुकसान के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है. अमेरिकी भूगर्भीय सर्वे के अनुसार, दोनों भूकंप की तीव्रता 5.1 दर्ज की गई है और इसका केंद्र कश्मीर में था.

त्रिपुरा में भूस्खलन से पांच की मौत

अगरतला। त्रिपुरा में लगातार बारिश के कारण तीन स्थानों पर हुए भूस्खलन में एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई जबकि एक ग्रामीण लापता है. पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी. शांतिरबाजार के उप जिलाधिकारी (एसडीएम) अभेदानंद बैद्य ने ''पीटीआई-भाषा'' को फोन पर बताया कि दक्षिण त्रिपुरा जिले के देबीपुर में सोमवार रात भीषण भूस्खलन से एक घर के ढह जाने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई.

उद्धव ठाकरे ने मुंबई में कांग्रेस के सद्भावना दिवस कार्यक्रम में पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर जमकर निशाना साधा, कहा

शिवसेना-कांग्रेस कट्टर विरोधी रहे, लेकिन बदले की भावना से काम नहीं किया

एजेंसी। मंबई

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा, उनके पिता बाल ठाकरे ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की आलोचना की थी, लेकिन केंद्रीय एजेंसियों ने कभी शिवसेना कार्यकर्ताओं को परेशान नहीं किया. उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस के सद्भावना दिवस कार्यक्रम में पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि राजीव गांधी की सरकार ने चुनौतियों का डटकर सामना किया लेकिन वर्तमान सरकार मणिपुर और कश्मीर में हिंसा की समस्याओं पर मौन रही. वहीं राकांपा (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके सहयोगी नेहरू परिवार के प्रति द्वेष रखते हैं. पवार ने कहा, देश के इतिहास से पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और उनके परिवार के योगदान को कोई नहीं मिटा सकता.

नेहरू व उनके परिवार के योगदान को कोई नहीं मिटा सकता : पवार

कांग्रेस के सद्भावना दिवस कार्यक्रम में बरसे उद्धव : कांग्रेस मुंबई की तरफ से आयोजित सद्भावना दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में राजीव गांधी कभी भी चुनौतियों का सामना करने से पीछे नहीं हटे, जबकि मौजूदा सरकार मणिपुर और कश्मीर में हिंसा भड़कने पर भी चिंतित नहीं थी.

भाजपा 'जहर', उसे चखने की कोई जरूरत नहीं: खरगे

सद्भावना दिवस कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार 'अल्पमत' सरकार है; यह जद(यू) और तेदेपा के समर्थन के बिना काम नहीं कर सकती. विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने भाजपा को करारा जवाब दिया, उसकी लोकसभा सीट की संख्या घटाकर 240 कर दी. भाजपा 'जहर' जैसी है, उसे चखने की कोई जरूरत नहीं है.

2019 में राजग से अलग हुई थी अविभाजित शिवसेना

कभी भाजपा की सबसे पुरानी सहयोगी पार्टी रही शिवसेना 2019 में एनडीए गठबंधन से अलग हो गई थी, वहीं 2022 में राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पार्टी के 39 अन्य विधायकों के साथ बगावत किया. जिसकी वजह से राज्य में तत्कालीन महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई थी और शिवसेना दो हिस्सों में बंट गई थी. इसके बाद एकनाथ शिंदे भाजपा के समर्थन से राज्य के नए मुख्यमंत्री बने.

महाराष्ट्र : प्रदर्शनकारी हुए हिंसक, बदलापुर स्टेशन पर रेल परिचालन ठप

एक विद्यालय में दो बच्चियों के यौन शोषण के खिलाफ प्रदर्शन

एजेंसी। ठाणे

कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और हत्या के ख़िलाफ़ पूरे भारत में विरोध प्रदर्शनों के बीच महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में दो नाबालिग लड़कियों के साथ कथित यौन शोषण की घटना सामने आई है. इस मामले में एक शख़्स को गिरफ़्तार किया गया है. बदलापुर के एक मशहूर स्कूल के वॉशरूम में चार और छह साल की दो बच्चियों के साथ कथित यौन शोषण की घटना के बाद हर तरफ गुस्से की लहर है और हजारों नागरिक सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. इस घटना के विरोध में मंगलवार को लोगों ने बदलापुर स्टेशन पर रेल रोको प्रदर्शन शुरू कर दिया.

सेंट्रल रेलवे ने बताया कि इस वजह से इस रूट पर लंबी दूरी की 10 ट्रेनों का रास्ता बदल दिया गया. आक्रोशित भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भारी पुलिस बल को तैनात किया गया है. इसी बीच, प्रदर्शनकारियों ने रेल रोको वापस लेने की सरकार की अपील खारिज कर दी. महाराष्ट्र सरकार ने भारी विरोध के बीच मामले की जांच में कथित तौर पर कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही के लिए एक वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सहित तीन पुलिस अधिकारियों को मंगलवार को निलंबित करने का आदेश दिया. साथ ही राज्य सरकार मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आदेश दे दिया है, जिसका नेतृत्व पुलिस महानिरीक्षक रैंक की अधिकारी आरती सिंह करेंगी. गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ठाणे पुलिस आयुक्त को मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक अदालत में करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया था.

वहीं विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि पीड़ित लड़कियों के माता-पिता को शिकायत दर्ज कराने के लिये बदलापुर पुलिस थाने में 11 घंटे तक इंतजार करना पड़ा. पुलिस ने 17 अगस्त को बदलापुर के एक स्कूल अटेंडेंट को तीन और चार साल की दो छात्राओं के कथित यौन उत्पीड़न को लेकर गिरफ्तार किया था. शिकायत के अनुसार, उसने स्कूल के शौचालय में बच्चियों का यौन उत्पीड़न किया. स्कूल प्रबंधन ने इस घटना को लेकर प्राचार्य, एक क्लास टीचर और एक महिला अटेंडेंट को निलंबित कर दिया है.

फास्ट ट्रैक अदालत में चलाया जाए मुकदमा : उद्धव ठाकरे

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने ठाणे जिले के एक स्कूल में दो बच्चियों के यौन शोषण के मामले में फास्ट ट्रैक अदालत में मुकदमा चलाने और जल्दी इंसाफ देने की मंगलवार को मांग की. ठाकरे ने पत्रकारों से कहा कि एक तरफ 'महायुति' सरकार महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री लाड़की बहिन योजना चला रही है, लेकिन बहनों की बेटियां सुरक्षित नहीं हैं. कोलकाता में एक डॉक्टर के साथ बलात्कार के और उसके बाद हत्या की घटना का स्पष्ट संदर्भ देते हुए ने उद्धव ने कहा कि कुछ राज्यों को निशाना बनाकर महिलाओं के खिलाफ अपराध पर राजनीति की जा रही है. कोलकाता के मामले को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आलोचनाओं का सामना कर रही हैं. पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि जिस स्कूल में लड़कियों के साथ कथित तौर का यौन शोषण हुआ, उसका संबंध भाजपा नेताओं से है. उन्होंने कहा, "मामले की त्वरित सुनवाई होनी चाहिए और पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिलना चाहिए."

अंबरनाथ-कर्जत मार्ग पर रेल सेवाएं निलंबित

मुंबई। ठाणे जिले में एक स्कूल में दो बच्चियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न की घटना को लेकर बदलापुर स्टेशन पर रेल रोको प्रदर्शन की वजह से लंबी दूरी की 10 ट्रेन के मार्ग में बदलाव किया गया है. मध्य रेलवे ने यह जानकारी दी. कई महिलाओं सहित प्रदर्शनकारियों के रेल की पटरियों पर आने और यातायात अवरुद्ध करने के कारण अंबरनाथ और कर्जत स्टेशन के बीच लोकल ट्रेन सेवाएं सुबह 10:10 बजे से निलंबित कर दी गईं. पुलिस ने बताया कि विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया और प्रदर्शनकारियों ने उस स्कूल में तोड़फोड़ की, जहां पिछले सप्ताह कथित घटना हुई थी. उन्होंने बदलापुर रेलवे स्टेशन पर भी पथराव किया. सोलापुर-सीएसएमटी वंदे भारत एक्सप्रेस सहित कम से कम 10 मेल-एक्सप्रेस ट्रेन को कर्जत-पनवेल-ठाणे स्टेशन के रास्ते भेजा गया. सीएसएमटी और अंबरनाथ स्टेशन के बीच लोकल ट्रेन सामान्य रूप से चल रही हैं.

ठाणे के एक अस्पताल में दिव्यांग लड़की से छेड़छाड़ के आरोप में एक गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक सरकारी अस्पताल परिसर में एक दिव्यांग लड़की से कथित तौर पर छेड़छाड़ करने के आरोप में 42 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने मंगलवार को बताया कि यह घटना सोमवार को कलवा के सरकारी अस्पताल में हुई. उन्होंने बताया कि आरोपी कथित तौर पर 11 वर्षीय बच्ची को पूर्वाह्न करीब 11 बजे अस्पताल लाया और उसने उसके साथ छेड़छाड़ की. उन्होंने बताया कि एक मरीज के रिश्तेदार ने आरोपी को यह सब करते हुए पकड़ लिया और शोर मचा दिया. अधिकारी ने बताया कि आरोपी ठाणे के विटावा क्षेत्र का निवासी है और उसे भारतीय न्याय संहिता एवं बाल यौन अपराध संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है. उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस इस मामले की जांच कर रही है.

रायबरेली : मृतक दलित युवक के परिजनों से मिले राहुल गांधी

एजेंसी लखनऊ

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के नसीराबाद में हाल में कथित रूप से मार दिये गये एक दलित युवक के परिवार से मिलने पहुंचे. कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने यह जानकारी दी.

कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई अध्यक्ष अजय राय ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि गांधी दोपहर करीब एक बजे अमेठी जिले के हवाई अड्डे पर उतरे और वहां से रायबरेली के नसीराबाद के लिए रवाना हुए, जहां हाल में एक दलित युवक की कथित रूप से हत्या कर दी गई थी. गांधी के साथ अजय राय और कांग्रेस के उत्तर प्रदेश मामलों के प्रभारी एवं राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडेय, राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी समेत कई प्रमुख नेता मौजूद थे. सलोन इलाके में 11 अगस्त को कुछ स्थानीय लोगों के साथ विवाद के बाद अनुज पासी (22) नामक एक दलित युवक की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी. पुलिस के अनुसार इस सिलसिले में अब तक कम से कम छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है.

खालिदा जिया के बैंक खातों से रोक 17 साल बाद हटेगी

- एनबीआर के बैंकों को दिए निर्देश से बीएनपी अध्यक्ष को राहत

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश में कर अधिकारियों ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की अध्यक्ष खालिदा जिया के बैंक खातों पर 17 साल पहले रोक लगायी गयी रोक को हटाने का फैसला किया है.

'डेली स्टार' समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड (एनबीआर) ने सोमवार को बैंकों को बीएनपी अध्यक्ष जिया के खातों पर लगी रोक हटाने का निर्देश दिया. अगस्त 2007 में एनबीआर के केंद्रीय खुफिया प्रकोष्ठ ने बैंकों को बीएनपी अध्यक्ष के खातों पर रोक लगाने का निर्देश दिया था. वह 1990 के बाद से दो बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री चुनी जा चुकी हैं. एनबीआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह निर्णय सेना समर्थित तत्कालीन कार्यवाहक सरकार के दौरान गठित एक समिति की सिफारिश पर आधारित था. इसके बाद से ही उनके बैंक खातों पर रोक लगी हुई है. बीएनपी ने कई मौकों पर इन पर रोक हटाने की मांग की है. बाद में उन्हें नियमित खर्चों के लिए ढाका छावनी में रूपाली बैंक की शहीद मोइनुल रोड शाखा से हर महीने एक निश्चित राशि निकालने की अनुमति दी गई. तत्कालीन कार्यवाहक सरकार ने शेख हसीना के बैंक खातों पर भी रोक लगा दी थी. यह ताजा कदम खालिदा की पुरानी प्रतिद्वंद्वी हसीना को बड़े पैमाने पर विद्रोह के बाद सत्ता से बेदखल करने के बाद उठाया गया है.

गाजा में इजराइली अभियान के दौरान छह बंधकों के शव मिले

एजेंसी। यरूशलम

इजराइल की सेना ने कहा है कि उसने पिछले साल सात अक्टूबर को हमास के हमले के दौरान बंधक बनाए गए छह लोगों के शव बीती रात बरामद किए हैं. दूसरी ओर अमेरिका, मिस्र और कतर इजराइल व हमास के बीच संघर्ष विराम समझौते की कोशिशों में जुटे हैं. सेना ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि उसके सैनिकों ने दक्षिण गाजा में बीती रात अभियान के दौरान ये शव बरामद किए हैं. हालांकि उनकी मौत कब और कैसे हुई, इसकी जानकारी नहीं दी गई है. बंधकों के परिवारों ने कहा है कि उन्हें जिंदा बंधक बनाया गया था. वहीं हमास का कहना है कि कुछ बंधक इजराइल के हवाई हमले में हताहत हुए हैं. शवों का बरामद होना हमास के लिए भी एक झटका है, जो बंधकों के बदले फलस्तीनियों कैदियों को रिहा कराना, इजराइली सैनिकों की गाजा से वापसी और दीर्घकालिक संघर्ष विराम चाहता है. इससे इजराइल पर भी समझौते पर पहुंचने का दबाव पड़ने की संभावना है.

नेतन्याहू ने संघर्ष विराम प्रस्ताव को किया स्वीकार!

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सोमवार को कहा कि नेतन्याहू ने महीनों से जारी संघर्ष विराम वार्ता में अंतराल को पाटने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है. उन्होंने हमास से भी ऐसा करने का आह्वान किया. हमास ने अमेरिका पर इजराइल की मांगों को अपनाने और उन्हें उसपर थोपने का आरोप लगाया है. दोनों पक्षों के बीच अब भी व्यापक मतभेद दिखाई देते हैं. इनमें गाजा में दो रणनीतिक गलियारों पर स्थायी नियंत्रण की इजराइल की मांग भी शामिल है.

रिपोर्ट मिलने के बावजूद चुप्पी साधने व कार्रवाई न करने पर केरल सरकार की आलाचेना

हेमा समिति की रिपोर्ट पर राजनीतिक तूफान

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट में मलयालम सिनेमा में महिलाओं के यौन उत्पीड़न पर आश्चर्यजनक खुलासों ने मंगलवार को केरल में राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया. विपक्षी दलों ने रिपोर्ट मिलने के बावजूद पिछले चार साल में इस पर चुप्पी साधने तथा कोई कार्रवाई न करने के लिए वाम मोर्चे की सरकार की आलाचेना की जबकि सरकार ने पीड़ितों को समर्थन दिया. कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने सवाल उठाया कि क्या सरकार ने आरोपियों को बचाने के लिए रिपोर्ट को गोपनीय रखा. उसने आरोप लगाया कि पिनरायी विजयन सरकार असहाय पीड़ितों के बजाय 'शिकारियों' का पक्ष ले रही थी. सरकार तथा संस्कृति मामलों के मंत्री साजी चेरियन पर तीखा प्रहार करते हुए भाजपा ने आरोप लगाया कि वह आरोपियों द्वारा किए गए अपराधों के बारे में सूचना मिलने के बावजूद उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई करने में विफल रहे.

बहरहाल, सरकार ने आरोपों से इनकार किया और स्पष्ट किया कि उन्होंने समिति की सिफारिशों तथा सुझावों को लागू करने के कदम उठाना पहले ही शुरू कर दिया है. साजी चेरियन ने यहां पत्रकारों से कहा, 'सरकार हमेशा पीड़ितों... और महिला समुदाय के साथ है.'

क्या है हेमा कमेटी रिपोर्ट?

राज्य सरकार ने 2019 में न्यायमूर्ति हेमा समिति का गठन किया था. समिति ने मलयालम फिल्म उद्योग में महिलाओं के समक्ष आ रही समस्याओं का अध्ययन किया. रिपोर्ट में महिलाओं के यौन उत्पीड़न, शोषण और दुर्व्यवहार के महत्वपूर्ण विवरण को उजागर किया गया है. कहा गया है कि महिला कलाकारों को उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, जिसमें फिल्म उद्योग में नशे में धुत व्यक्तियों द्वारा उनके कमरों के दरवाजे खटखटाने की घटनाएं भी शामिल हैं. यौन उत्पीड़न की शिकार कई महिलाएं डर के कारण पुलिस में शिकायत करने से कतराती हैं.

विदाई भाषण में भावुक हुए बाइडन राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार को लोकतंत्र की रक्षा के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति बताया

बाइडन ने कमला हैरिस को सौंपी डेमोक्रेटिक पार्टी की कमान

एजेंसी। शिकागो

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने सोमवार रात डेमोक्रेटिक पार्टी की कमान आधिकारिक तौर पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को सौंप दी. उन्होंने कमला को लोकतंत्र की रक्षा के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति करार देते हुए कहा कि वह एक 'ऐतिहासिक राष्ट्रपति' साबित होंगी.

इससे पहले बाइडन (81) जब शिकागो में आयोजित चार दिवसीय डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में पहुंचे, तो वहां मौजूद हजारों नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनकी बेटी ऐश्ले ने उनका स्वागत किया. इस दौरान, बाइडन ऐश्ले को गले लगाते और खुद के आंसू पोंछते नजर आए. सम्मेलन के दौरान कमला (59) बृहस्पतिवार को आधिकारिक तौर पर डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी स्वीकार करेंगी. पांच नवंबर को प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव में उनका मुकाबला रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप (78) से होगा. बाइडन ने उत्साह से भरपूर नेताओं और कार्यकर्ताओं से सवाल किया, "क्या आप कमला हैरिस को अमेरिकी की राष्ट्रपति चुनने के लिए तैयार हैं." उन्होंने देशवासियों से कमला के पक्ष में मतदान करने की अपील भी की. बाइडन ने कहा, "मुझे अपने काम से प्यार है. मुझे अपने देश से और भी ज्यादा प्यार है. हमें अपने लोकतंत्र को बचाए रखने की जरूरत है. हमें डोनाल्ड ट्रंप को हराने और कमला (हैरिस) व टिम (वाल्ज) को क्रमशः अमेरिका का राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति चुनने के लिए आपकी जरूरत है."

बाइडन ने कहा कि ट्रंप को 2024 में महिलाओं की ताकत का अंदाजा लगेगा. उन्होंने कहा कि कमला जल्द अमेरिका की 47वीं राष्ट्रपति के रूप में सेवाएं देंगी. बाइडन ने कहा, "अमेरिका का भविष्य देशवासियों के हाथों में हैं. हमने 2020 में लोकतंत्र की रक्षा की और हमें 2024 में फिर ऐसा करना है."

हम देश के भविष्य के लिए एकजुट हैं : हैरिस

वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में अचानक पहुंचीं हैरिस (59) ने देश भर से एकत्र हुए पार्टी के हजारों सदस्यों के उत्साह और जोश के बीच कहा कि आज रात सभी को देखकर मुझे हमारे महान राष्ट्र की खूबसूरती का भली भांति अंदाजा हो गया है. हर कोने और हर क्षेत्र से आए लोग हमारे देश के भविष्य के लिए हमारे साझा दृष्टिकोण को लेकर यहां एकजुट हैं. इस नवंबर में हम एक साथ आएंगे और एक स्वर में घोषणा करेंगे कि हम एक राष्ट्र के रूप में आशावाद, उम्मीद और विश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं.

ईरान पर प्रचार अभियान में हस्तक्षेप करने का आरोप

वाशिंगटन। अमेरिका के खुफिया अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि उन्हें विश्वास है कि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रचार अभियान में हस्तक्षेप करने के लिए ईरान जिम्मेदार है. इसे अमेरिकी चुनाव के नतीजों को संभावित रूप से बदलने और देश की राजनीति में दखल देने के ईरान के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है. एफबीआई और अन्य संघीय एजेंसियों के आकलन में पहली बार अमेरिकी सरकार ने हैकिंग के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया है जिससे चुनाव में विदेशी हस्तक्षेप के खतरे को लेकर चिंता बढ़ गयी है.

हेमा समिति की रिपोर्ट पर थरूर का केरल सरकार पर निशाना

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य शशि थरूर ने मंगलवार को न्यायमूर्ति हेमा समिति की रिपोर्ट पर कार्रवाई नहीं करने के लिए केरल सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उसे शर्म आनी चाहिए.

तिरुवनंतपुरम के सांसद ने यहां जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर एक समारोह से इतर संवाददाताओं से कहा कि यह बेहद शर्मनाक और चौंकाने वाला है कि सरकार इस रिपोर्ट को लगभग पांच साल तक दबाए बैठी रही और अब दबाव में इसे जारी कर रही है. मैंने सांस्कृतिक मामलों के मंत्री का एक बयान देखा, जिसमें कहा गया था कि ये महिलाएं सरकार के पास आ सकती थीं और शिकायत कर सकती थीं और उन्होंने केवल आयोग को शिकायत दी है, लेकिन आयोग तो सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है. फिर यह कैसा बहाना है? यह बिल्कुल अपरिहार्य है कि रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाये. थरूर ने कहा, 'सच कहूं तो राज्य सरकार को खुद पर शर्म आनी चाहिए.' उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए असुरक्षित कामकाजी माहौल बनाने और उन्हें डराने-धमकाने, ब्लैकमेल करने तथा इससे भी बदतर कृत्यों के चलते केरल फिल्म उद्योग की छवि इस तरह से धूमिल होते देखना अक्षम्य है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)